नई दिल्ली

मंगलवार 21 जुलाई 2026

आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष,
अष्टमी वर्ष : 30, अंक : 93
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 31
न्यून. 27

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मुझे लिखित याचिका दी गई, धरने को समाप्त करें प्रदर्शनकारीः नड्डा

सीजेपी प्रतिनिधिमंडल ने नड्डा से की मुलाकात, प्रधान के इस्तीफे सहित तीन मांगें रखी

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले को लेकर सोमवार को नई दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। दो बार की बातचीत के दौरान प्रतिनिधिमंडल में शामिल सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका ने अपना मांग पत्र नड्डा को सौंपा। इसमें सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की तत्काल रिहाई, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और आत्महत्या करने वाले नीट अभ्यर्थियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग शामिल है।

- सोनम वांगचुक की तत्काल रिहाई और आत्महत्या करने वाले नीट अभ्यर्थियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग ज्ञापन में दी
- मांगें पूरी होने तक शांतिपूर्ण प्रदर्शन रहेगा जारी : सौरव दास

नड्डा ने बताया कि सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत हुई है और शाम चार बजे उन्हें लिखित याचिका मिली। उन्होंने धरना समाप्त करने की अपील भी की। सौरव दास ने कहा कि हमने जेपी नड्डा को अपनी मांगें सौंप दी हैं, उन्होंने हमसे कहा है कि वे इन मांगों को सरकार के समक्ष रखेंगे। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने एक्स पर लिखा आज सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव आया और सुबह 11:50 बजे से ही हमारी बातचीत जारी है। सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुलाकात हुई। उनके डेलीगेशन के साथ विस्तार से पहले मौखिक चर्चा हुई और उनके द्वारा लगभग 4 बजे मुझे लिखित याचिका दी गई। मैंने सभी प्रदर्शनकारियों से अनुरोध किया कि वे अपने धरने को समाप्त करें और सामान्य स्थिति बहाल करने में प्रशासन की मदद करें। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि उन्होंने और आशुतोष रांका ने दोपहर से जेपी नड्डा के आवास पर रहकर अपनी सभी मांगें रखीं। उनके अनुसार, केंद्रीय मंत्री ने भरोसा ⏩ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

विमान संबंधी घटनाओं की रिपोर्ट होगी ऑनलाइन

नई दिल्ली। देश में हवाई सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। डीजीसीए जल्द ही एक डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू करने जा रहा है, जिसके जरिए विमानन क्षेत्र से जुड़ी घटनाओं की रिपोर्ट ऑनलाइन दर्ज की जा सकेगी। इससे घटनाओं की जानकारी समय पर मिलेग और जांच की प्रक्रिया तेज होगी।

सिक्किम में निर्माणाधीन सुरंग में 12 फंसे

गंगटोक। सिक्किम के नामची जिले में सोमवार दोपहर को भूस्खलन के कारण एक निर्माणाधीन सड़क सुरंग का प्रवेश द्वार बंद हो गया, जिससे उसके भीतर कम से कम 12 मजदूर फंस गए। पुलिस ने बताया कि भूस्खलन के कारण समरदुंग सुरंग के अंदर संदिग्ध गैस रिसाव भी हुआ है। आपातकालीन सेवाओं की टीम बचाव कार्य कर रही हैं।

पुलिस ने 1,450 किलो नशीले पदार्थ नष्ट किए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जब्त किए गए 1,452 किलोग्राम नशीले पदार्थों को सोमवार को नष्ट कर दिया। इनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 897 करोड़ है। 10वां मेगा मादक पदार्थ नष्ट कार्यक्रम विशेष पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में जीटी करनाल रोड पर निपटान सुविधा में आयोजित हुआ।

संसद भवन के करीब तक पहुंचे, सड़कों पर हजारों की संख्या में मौजूद थे प्रदर्शनकारी

संसद कूचः कॉकरोचों ने दिखाई ताकत, लाठीचार्ज और आंसू गैस के बीच दिनभर पुलिस से टकराते रहे

आनंद राणा ⏭ नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार को मानसून सत्र के पहले दिन की शुरूआत होने जा रहा थी। उधर, संसद भवन से करीब तीन किलोमीटर दूर जंतर मंतर पर रातभर जगे कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलनकारी संसद कूच की तैयारी में थे। दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के हजारों जवान मुस्तैद थे, उनकी ड्यूटी थी कि किसी भी हालत में प्रदर्शकारी संसद की तरफ न बढ़ पाएं।

सुबह करीब साढ़े नौ बजे का समय था। देखते ही देखते क्नॉट प्लेस, मंडी हाउस, जनपथ और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की तरफ से भीड़ संसद मार्ग की तरफ बढ़ने लगी। ये ज्यादातर लोग जिनमें छात्र बड़ी संख्या में थे दिल्ली के आसपास के इलाकों, एनसीआर और दूसरे राज्यों से प्रदर्शन में शामिल होने आए थे।

चारों तरफ अफरा तफरी का माहौल था सुरक्षाकर्मियों ने संसद के गेट बंद किए : फिर वो हुआ जिसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। संसद भवन की तरफ बढ़ने पर उतारू भीड़ और पुलिस बलों के बीच झड़प शुरू हो गई। बेकाबू भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने लाठी चार्ज किया, आंसू गैस के गोले दागे, बैरिकेडस को वैल्डिंग से जोड़ा, सड़कों पर आड़ी तिरछी गाड़ियां खड़ी की पर आंदोलनकारी इतनी बड़ी संख्या में थे कि दोपहर होते होते संसद भवन के करीब जा पहुंचें। सुरक्षाकर्मियों ने संसद के गेट बंद कर दिए और पोजिशन ले ली।

बेकाबू लोग मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलेः संसद भवन और रेल भवन के आसपास की सभी सड़कों पर टकराव के हालात थे। पुलिस स्थिति को कंट्रोल करने की जद्दोजहद में लगी थी और नारेबाजी करते प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने पर मानो अड़ गए थे। पुलिस ने आनन फानन में आसपास के मैट्रो स्टेशनों के निकास द्वार बंद करवा दिए। राजीव चौक मैट्रो स्टेशन जो जंक्शन है वहां आंदोलन के लिए मैट्रो ट्रेन से पहुंचे हजारों लोग इकट्ठा हो गए। स्टेशन के भीतर से लोग बेकाबू होकर बाहर निकलने लगे।

- इतनी भीड़ पुलिस प्रशासन की कल्पना से परे थी, आनन फानन में कई मेट्रो स्टेशन करने पड़े बंद
- भिड़ंत में कई प्रदर्शनकारियों के फूटे सिर, कुछ पुलिस कर्मी भी पथराव में हुए घायल
- धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़े प्रदर्शनकारी, जंतर मंतर से हटाये तो राजीव चौक के आसपास हुए जमा

कई घंटों तक कशमकश की स्थिति रही

पुलिस के लाठी चार्ज में बहुत से प्रदर्शनकारियों को चोटें आईं। कुछ पथराव की घटनाएं भी हुई जिसमें पुलिस बलों के जवान भी चोटिल हुए। अगले कई घंटे तक कशमकश की यह स्थिति बरकरार रही। दोपहर में सैंकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी संसद के नार्थ द्वार और विजय चौक के आसपास पहुंच गए। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला संसद भवन से उनके सरकारी आवास लोक कल्याण मार्ग की तरफ निकल चुका था। संसद भवन के भीतर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने सभी गेट बंद कर दिए।

सड़कों पर जमकर टकराव हुआ

सड़कों पर जमकर टकराव होता रहा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए आगे बढ़ रहे प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के खिलाफ भी नारेबाजी करते दिखे। पुलिस बहुत से प्रदर्शनकारियों को गाडियों में भरकर आसपास के थानों में लेकर जा रही थी पर प्रदर्शकारियों की तादाद इतनी बड़ी थी कि तमाम कोशिशों के बाद भी हालात काबू में आते दिखाई नहीं पड़ रहे थे।

महिलाओं ने पुलिस को कोसा

पुलिस ने काफी जद्दोजहद के बाद दोपहर 3 बजे तक संसद भवन के आसपास से प्रदर्शनकारियों को क्नॉट प्लेस की तरफ धकेलने में कामयाबी पायी। इस बीच जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के आसपास मौजूद प्रदर्शनकारियों पर भी जमकर लाठी चार्ज हुआ। कई लड़कियां लाठी चार्ज के बाद रोती हुई नजर आईं। कई लोगों के हाथ पैरों में ⏩ शेष पेज 5 पर

धर्मेंद्र प्रधान ने अमित शाह से की मुलाकात

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है। इसी दौरान सीजेपी के आह्वान पर हजारों लोगों ने संसद की ओर मार्च करने की कोशिश की। धर्मेंद्र प्रधान ने संसद भवन परिसर स्थित अमित शाह के कार्यालय में उनसे मुलाकात की। हालांकि, इस बैठक में क्या बातचीत हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। कयास यह भी है कि उग्र होते आंदोलन के बीच प्रधान ने शाह के साथ अपने इस्तीफे को लेकर चर्चा की है।

भारतीय सेना ने आधिकारिक रूप से पाकिस्तान के सोशल मीडिया पर किए जा रहे झूठे प्रचार की खोली पोल

सीजेपी के प्रदर्शन को रोकने के लिए नहीं हुआ सेना का इस्तेमाल, पाकिस्तान फैलाता झूठा प्रोपेगेंडा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध-प्रदर्शन को रोकने के लिए भारत की राष्ट्रीय राजधानी में सेना की तैनाती की गई है। वह हथियारों का इस्तेमाल कर रही है, जिससे कई लोगों को चोट आई है। जबकि कुछ अन्य की मौत भी हो गई है। यह दावा देश के अंदर किसी ने नहीं किया है। बल्कि भारत के खिलाफ अनगिनत बार साजिशें रचने वाले पाकिस्तान के सोशल मीडिया प्रचार हैंडल कर रहे हैं। जिसे सोमवार को भारतीय सेना के सार्वजनिक सूचना निदेशालय (एडीजीपीआई) ने अपने फैक्ट चेक के माध्यम से सोशल मीडिया मंच एक्स पर सिरे से खारिज कर दिया है। साथ ही यह भी कहा है कि दुश्मन देश की भारतीय सेना के खिलाफ दुष्प्रचार करने की यह कोशिश सिर्फ और सिर्फ सेना की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और आम जनता में घबराहट बढ़ाने के मकसद से की जा रही है। जिसका जमीनी सच्चाई से दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं है।

दिल्ली-पुलिस, सीएपीएफ की जिम्मेदारीः सेना ने फैक्ट चेक में यह भी कहा कि प्रदर्शन के मामले में मुख्य भूमिका दिल्ली पुलिस, रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) और केंद्रीय अर्धसैन्यबलों (सीएपीएफ) की है। इसे लेकर दिल्ली में सेना की कहीं पर भी कोई तैनाती नहीं की गई है। देश के सभी नागरिकों (पत्रकार भी शामिल हैं) से सेना ने पाकिस्तान के इस झूठे और भ्रामक प्रॉपेगेंडा से दूर रहने की अपील की है।

पाकिस्तानी प्रचार हैंडल का झूठा दावाः पाकिस्तानी प्रचार हैंडल यह झूठा दावा कर रहे हैं कि भारत की सेना को नई दिल्ली में तैनात किया गया है। सेना प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हथियारों का इस्तेमाल कर रही है। जिससे कई लोगों को चोटें आई हैं और कई मारे भी गए हैं। यहां बता दें कि यह पहला मौका नहीं है। जब पाकिस्तान ने अपनी सोशल मीडिया प्रचार तंत्र को भारत और उसकी सेना की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए एक्टिव किया है। इससे पहले ⏩ शेष पेज 5 पर

एमवी गोल्डन लियो जहाज से जुड़ा है यह मामला

यूक्रेन के बंदरगाह पर व्यापारिक जहाज पर हुए हमले में 4 भारतीयों की हुई मौत

जहाज में चालक दल के कुल 17 सदस्य थे, जिनमें 5 भारतीयों में से 1 घायल का अस्पताल में इलाज जारी है

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

रूस के साथ चल रहे युद्ध के बीच यूक्रेन के ओडेसा बन्दरगाह से निकलते वक्त एमवी गोल्डन लियो नामक एक व्यापारिक जहाज पर हुए हमले में चार भारतीयों की दुखद मृत्यु हो गई है। जबकि एक अन्य घायल को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहाज में चालक दल के कुल 17 सदस्य थे। जिनमें 5 भारतीय शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि यह मामला बीते रविवार का है। यूक्रेन में भारतीय मिशन पूरी स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है। जिसमें प्रभावित लोगों तक हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारत सरकार मृतकों के परिजनों के प्रति गहन संवेदनाएं प्रकट करती हैं। साथ ही घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करती है। भारत इस तरह के हमलों की कड़ी निंदा करता है। इसके अलावा पुनः दोहराता है कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना, निर्दोष लोगों के जीवन को खतरे में डालना और नौवहन- व्यापार की स्वतंत्रता में बाधा डालना बेहद निंदनीय है। ऐसे कृत्यों से बचना चाहिए। यहां बता दें कि यूक्रेन से पहले पश्चिम एशिया से जुड़े समुद्री इलाके में भी कई बार भारतीय सवार जहाजों को निशाना बनाया जा चुका है, जिसकी भारत ने सख्त लहजे में निंदा की है।

कानूनी पेशे में बड़े 'बदलाव' की तैयारी, केंद्र ने 31 तक मांगे सुझाव

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देश के कानूनी पेशे और न्यायिक व्यवस्था को समय की जरूरतों के अनुरूप बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एडवोकेट्स (संशोधन) विधेयक, 2026 का मसौदा सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी कर दिया है। कानून एवं न्याय मंत्रालय ने इस मसौदे को विभिन्न हितधारकों, अधिवक्ताओं और आम नागरिकों से सुझाव एवं टिप्पणियां प्राप्त करने के उद्देश्य से सार्वजनिक किया है। कानून एवं न्याय मंत्रालय के अनुसार, इस मसौदा विधेयक को बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया है। पारदर्शिता और सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए इसे बार काउंसिल ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है, ताकि सभी संबंधित पक्ष इसका अध्ययन कर अपने सुझाव दे सकें।

आम नागरिक भी मसौदे पर दें सुझाव

मंत्रालय ने कहा है कि अधिवक्ताओं, बार एसोसिएशनों, विधि विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, न्यायिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ-साथ आम नागरिक भी इस मसौदे पर अपनी राय और सुझाव भेज सकते हैं। सुझाव 31 जुलाई को दोपहर 3 बजे तक बार काउंसिल ऑफ इंडिया तथा विधि कार्य विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ लीगल अफेयर्स) को भेजे जा सकते हैं। विधेयक का प्रारूप मंत्रालय की साइट पर उपलब्ध है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि परामर्श प्रक्रिया के दौरान प्राप्त सभी सुझावों और टिप्पणियों का गंभीरता से परीक्षण किया जाएगा। उपयोगी और व्यावहारिक सुझावों को अंतिम विधेयक में शामिल करने पर विचार किया जाएगा, जिससे ⏩ शेष पेज 5 पर

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी आशुतोष तिवारी से 'हरिभूमि व आईएनएच' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की खास बातचीत

उनसे सवाल था दतिया में मुकाबला कैसा है?

उनका जवाब -पदाधिकारी और कार्यकर्ता जनता के बीच जा रहे हैं, किसी भी प्रकार का कोई मुकाबला नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दतिया उपचुनाव भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी आशुतोष तिवारी का कहना है कि भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित राजनीतिक दल है, इसको व्यवहार में जीता है। हमारा कार्यकर्ता अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए आजाद है। उसकी भावनाएं वरिष्ठ नेतृत्व सुनता है, समझता है। हमारा कार्यकर्ता देवतुल्य कार्यकर्ता है, भगवान है, जिसकी सेवा मैं आजन्म करता रहूंगा। यह देवतुल्य कार्यकर्ता वरिष्ठ नेतृत्व के सामने अपनी बात तो रखता है पर वरिष्ठ नेतृत्व के आह्वान पर ताकत के साथ भाजपा के साथ आगे बढ़ता है क्योंकि उसकी वैचारिक प्रतिबद्धता भी है। उसे पता है कि हम जातीय, वर्ग व अन्य बातों से हटकर देश की एकता और अखंडता के लिए काम करने वाले लोग हैं। ऐसे में जब वही देवतुल्य कार्यकर्ता भावना को भूलकर पूरी ताकत के साथ पार्टी नेतृत्व के आह्वान पर जब एक साथ आगे बढ़ता है और भाजपा के पक्ष में समर्थन मांगता है। आशुतोष तिवारी से 'हरिभूमि व आईएनएच' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की खास बातचीत। ⏩ शेष पेज 5 पर

दतिया का दम

ये भी बोले आशुतोष तिवारी

- मैं अपना जीवन समर्पित करने दतिया आया हूं
- पार्टी ने नरोत्तम जी के लिए कुछ और बेहतर सोचा होगा
- मतदाता जागरूक हैं, विकास के साथ चलना चाहते हैं
- कार्यकर्ता नेतृत्व की दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन करते हैं

मार्च में शामिल हुए आप पार्टी के नेता, सिसोदिया संजय सिंह और आतिशी ने फांदी बैरिकेडिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

संसद मार्च में शामिल होने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं ने कहा वह जंतर-मंतर पर युवाओं के प्रदर्शन में शामिल हुए। आप पार्टी के अनुसार दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी, राज्यसभा सांसद संजय सिंह, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने जंतर मंतर पर मार्च में शामिल होने के लिए पुलिस द्वारा लगाई गई बैरिकेडिंग को फांदकर पार किया और मार्च में शामिल हुए। जबकि दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, विधायक संजीव झा, विधायक कुलदीप कुमार और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा समेत पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता भी मार्च में शामिल हुए। मनीष सिसोदिया ने कहा कि सड़कों पर उतरे नौजवानों की एक ही मांग है कि बच्चों के भविष्य के साथ धोखा करने वाले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो। उन्होंने लाठीचार्ज से एक युवक के सिर फटने की वीडियो साझा कर कहा कि एक-एक लहू के कतरे से मोदी-शाह का अंत लिखा जाएगा। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों से आकर युवा शक्ति देश के कायर प्रधानमंत्री को ललकारने का काम कर रही। मैं नमन करता हूं सोनम वांगचुक का, जिन्होंने पिछले 23 दिनों से अन्न का एक दाना नहीं खाया है। प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि शांतिपूर्ण और निहत्थे युवाओं के खिलाफ इतनी अधिक हिंसा होना एक राष्ट्रीय शर्म की बात है। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों को लगता है कि वे युवाओं की आवाज दबा देंगे। सरकार को लगा था कि सोनम वांगचुक को हिरासत में लेकर वे इस आंदोलन को रोक लेंगे। लेकिन आज जंतर-मंतर के हर तरफ उमड़े युवाओं के जनसैलाब ने तानाशाह सरकार के इन इरादों को गलत साबित कर दिया है।

दीपके को हिरासत में नहीं लिया गया: दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को सोशल मीडिया पर आई उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया गया है। इन दावों को पुलिस ने पूरी तरह से गलत बताया। पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ये भ्रामक रिपोर्ट वर्तमान में विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर प्रसारित हो रही हैं, जिसमें दावा किया गया है कि अभिजीत दीपके को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। औपचारिक रूप से स्पष्ट किया जाता है कि ये आरोप पूरी तरह से झूठे हैं और वह मंच पर मौजूद हैं। इससे पहले कॉजपा के मुख्य प्रवक्ता सौरभ दास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया था कि संगठन के संस्थापक दीपके को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। दास ने कहा कि दीपके को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हम सभी सांसदों से अनुरोध करते हैं कि वे तुरंत सड़कों पर उतरकर छात्रों के समर्थन में खड़े हों। पुलिस शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर बेरहमी से कार्रवाई कर रही है और उनकी पिटाई कर रही है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **आकाश मलावत, पुत्रः** श्री हरीश मलावत, **पताः** मकान नंबर 25, गली नंबर 25, एल–ब्लॉक संगम विहार, नई दिल्ली **इसके अलावाः** गांव–राजपुर, तहसील व जिला केकड़ी, राजस्थान, ने **FIR No. 374/2023 U/s 33 Delhi Excise Act IPC थानाः नेब सराय, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आकाश मलावत** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आकाश मलावत** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 374/2023 U/s 33 Delhi Excise Act IPC थानाः नेब सराय, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **आकाश मलावत** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री देवांशी जनमेजा
जेएमएफसी–03, कमरा नंबर 212
साकेत कोर्ट, दिल्ली

DP/9962/SD/2026
(Court Matter)

घंटों बसों का इंतजार करने के बाद पैदल ही घरों को निकले यात्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

जंतर मंतर पर चल रहे प्रदर्शन के बीच कई लोग सोमवार को बस स्टॉपों पर बसों का इंतजार करते दिखे। कई घंटों के इंतजार के बाद भी बसें नहीं आई तो लोग पैदल ही अपने घरों की ओर प्रस्थान किया। गौरतलब है कि जंतर मंतर पर चल रहे प्रदर्शन के कारण पुलिस प्रशासन ने सुबह से ही लक्ष्मीनगर मेट्रो स्टेशन के नीचे रेड लाइट पर बैरिकेडिंग कर आईटीओ की ओर जाने वाले रास्ता के बंद कर दिया था और यहां के वाहनों को मदर डेयरी की ओर डायवर्ट कर दिया गया था। उधर मदर डेयरी से इक्का-दुक्का आने वाली बसों को भी आईटीओ रेड लाइट से पहले ही इंद्रप्रस्थ की ओर डायवर्ट कर दिया गया। इस कारण बसों में सवार यात्री पैदल ही आईटीओ की ओर बढ़े और यहां बस स्टॉप पर आगे जाने के लिए बसों को इंतजार करने लगे। लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी यहां पर कोई बस नहीं आई। जिसके बाद बसों का इंतजार कर रहे यात्री पैदल ही अपने गंतव्यों की ओर चले दिए। आईटीओ बस स्टैंड की बात करें तो यहां दर्जनों यात्री चार से पांच घंटे तक बसों का इंतजार करते रहे लेकिन उन्हें एक भी नहीं मिली। इन यात्रियों में सबसे अधिक महिला यात्री शामिल थी। एक बुजुर्ग महिला यात्री पैदल ही चलते हुए बोली सरकार को बसों का परिचालन नहीं बंद करना चाहिए था। उधर जाम की बात करें तो मदर डेयरी की ओर डायवर्जन होने के कारण लक्ष्मीनगर से मदर डेयरी तक लगभग एक किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। लंबा जाम लगने के कारण बैरिकेडिंग पर खड़े ट्रैफिक पुलिस के कर्मचारियों ने अपने अधिकारियों से बात की तब बाद में कुछ वाहनों को आईटीओ की ओर जाने दिया। हालांकि कुछ मिनट बाद फिर रास्ता बंद कर दिया। यह प्रक्रिया लगभग पूरे दिन चलती रही। लोग पूरे दिन जाम से जूझते रहे।

युवाओं का दोपहर तक जंतर मंतर तक पहुंचने का सिलसिला रहा जारी

तमाम जगहों पर पुलिस द्वारा रोकने के बाद भी युवाओं को जंतर मंतर पर जाने का सिलसिला दोपहर तक जारी रहा। युवा पुलिस को चकमा देकर गलियों के सहारे जंतर मंतर पहुंचने में कामयाब रहे। आईटीओ रेड लाइट पर जंतर मंतर की ओर जाने के लिए किसी को भी इजाजत नहीं दी जा रही थी। इसी कुछ युवाओं ने तू डाल डाल तो हम पात के मुहावरे को चरितार्थ करते हुए पुलिस को चकमा देकर जंतर मंतर की ओर निकल गए। दरअसल धारा 163 के तहत एक साथ चार लोगों के चलने पर सोमवार को प्रतिबंध लगा था। इस प्रतिबंध के पालन के लिए भारी पुलिस बल तैनात था लेकिन युवाओं ने चालाकी दिखाई और वह एक ग्रुप में निकल कर एक –एक करके बैरिकेडिंग को पार कर जंतर मंतर की ओर निकल गए।

स्कूली बच्चों को भी उठानी पड़ी परेशानी

यमुनापार के स्कूलों में पढ़ने वाले कई बच्चे वाहन न मिलने के कारण पैदल ही अपने घरों की ओर रवाना होने पर मजबूर हुए। आईटीओ रोड पर पैदल जाते हुए छात्रा ने बताया कि वह यमुनापार के स्कूल में पढ़ाई करते हैं। लेकिन सोमवार को उन्हें दिल्ली सचिवालय तक ही बस मिली। वहां से हम पैदल ही अपने घरों की ओर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर रोज वह बस से ही स्कूल से घर जाते हैं। लेकिन आज पैदल ही जाना पड़ेगा।

ओखला स्थित एनटीए कार्यालय की सुरक्षा में सेंध लगाने की खबरों का दिल्ली पुलिस ने किया खंडन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर प्रसारित उन खबरों को झूठा और निराधार बताया है, जिनमें दावा किया गया था कि प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर ओखला स्थित राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कार्यालय में प्रवेश कर लिया। पुलिस ने स्पष्टीकरण जारी करके कहा कि एनटीए कार्यालय में स्थिति सामान्य और शांतिपूर्ण रही तथा सुरक्षा में किसी तरह की सेंध नहीं लगी। पुलिस के अनुसार परीक्षा परिणामों में कथित विसंगतियों को लेकर चिंता जताने वाले कुछ अभ्यर्थी अपने माता पिता के साथ एनटीए कार्यालय पहुंचे थे। उनमें से पांच या सात अभ्यर्थियों को उनके माता पिता के साथ अपनी शिकायतों पर चर्चा करने के लिए एनटीए अधिकारियों से मिलने की अनुमति दी गई थी। पुलिस ने कहा कि कार्यालय में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई थी और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में थी। दिल्ली पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे अपुष्ट या भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें और इस घटना से संबंधित जानकारी के लिए केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। यह स्पष्टीकरण सोशल मीडिया पर उन दावों के बाद जारी किया गया, जिनमें कहा गया था कि प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी जबरन एनटीए भवन में घुस गए थे।

राजनीतिक रोटियां सेंकने का प्रयास कर रहे हैं विपक्षी दल: हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली। देश के विभिन्न राज्यों में लगातार चुनाव हार रहे विपक्षी दल अब पूरी तरह हताश हो चुके हैं और अब देश में युवा आंदोलन के नाम पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का प्रयास कर रहे हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को जंतर मंतर मामले पर विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा है कि आज युवा आंदोलन के नाम पर जो कुछ नई दिल्ली में देखा गया वह आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, कम्युनिस्ट सहित विपक्षी पार्टियों की काली राजनीति का परिणाम है। हर्ष मल्होत्रा ने कहा है कि 'नीट' परिक्षा के नाम पर शुरू हुआ आंदोलन अब पूरी तरह आम आदमी पार्टी एवं अन्य दलों की युवा ईकाई का राजनीतिक षड्यंत्र बन कर रह गया है जिससे 'नीट' आंदोलन से जुड़े युवाओं का कोई लेना देना नहीं है। अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने देश के युवाओं से अपील की है कि वह इन हारे हताश राजनीतिक दलों का मोहरा बनने से बेहतर है अपने शिक्षा कैरियर पर फोक्स करें।

दिल्ली पुलिस ने सोनम वांगचुक की पत्नी से मारपीट के दावे को किया खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंग्मो के साथ मारपीट करने के सोशल मीडिया पर किए जा रहे दावों को खारिज किया है। पुलिस ने आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें पूरी तरह से ‘झूठा और गुमराह करने वाला’ बताया। इसने एक बयान में कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही वे खबरें पूरी तरह झूठी और भ्रामक हैं, जिनमें दावा किया गया है कि जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी के साथ दिल्ली पुलिस के कर्मियों ने मारपीट की और उनके बाल खींचे। पुलिस ने कहा कि किसी भी व्यक्ति पर लक्षित हमला नहीं किया गया और दुर्भावनापूर्ण बल या निशाना बनाकर हमला करने का दावा पूरी तरह से निराधार है। इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के मुख्य प्रवक्ता सौरभ दास ने 'एक्स' पर दावा किया था, ''दिल्ली पुलिस के कर्मियों ने गीतांजलि जी के बाल खींचे और उनके साथ मारपीट की। 12 वर्षीय लड़की के सिर पर चोट लगी और इसके अलावा 40-50 अन्य लोगों के सिर में भी चोटें आई हैं। कॉजपा के इस दावे के बाद दिल्ली पुलिस ने यह स्पष्टीकरण जारी किया। हजारों प्रदर्शनकारी सोमवार को मध्य दिल्ली में एकत्र हुए और संसद की ओर मार्च करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दीपक बेदी, पुत्रः इकबाल कृष्ण, पताः बी–11, 69, अशोक विहार, दिल्ली** ने **FIR No. 504/2022, U/s 174 A IPC, पुलिस थाना राजौरी गार्डन, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **दीपक बेदी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **दीपक बेदी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 504/2022, U/s 174 A IPC, पुलिस थाना राजौरी गार्डन, दिल्ली** के अभियुक्त **दीपक बेदी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **14.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – श्री शशांक नंदन भट्ट
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–02
पश्चिम जिला, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/9815/WD/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रभात कोचर, पुत्रः स्व. श्री अनिल कुमार, पताः म. नं. डब्ल्यूजेड–1409 सी, नांगल राया, दिल्ली** ने **FIR No. 511/2017, U/s 324/341/506/34 IPC, पुलिस थाना हरि नगर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **प्रभात कोचर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **प्रभात कोचर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 511/2017, U/s 324/341/506/34 IPC, पुलिस थाना हरि नगर, दिल्ली** के अभियुक्त **प्रभात कोचर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – सुश्री मोक्षा बैंस
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–11, पश्चिम
कमरा नं. 31, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/9845/WD/2026

पुलिस सोशल मीडिया के जरिये भी करती रही शांति की अपील

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस सोशल मीडिया के माध्यम से भी प्रदर्शनकारियों से दिनभर शांति बनाए रखने, संयम बरतने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सुरक्षाकर्मियों के साथ सहयोग करने की अपील करती रही। पुलिस ने एक्स पर कई बार भ्रामक सामग्री पर ध्यान न देने की अपील भी की। दीपके को हिरासत में नहीं लिये जाने की खबर भी पुलिस ने एक्स के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया। एक प्रकार से दिल्ली पुलिस सड़क यानि फील्ड से लेकर सोशल मीडिया पर नजर बनाये रही। दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा आयोजित संसद मार्च के मद्देनजर पहले से ही अपने पीआरओ सेल को एक्टिव मोड पर रहने का आदेश दिया था। पुलिस मुख्यायल में कई टीवी स्क्रीन के सामने बैठकर पीआरओ सेल के कर्मचारी पल पल की गतिविधियों पर नजर बनाये रहे। इसके साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदर्शनकारियों से शांति की अपील करते रहे। पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सभी प्रदर्शनकारियों से अनुरोध है कि वे शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन करें। किसी भी गैर-कानूनी या हिंसक गतिविधि में शामिल न हों और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा दिए गए कानूनी निर्देशों का पालन करें। लोगों से अपील की गई कि वे अफवाहों, भ्रामक जानकारी या सत्यापित न की गई सामग्री पर भरोसा न करें और उसे आगे साझा न करें। पुलिस ने कहा कि नागरिकों से अनुरोध है कि वे जानकारी के विश्वसनीय स्रोतों पर ही भरोसा करें और शांति, सद्भाव व कानून-व्यवस्था बनाए रखने में दिल्ली पुलिस का सहयोग करें।

जैमर से मोबाइल सिग्नल व इंटरनेट रहा बाधित

दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों को वायरल होने से बचाने का भी खूब प्रयास किया। इसके लिये पूरे इलाके में जैमर लगाये गये थे। इससे मोबाइल नेटवर्क व इंटरनेट दिनभर बाधित रहा। कई सांसदों ने भी इसकी शिकायत की।

छात्रों पर लाठी चार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ना अलोकतांत्रिक : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अनिल भारद्वाज ने सोमवार को कहा कि जंतर मंतर पर धरने पर बैठे निहत्थे छात्रों पर लाठी चार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ना अलोकतांत्रिक है जिसकी कांग्रेस पार्टी भर्त्सना करती है। सरकार की तरफ छात्रों से बातचीत की पहल न करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देश में नीट सहित अधिकर सभी बड़ी परीक्षाओं के पेपर लीक और गड़बड़ी के खिलाफ हमारे नेता राहुल गांधी द्वारा शुरु किए आंदोलन छात्रों की गूंज को कांग्रेस कार्यकर्ता देश के हर कोने तक छात्रों की आवाज बनकर सरकार की शिक्षा नीति के खिलाफ हर स्तर पर छात्रों का भविष्य सुरक्षित करने की लड़ाई लड़ रहे हैं। मानवीय संवेदना खो चुकी भाजपा की केन्द्र सरकार जिसने 10 वर्षों में 90 पेपर लीक करके देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य को अंधकार में डाल दिया है।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank
पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, निकट चाकली सर्कल, पुराना पाडरा रोड, वडोदरा–390007
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बांद्रा–कुर्ला कॉम्पलैक्स, मुम्बई 400051

स्वर्ण नीलामी एवं आमंत्रण सूचना

नीचे वर्णित कर्जदार(ों) को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड से स्वर्ण आभूषणों के तहत प्राप्त किए गए ऋण के तहत बकाया देय राशि का भुगतान करने के लिये एक सूचना जारी की गई थी।

देय राशि के पुनर्भुगतान में विफल रहने की वजह से, गिरवीकृत स्वर्ण आभूषणों की नीलामी 20 अगस्त 2026 को आयोजित की जाएगी। मृतक कर्जदार के मामले में, सभी नियम व शर्तें सम्बन्धित कानूनी वारिस(ों) के लिये लागू होंगी।

ऋण अकाउंट नम्बर	कर्जदार का नाम	नीलामी शाखा पता
शाखा का नाम : आदमपुर		आईसीआईसीआई बैंक लि., दुकान नंबर 2, अतिरिक्त अनाज मण्डी, मण्डी आदमपुर, हरियाणा 125052
085957000389	पवन कुमार	
शाखा का नाम : बहादुरगढ़		आईसीआईसीआई बैंक लि., सैनी मार्केट, मॉडल टाउन, खसरा नंबर 2373/2368/2382, बहादुरगढ़, हरियाणा–124507
046157000074	मोहित	
शाखा का नाम : बीधल		आईसीआईसीआई बैंक लि., बस स्टैंड के पास, राजकीय प्राथमिक विद्यालय के सामने, बिधल, सोनीपत, हरियाणा 131301
373557000025	मंजीत मंजीत	
शाखा का नाम : चरखी दादरी		आईसीआईसीआई बैंक लि., रोहतक रोड, लोनिवि विश्राम गृह के सामने, चरखी दादरी, ज़िलाः भिवानी, हरियाणा–127306
211157000384	धरमबीर सिंह	
शाखा का नाम : फरीदाबाद–एनआईटी		आईसीआईसीआई बैंक लि., शॉप नंबर 5–ए, नेहरू ग्राउंड (नेहरू पार्क), एन.आई.टी. फरीदाबाद, हरियाणा–121001
102505007416	रविन्दर भुटानी	
शाखा का नाम : फरीदाबाद–सेक्टर–02		आईसीआईसीआई बैंक लि., भू–तल और प्रथम तल, शॉप नंबर 93, शॉपिंग सेंटर, सेक्टर–02, फरीदाबाद, हरियाणा–121006
828957000031	अंकित	
828957000030	सुमित	
शाखा का नाम : फरीदाबाद–सेक्टर–29		आईसीआईसीआई बैंक लि., एससीओएफ नं. 56, सेक्टर 29 शॉपिंग सेंटर, अर्बन एस्टेट, फरीदाबाद, हरियाणा 121008
140057000248	मोहित पराशर	
शाखा का नाम : गुड़गांव – आईएमटी मानेसर		आईसीआईसीआई बैंक लि., जीएफ, नं. 59–61, इरोस कॉर्पोरेट पार्क, सेक्टर 2, आईएमटी, मानेसर, गुड़गांव, हरियाणा 122052
035857000274	मयंक शर्मा	
शाखा का नाम : गुड़गांव – सेक्टर–21		आईसीआईसीआई बैंक लि., यूनिट 05, सनसिटी ट्रेड टॉवर, ओल्ड दिल्ली गुड़गांव रोड, सेक्टर 21, गुड़गांव 122013
370905001773	अमर देव सिंह	
शाखा का नाम : गुड़गांव – सेक्टर–4		आईसीआईसीआई बैंक लि., हुडा शॉपिंग सेंटर, सेक्टर–4, गुड़गांव, हरियाणा 122001
244857000029	रूपा कुमारी	
शाखा का नाम : गुड़गांव – यूटीडब्ल्यू साइबर पार्क		आईसीआईसीआई बैंक लि., यूनिट नंबर 004ए, ग्राउंड फ्लोर, टॉवर–ए, यूनिटेक वर्ल्ड साइबर पार्क, सेक्टर–39, गुरुग्राम, हरियाणा–122001
732757000033	श्रीविद्या सुन्दरम	
शाखा का नाम : गुड़गांव – गैलेक्सी मैग्नम सेक्टर–63ए		आईसीआईसीआई बैंक लि., शॉप नंबर 6, मैग्नम सिटी सेंटर, सेक्टर–63ए, गुरुग्राम 122011, हरियाणा
539657000016	राहुल राहुल	
शाखा का नाम : गुड़गांव – रत्न गार्डन		आईसीआईसीआई बैंक लि., रतन गार्डन, न्यू कॉलोनी मोड़, ओल्ड रेलवे रोड, सेक्टर–7, गुड़गांव–122001
106905003501	सुधा देवी	
शाखा का नाम : गुड़गांव – सेक्टर–82		आईसीआईसीआई बैंक लि., शॉप नंबर 1, 2 और 4, 5, 6, वाटिका टाउन स्क्वायर, सेक्टर–82, गुड़गांव, हरियाणा–122012
387557000085	कृष्णा देवी	
387557000086	कृष्णा देवी	
शाखा का नाम : गुरूग्राम – सेक्टर–5		आईसीआईसीआई बैंक लि, डीएसएस नं. 48, हुडा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, सेक्टर–5, गुड़गांव, ज़िला–गुरुग्राम, हरियाणा–122001
776357000041	सोनिया धीमान	
776357000078	पिंकी	
शाखा का नाम : मुजेरी–आईएमटी सेक्टर–70		आईसीआईसीआई बैंक लि., ग्राउंड फ्लोर, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, आगमन सोसाइटी, गाँव मुजेरी, सेक्टर–70, फरीदाबाद, हरियाणा 121006
779805000254	सौरव सिंह	
शाखा का नाम : नारायणगढ़		आईसीआईसीआई बैंक लि., 561, वार्ड नं. 12, निकट अनाज मंडी, नारायणगढ़–134203
093162004911	जसबीर जसबीर	
शाखा का नाम : नारनौंद		आईसीआईसीआई बैंक लि., पुलिस स्टेशन के सामने, मेन रोड, नारनौंद, जिला हिसार, हरियाणा 125039
381862000832	कुलदीप ना	
शाखा का नाम : पलवल		आईसीआईसीआई बैंक लि., 1750, न्यू कॉलोनी रोड, आगरा चौक, पलवल, हरियाणा–121102
073457000206	बंदना कुमारी	
शाखा का नाम : रोहतक		आईसीआईसीआई बैंक लि. अशोका प्लाजा, दिल्ली रोहतक रोड, रोहतक, हरियाणा–124001
016857000262	मोहित	
शाखा का नाम : रोहतक–हिसार रोड		आईसीआईसीआई बैंक लि., हिसार रोड, रोहतक 124001
662157015153	संजीव	
शाखा का नाम : जीरकपुर–धाकोली		आईसीआईसीआई बैंक लि., एससीओ प्लॉट नंबर 45, पंचकुला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, पीर मुचल्ला रोड, धाकोली, जीरकपुर–140603, पंजाब
775805000267	मानव सिंह	

नीलामी ऊपर तालिका में वर्णित पते/पतों पर और तिथि/तिथियों को आयोजित की जाएगी। समय : अप. 3.00 बजे – अप. 6.00 बजे।
कृपया ध्यान दें कि आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के नीलामी की तिथि/स्थान/नीलामी का मोड परिवर्तित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इच्छुक पार्टियां नीलामी के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु उपरोक्त शाखा/शाखाओं में पधार सकते हैं।

दिनांक : 21.07.2026
स्थान : गुरूग्राम, अम्बाला, हिसार, सोनीपत, फरीदाबाद, झज्जर, रोहतक, चरखी दादरी, हांसी, पलवल, पंचकुला

भवदीय, हस्ता/– प्राधिकृत हस्ताक्षरी
कृते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

किराये के मकान में मृत मिले महिला और पुरुष, सुसाइड नोट बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश इलाके में सोमवार को किराये के एक मकान में महाराष्ट्र की एक महिला और एक पुरुष मृत पाए गए। पुलिस को उनके पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है। नोट में क्या लिखा है इसका खुलासा अभी दिल्ली पुलिस ने नहीं किया है। पुलिस के अनुसार घटना की सूचना सुबह 9:08 बजे अमर कॉलोनी थाने को दी गई थी। पुलिस की एक टीम ईस्ट ऑफ कैलाश के संत नगर स्थित किराये के घर पर पहुंची। वहां महिला के किसी मित्र या पड़ोसी ने कमरे में रह रहे लोगों से बार-बार संपर्क करने की कोशिश में नाकाम रहने के बाद दरवाजा पहले ही तोड़कर खोल दिया था। कमरे के अंदर महाराष्ट्र के नागपुर की रहने वाली 26 वर्षीय महिला बिस्तर पर मृत मिली, जबकि महाराष्ट्र के ही रहने वाले 30 वर्षीय अनमोल कुंडा पाटिल का शव नायलॉन की रस्सी से बने फंदे से लटका मिला। कमरे में हाथ से लिखा एक नोट भी मिला। शुरुआती तौर पर माना जा रहा है कि कुंडा ने इसे लिखा था। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एम्स मोर्चरी भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि संदिग्ध आत्महत्या के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और बरामद सामग्री की फोरेंसिक जांच के बाद ही चल पाएगा।

11वीं कक्षा के छात्र की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी दिल्ली के कालकाजी इलाके में सोमवार को छात्रों के एक ग्रुप के साथ झगड़े के बाद 11वीं कक्षा के 19 वर्षीय छात्र की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान जेजे कैंप, ओखला फेज-2 निवासी सैय्यद हुसैन (19) के रूप में हुई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिये एम्स भेजा गया है। पुलिस ने कहा कि संदिग्ध हमलावरों की पहचान कर ली गई है और उनका पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए कई टीमें गठित की गई हैं।पुलिस के अनुसार घटना कालकाजी में डीडीए फ्लैट्स के बी ब्लॉक में एक पार्क के पास हुई। दोपहर 2.23 बजे स्कूली छात्रों के बीच झगड़े के बाबत सूचना मिली जिसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और पाया कि लड़का चाकू से किए गए वार से जख्मी पड़ा है। पुलिस ने कहा कि कैट्स एम्बुलेंस से घायल को एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दो तीन लोगों के साथ झगड़े के दौरान हुसैन को चाकू घोंपा गया था। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच के साथ ही गवाहों से भी पूछताछ की जा रही है। घटना के पीछे का सटीक मकसद अभी तक स्थापित नहीं हो सका है।

नंदू गैंग के दो बदमाश मुठभेड़ में दबोचे

नई दिल्ली। आउटर डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ ने कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के दो सक्रिय बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान दोनों के पैरों में भी गोली लगी। दोनों आरोपी फायरिंग की एक घटना में वांछित थे, जिसके संबंध में बहादुरगढ़ सिटी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज था। इसके साथ ही दोनों की गिरफ्तारी पर 50-50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित था। बदमाशों से दो सेमी ऑटोमैटिक पिस्तौल, तीन कारतूस और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार 19 जुलाई को स्पेशल स्टाफ टीम को सूचना मिली कि कपिल सांगवान के सक्रिय बदमाश प्रवीण उर्फ पिंकी और रोहित उर्फ चीरा अपने एक साथी से मिलने के लिए पीवीसी रोड, टिकरी कलां आएंगे। उनके पास अवैध हथियार भी हो सकते हैं। सूचना मिलने पर स्पेशल स्टाफ की टीम ने एक रणनीतिक जाल बिछाया और चिन्हित स्थान पर छापा मारा। दो संदिग्ध दिखने पर उन्हें सरेंडर करने के लिए कहा गया। भागने की कोशिश में उन्होंने पुलिस टीम पर गोली चलाई। आत्मरक्षा में पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई की, जिससे दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी हुई। घटना के दौरान कांस्टेबल अनुज और कांस्टेबल हरकेश की बुलेटप्रूफ जैकेट पर दो गोलियां लगीं, लेकिन सुरक्षात्मक गियर के कारण वे सुरक्षित रहे। दोनों आरोपियों के पैरों में चोटें आई हैं।

पुलिस ने किया लाठीचार्ज...

कॉकरोचों पर जमकर दागे गये आंसू गैस के गोले, लाठियां भी भांजी गईं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली। नीट परीक्षा मामले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा आयोजित संसद मार्च में सोमवार को भारी भीड़ जुटी। जंतर-मंतर इलाके में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया है। प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने लाठियां भांजी और आंसू गैस के गोले दागे इसमें कई प्रदर्शनकारी लहूलुहान हो गए। इस दौरान पत्थरबाजी में कई पुलिसकर्मियों को भी चोटें आईं। सुरक्षा कारणों के मद्देनजर डीएमआरसी ने तुरंत पांच मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार बंद कर दिए। इस बीच, कई नेता और अभिनेताओं ने भी मार्च में हिस्सा लेकर आंदोलन को अपना समर्थन दिया। हालांकि, दीपके सहित तीन अन्य प्रदर्शनकारियों ने अपना अनशन समाप्त कर दिया है, लेकिन संगठन ने प्रदर्शन जारी रखने का ऐलान किया है।

संसद मार्ग की ड्रोन फुटेज की जांच की जा रही है : दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने वायरल ड्रोन फुटेज पर संज्ञान लेते हुये जांच की बात कहीं है। वीडियो में प्रदर्शनकारियों को संसद मार्ग पर इकट्ठा होते दिखाया गया है। अनधिकृत तौर पर ड्रोन का संचालन करने के इस मामले की जांच व प्रामाणिकता और ड्रोन संचालन से जुड़ी परिस्थितियों की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। पुलिस का कहना है कि कानूनों और ड्रोन नियमों के उल्लंघन के लिए उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीजपी के प्रदर्शन के दौरान हिंसा, 118 पुलिसकर्मी घायल

नई दिल्ली। क्षेत्र में सीजपी द्वारा किए गए प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने उग्र, आक्रामक और हिंसक व्यवहार किया। यह कहना है दिल्ली पुलिस का। पुलिस के द्वारा बार-बार दी गई चेतावनियों और कानूनी निर्देशों के बावजूद प्रदर्शनकारी तितर-बितर नहीं हुए और लागू निषेधाज्ञा का जानबूझकर उल्लंघन किया। इसमें 60 प्रदर्शन करने वाले और 118 पुलिस के जवान घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर और अन्य वस्तुओं से हमला किया। उन्होंने पुलिस बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया, पुलिस और अन्य सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया और बड़े पैमाने पर हिंसा की। इससे सार्वजनिक व्यवस्था, सुरक्षा इंतजामों और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया। इस झड़प में 118 पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों में विशेष पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी रैंक के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा कई महिला पुलिसकर्मी भी घायल हुई हैं।

कॉकरोचों की ताकत का अंदाजा नहीं लगा पाई पुलिस

नई दिल्ली। कॉकरोचों की ताकत देखकर सोमवार को दिल्ली पुलिस हड़बड़ा गई। नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार को भी शायद इतनी भीड़ इकट्ठा होने का अंदेशा नहीं रहा होगा। 'चलो संसद' मार्च ने भारत के युवाओं की ताकत तो दिखाई ही साथ ही सरकार को भी सोचने पर मजबूर कर दिया। यही कारण है रहा कि संसद भवन को सुरक्षाकर्मियों ने कई स्तरीय सुरक्षा घेरे में ले लिया है या यूं कहें कि संसद भवन को अभेद्य किले में तब्दील कर दिया है। मानसून सत्र के पहले ही दिन युवाओं के प्रदर्शन की वजह से संसद भवन के भीतर और बाहर सुरक्षाकर्मियों में दिनभर अफरा तफरी का माहौल रहा। पूरा लुटियंस जोन कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा आयोजित 'संसद चलो' मार्च के कारण पहले ही छावनी में तब्दील किया जा चुका था। सुबह छह बजे से भीड़ जंतर मंतर की तरफ विभिन्न माध्यमों से कूच करने लगी थी। दोपहर तक भीड़ लाखों की संख्या में पहुंच गई। प्रदर्शनकारियों के उग्र रुख और संसद परिसर की तरफ बढ़ने की कोशिशों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने एहतियातन संसद भवन के मुख्य द्वार को भी कुछ समय के लिए पूरी तरह बंद कर दिया। कई जगह बैरिकेड्स टूटते गये और प्रशासन बेकसूरों नौजवनों पर आंसू गैस के गोली दागता रहा। जंतर-मंतर से शुरू हुआ यह मार्च जैसे ही संसद मार्ग, रायसीना रोड और रेल भवन के करीब पहुंचा स्थिति और तनावपूर्ण होती चली गई।

कई प्रदर्शनकारी के साथ पुलिस के जवान भी हुये लहुलुहान

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर सोमवार को जंतर मंतर पहुंची लाखों छात्रों, युवाओं और बेरोजगारों की भीड़ को तितर बितर करने के लिये पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों ने जमकर आंसू गैस के गोले छोड़े। कई जगहों प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भी भांजी गई। इसमें दर्जनों युवा घायल हुये। कुछ जगहों पर पथराव के मामले भी सामने आये जिनमें कई पुलिस के जवान और सुरक्षाकर्मी घायल हुये। मार्च में शामिल होने के लिये जंतर मंतर और आसपास के इलाके में इतनी अधिक भीड़ इकट्ठा हो गई जिसकी आशंका शायद पुलिस व प्रशासन को भी नहीं थी। संसद की तरफ बढ़ती भीड़ को काबू करने में दिनभर हजारों की संख्या में तैनात किये गये सुरक्षा कर्मियों के पसीने छूट गये। जंतर मंतर से कूच कर जैसे ही युवा आगे बढ़ते पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर बसों में ठूस देती। साथ में प्रदर्शनकारियों को फिर से इकट्ठा होने से रोकने के लिए कई स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई थी। लेकिन युवा उन्हें धता बताते हुये पहले पटेल चौक पार कर आगे बढ़ते रहे। आकाशवाणी भवन और प्रैस क्लब चौराहे पर समेत कई स्थानों से प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। इस सबके बावजूद प्रदर्शनकारियों ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद आगे बढ़ने का प्रयास किया। संसद के नजदीक भारतीय रिजर्व बैंक के पास दर्जनों लोगों को हिरासत में लिया गया। हिरासत में लिए गए लोगों को विरोध स्थल से दूर राजधानी में विभिन्न स्थानों पर ले जाया गया, ताकि उन्हें फिर से इकट्ठा होने और कानून व्यवस्था को बाधित करने से रोका जा सके। हालांकि उन्हें चेतावनी देने के बाद रिहा कर दिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि हिरासत में लिए गए लोगों के नाम व पते लिये गये है और उनके रिकॉर्ड का सत्यापन करने की बात पुलिस ने कही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनमें से किसी का पिछला आपराधिक रिकॉर्ड तो नहीं है। ज्वाइंट सीपी स्तर के भी दर्जनों पुलिस अधिकारी सुरक्षा की निगरानी करते नजर आये। खुद पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार भी संसद मार्ग थाने से पल पल का अपडेट मातहतों से लेते रहे और पूरे प्रदर्शन पर निगरानी बनाये रखे। पुलिस व सुरक्षा कर्मियों ने पूरे प्रयास करें कि प्रदर्शनकारी आगे न बढ़े लेकिन उनके सभी प्रसास धरे के धरे रह गये और प्रदर्शनकारी संसद के काफी नजदीक तक पहुंच गये या यूं कहे कि एक प्रकार से संसद को घेर लिया। दोपहर के समय एक बार हालात ऐसे बन गये कि संसद भवन में भी अफरा तफरी मच गई और सुरक्षाकर्मियों को मुख्य गेट तक बंद करना पड़ा।

पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को भी नहीं बख्शा...

शिक्षा व परीक्षा व्यवस्था ठीक करने की बजाय देश के युवाओं पर हमला कर रहे मोदी : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि आज जहां शिक्षा व परीक्षा व्यवस्था ठीक करने की जरूरत है, वहां मोदी जी उल्टा देश के युवाओं पर हमला कर रहे है। जंतर-मंतर पर देश का सारा युवा लाखों की संख्या में जमा हो गया है। लेकिन केंद्र सरकार उनकी बात सुनने की बजाय उनपर ही लाठी चार्ज करवा रही है। यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं सरकार से अपील करता हूँ कि यह हमारे ही देश के बच्चे हैं जो न्याय मांगने सड़कों पर उतरे हैं। अहंकार छोड़िये और उनकी बात सुनिए। हमारे बच्चों पर लाठीचार्ज न करवाएं, आँसू गैस के गोले न छोड़े जाए। ऐसा लगता है कि मोदी जी ने शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा व्यवस्था ठीक करने की बजाय देश के युवाओं पर सीधा हमला बोल रखा है। युवा मोदी जी का अहंकार कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

दीपके सहित तीन अन्य ने किया अनशन समाप्त, जारी रहेगा प्रदर्शन

नई दिल्ली। नीट परीक्षा मामले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा आयोजित संसद मार्च में भारी भीड़ जुटी। बारिश व भीषण उमस के बावजूद दिल्ली सहित पड़ोसी राज्यों से आए लोगों ने संसद मार्च में हिस्सा लिया और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की पुरजोर मांग की। वहीं सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और अनशन पर बैठे आइसा के तीन छात्रों ने भी अपना अनशन समाप्त करने की घोषणा कर दी। दिनभर के हंगामे के बाद शाम को दीपके और सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि केरल भवन के नजदीक शांतिपूर्ण धरने पर बैठ गए। दीपके ने घोषणा की है की यह प्रदर्शन अभी समाप्त नहीं होगा, बल्कि अब इसे अगले चरण में लेकर जाएगें। खबर लिखे जाने तक धरना चालू रहा। सीजेपी के संसद मार्च में शामिल होने वालों की भीड़ रविवार देर रात से ही बढ़ने लगी थी। जबकि सोमवार सुबह पांच बजे तक जंतर मंतर पर पैर रखने की जगह दिखाई नहीं दी।

शबाना आजमी और प्रकाश राज ने लिया संसद मार्च में हिस्सा

फिल्म कलाकार शबाना आजमी और दक्षिण भारत के कलाकार प्रकाश राज मार्च में शामिल हुए। पहले शबाना आजमी पहुंची, और उन्होंने कहा कि आज देश का युवा जाग गया है। सरकार को यकीन नहीं था कि युवा इस कदर भारी संख्या में सड़कों पर उतर जाएगा। लेकिन जब सरकार किसी की बात तक नहीं सुनेगी तो मजबूरी में उसे वह सब करना पड़ता है जो वह करना नहीं चाहता। शबाना ने कहा कि क्रांति का आगाज युवा ही करता है। कलाकार प्रकाश राज ने कहा कि सरकार निरंकुश हो चुकी है। लेकिन युवाओं का हुजूम बता रहा

दीपके ने बताया आजाद भारत के इतिहास का सबसे बड़ा मार्च

दीपके ने मार्च से पहले समर्थकों को संदेश दिया। उन्होंने जंतर मंतर पर समर्थकों का संबोधित करते हुए कहा कि आज आजाद भारत के इतिहास में यह सबसे बड़ा मार्च होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि कल तक जो कह रहे थे कि इस सब की परमिशन नहीं है, आज बोल रहे है कि बोला कहां बात करनी है। गत 10-12 साल में देश में जो डेमोक्रेसी को समाप्त करने की कोशिश की जा रही थी, उसे आपने जंतर मंतर पर एक महीना बैठकर फिर से जिंदा कर दिया है। पूरे देश से लोग आ रहे है, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे है, लेकिन सरकार सुनने को तैयार नहीं है। दीपके ने कहा कि सरकार सोचती थी कि अमेरिका से आकर क्या कर लेगा। लेकिन आज पूरी चारों तरफ कॉकरोच से भरी पड़ी है।

सरकार से बातचीत के लिए हम तैयार, सरकार को करना है अंतिम फैसला

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरभ दास ने दिन के समय संदेश जारी कर बताया कि हमारी सरकार से बातचीत चल रही है। अब सरकार को ही अंतिम फैसला करना है। दास ने कहा कि हमारे संगठन ने सरकार से बातचीत के लिए सकारात्मक रूख दिखाया है। लेकिन अभी तक हमारे पास किसी का भी कोई प्रस्ताव नहीं मिला है, लेकिन उम्मीद है कि बात आगे बढ़ेगी।

प्रदर्शन के मद्देनजर सुरक्षा कारणों के चलते डीएमआरसी ने किए पांच स्टेशन के दरवाजे बंद

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संसद मार्च के दौरान दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने सुरक्षा का हवाला देते हुए संसद भवन व जंतर मंतर तक पहुंचने वाले पांच प्रमुख मेट्रो स्टेशनों के दरवाजे बंद कर दिए। इनमें राजीव चौक, जनपथ, पटेल चौक, केंद्रीय सचिवालय और सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशन शामिल रहे।

डीएमआरसी ने अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि यह स्टेशन अगले आदेश तक सुरक्षा कारणों से बंद रहेगें। डीएमआरसी द्वारा पांच स्टेशनों के बंद करने से जहां आम यात्रियों का भारी परेशानी उठानी पड़ी, वहीं मार्च में शामिल होने वाले समर्थकों को भी जंतर मंतर व मार्च मार्ग तक पहुंचने में भारी दिक्कतें पेश आई। राजीव चौक स्टेशन पर सबसे ज्यादा अफरा तफरी देखने को मिली। सैकड़ों यात्रियों के स्टेशन पर जमा होने से सुरक्षा में लगी सीआईएसएफ के हाथ पैर फूलने लगे। कुछ यात्री ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन (एएफसी) गेट को फांदकर स्टेशन के अंदर घुस गए। बाद में काफी मशक्कत के बाद सुरक्षाकर्मियों ने व्यवस्था को संभाला।

पांच महत्वपूर्ण स्टेशनों के बंद होने से यात्रियों ने जमकर अपना गुस्सा एक्स पर पोस्ट के द्वारा निकाला। यात्रियों ने डीएमआरसी को जमकर कोसा। वहीं डीएमआरसी ने बाद में पोस्ट कर जानकारी देते हुए बारी बारी लिखा कि स्टेशनों के गेट खोल दिए गए है। बता दें कि आम तौर पर ऐसे धरने प्रदर्शनों के दौरान डीएमआरसी सुरक्षा का हवाला देते हुए चुनिंदा स्टेशनों के गेट बंद करती रही है।

खबर संक्षेप

बिना पहचान प्लेट के दौड़ रहे 10 हजार ऑटो

फरीदाबाद। यातायात थाना पुलिस ने ऑटो ड्राइवर और उनके वाहनों की पहचान के लिए यूनिक नंबर प्लेट की व्यवस्था की है लेकिन 10 हजार से ज्यादा वाहन बिना इस प्लेट के सड़क पर दौड़ रहे हैं। इन वाहनों में सफर करना, सवारियों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। 4 साल पहले सवारियों की सुरक्षा के लिए यह व्यवस्था बनाई गई थी। इस विशेष पहचान नंबर प्लेट के बिना चल रहे वाहनों पर अंकुश नहीं लगाया।

बसई चौक के पास मिला महिला का शव

गुरुग्राम। सेक्टर-10 थाना क्षेत्र में बसई चौक के पास सोमवार की सुबह अर्धनग्न हालत में एक महिला का शव मिला है। महिला का शव पड़ा होने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फोरेंसिक, सीन ऑफ क्राइम की टीमों को बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराकर साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया है।

बैंक लोन कराने गई महिला से दुष्कर्म

मुरादनगर। बैंक लोन कराने का झांसा देकर महिला को घर बुलाकर पानी में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। महिला ने बताया कि इमरान कुरैशी नाम युवक से मुलाकात हुई थी। उसने कहा था कि बैंक लोन बिना गारंटी के करा देगा। सात जून को आरोपी ने महिला को अपने घर पर बुलाया।

घर के बाहर युवक पर गोली चलाई

पलवल। दहट गांव में रविवार देर रात एक युवक के घर के बाहर जान से मारने की नीयत से गोली चलाए जाने का मामला सामने आया है। निशाना चूकने से गोली घर के गेट पर जा लगी। पुलिस ने नामजद आरोपी समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में अजीत ने बताया कि रविवार तड़के विपिन अपने एक साथी के साथ कार में सवार होकर उसके घर आ पहुंचा।

अलीगढ़ रोड के पास जुआ खेलते 12 काबू

पलवल। कैंप थाना क्षेत्र की किठवाड़ी पुल चौकी पुलिस ने अलीगढ़ रोड स्थित एक दुकान पर छापा मारकर सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 13,100 रुपए की नकदी और प्लास्टिक की दो ताश की गड्डियां बरामद की हैं। थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल के अनुसार, गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी ।

अंतरराष्ट्रीय ठगी गिरोह के 6 लोग गिरफ्तार

गुरुग्राम। साइबर क्राइम ईस्ट थाना पुलिस ने प्रतिष्ठित निवेश कंपनियों के नाम पर फर्जी व्हाट्सएप ग्रुप और निवेश ऐप बनाकर 2.65 करोड़ रुपए की साइबर ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने साइबर ठगी के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह के तार दुबई स्थित साइबर ठगी सिंडिकेट से जुड़े पाए गए हैं।

प्रमुख मार्गों को सुंदर बना रहा नगर निगम, व्यवस्थित 90 पोल बने आकर्षक का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏩ गाजियाबाद

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार गाजियाबाद नगर निगम शहर में विकास कार्यों के साथ-साथ शहर की सुंदरता पर भी कार्य कर रहा है जिसके क्रम में मुख्य मार्ग को व्यवस्थित और सुंदर बनाने की कार्यवाही की जा रही है। हापुड़ चुंगी से लेकर कलेक्ट्रेट मार्ग होते हुए ठाकुर द्वारा तक लगभग 3.5 किलोमीटर लंबी सड़क को पूर्ण रूप से निगम व्यवस्थित कर रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने चल रहे कार्यों का जायजा लिया।इस मार्ग पर सेंट्रल वर्ज को पुनः बनाया गया है जिसकी ऊंचाई को बढ़ाते हुए 90 सेंटीमीटर बनाया गया है, सेंट्रल वर्ज की चौड़ाई 1 मी रखी गई है उद्यान विभाग द्वारा लगभग साढे तीन किलोमीटर सेंट्रल वर्ज का पुनः निर्माण किया है, जिसमें मिट्टी डालने का कार्य चल रहा है पौधारोपण भी किया जाएगा, मार्ग को सुंदर बनाने के लिए सेंट्रल वर्ज में पौधे लगाए जाएंगे।

हापुड़ चुंगी से लेकर कलेक्ट्रेट मार्ग होते हुए ठाकुर द्वारा तक लगभग 3.5 किलोमीटर लंबी सड़क को पूर्ण रूप से निगम व्यवस्थित कर रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने।रविवार को चल रहे कार्यों का जायजा लिया।।इस मार्ग पर सेंट्रल वर्ज को पुनः बनाया गया है...

सेंट्रल वर्ज में पौधे लगाए जाएंगे

प्रकाश विभाग हापुड़ चुंगी से लेकर ठाकुर द्वारा मार्ग का कर रहे हैं **सौंदर्यकरण**

सेंट्रल वर्ज पर 90 आकर्षक पोल लाइट लगाई गई

नगर आयुक्त ने बताया गाजियाबाद नगर निगम शहर के प्रमुख मार्गों को व्यवस्थित और सुंदर बनाने में जुटा हुआ है जिसमें हापुर चुंगी से लेकर कलेक्ट्रेट होते हुए ठाकुर द्वारा तक नए सेंट्रल वर्ज को बनाया गया है। जिस पर पौधारोपण भी किया जाएगा इसके अलावा 90 आकर्षक पोल लाइट के लगाए गए हैं जिनकी लंबाई 6 मी रखी गई है, जो की न केवल प्रकाश के लिए लगाए गए हैं बल्कि डिजाइनिंग पोल शहर की सुंदरता को बढ़ाने का भी कार्य करेंगे, लाइटिंग पोल डिजाइनिंग है जिसके ऊपर अलग से डिजाइनिंग कवर बना हुआ है जिससे करंट लगने की संभावना भी कम रहेगी, पुराने लगे हुए पल हटाए जाएंगे जिनका सदुपयोग करते हुए अन्य स्थानों पर शिफ्ट किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान मौके पर मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी भी उपस्थित रहे।

गाजियाबाद के सेक्टर-74 स्थित अजनारा हेरिटेज सोसाइटी में जिम बंद करने का मामला

2.5 करोड़ के जिम सामान के बदले 10 लाख की रंगदारी, पीड़ित ने कोर्ट से लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏩ गाजियाबाद

गाजियाबाद के सेक्टर-74 स्थित अजनारा हेरिटेज सोसाइटी में जिम का सामान निकालने के एवज में 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित जिम संचालक ने गाजियाबाद के एसीजेएम कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर आरडब्ल्यूए सचिव और दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कराने की मांग की है।

वेव सिटी स्थित लक्सूरिया एस्टेट आदित्य वर्ल्ड सिटी निवासी मोनू मिश्रा ने कोर्ट में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उन्होंने वर्ष 2020 में अजनारा हेरिटेज सोसाइटी सेक्टर-74, नोएडा में 'एफ-1 फिटनेस' नाम से जिम शुरू किया था, जिसमें करीब 2.5 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। कोविड महामारी के बाद वर्ष 2022 में जब जिम दोबारा चालू करने की कोशिश की, तो सोसाइटी की आरडब्ल्यूए समिति ने विरोध करना शुरू कर दिया। आरोप है कि आरडब्ल्यूए के वर्तमान सचिव अभिनव सैनी ने उनसे कई बार में 1-1 लाख रुपये की वसूली की। उत्पीड़न से तंग आकर उन्होंने वर्ष 2025 में जिम बंद कर दिया।

पीड़ित ने कोर्ट में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उन्होंने वर्ष 2020 में अजनारा हेरिटेज सोसायटी सेक्टर-74, नोएडा में 'एफ-1 फिटनेस' नाम से जिम शुरू किया था, जिसमें करीब 2.5 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था...

आरोपियों के खिलाफ एफआरआर दर्ज

अप्रैल 2026 को ईमेल भेजकर 6.50 लाख रुपए की मांग की

आरोप है कि आरोपी ने जिम का करोड़ों का सामान बाहर निकालने से रोक दिया और इसके एवज में 10 लाख रुपए रंगदारी की मांग की। पीड़ित के अनुसार बिल्डर कंपनी द्वारा सामान ले जाने की अनुमति मिलने के बाद भी आरोपी ने 1 अप्रैल 2026 को ईमेल भेजकर 6.50 लाख रुपए की मांग की। 6 जून 2026 को जब पीड़ित अपनी सोसाइटी से निकल रहे थे तब दो अज्ञात बाइक सवारों ने उनकी गाड़ी रोक ली।

आरोप है कि उन्होंने इस संबंध में थाना वेव सिटी और पुलिस आयुक्त, को 3 जुलाई को शिकायती पत्र दिया था, लेकिन पुलिस द्वारा कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद पीड़ित ने न्यायालय के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने व सुरक्षा की मांग की है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

जलस्तर घटा पर बारिश में बढ़ सकता है बाढ़ का खतरा

ट्रांस हिंडन। हिंडन का जलस्तर बढ़ने से डूब इलाके की कॉलोनियों में पानी भरने से लोगों की जान को खतरा बना हुआ है। सोमवार को कॉलोनियों में भरा पानी छह इंच तक घट गया है, लेकिन अभी भी राहत नहीं मिल पा रही है। चिंता है कि तेज बारिश होने पर पानी और ज्यादा मात्रा में भर सकता है। वहीं, प्रशासन ने कंपोजिट विद्यालय में आपात स्थिति के लिए नौ कमरे आरक्षित कर दिए हैं।

मानसून की शुरुआत

मानसून की शुरुआत से ही हिंडन का जलस्तर बढ़ने लगा था। करीब एक सप्ताह पहले पानी ओवरफ्लो होकर हिंडन किनारे बने सिटी फॉरेस्ट में घुसा था। इसके बाद करहेड़ा की कॉलोनियों में पानी भरने लगा। रविवार को एक अस्थायी बांद टूटने से नूर नगर के श्मशान घाट से लेकर आसपास की पांच-छह कॉलोनियों में पानी भर गया था।

जनसुनवाई शिविर में 32 शिकायतें प्राप्त

अधिकारियों ने समयबद्ध तरीके से समाधान के लिए दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏩ फरीदाबाद

नगर निगम मुख्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रत्येक सोमवार आयोजित होने वाले जनसुनवाई शिविर में आज कुल 32 शिकायतें प्राप्त हुई। महापौर प्रवीण बत्रा जोशी और नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा के दिशा-निर्देशों पर अतिरिक्त नगर निगम आयुक्त गौरव अंतिल ने स्थानीय नागरिकों की शिकायतें सुनीं। जनसुनवाई के दौरान महापौर प्रवीण बत्रा जोशी ने अतिरिक्त आयुक्त गौरव अंतिल और संबंधित

नई पानी की लाइन बिछाने की मांग की

महापौर जोशी के स्पष्ट निर्देश हैं कि जनहित से जुड़े मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। शिविर में प्राप्त शिकायतों में वार्ड-16 एवं वार्ड-19 के निवासियों ने पेयजल आपूर्ति सुचारू न होने की समस्या उठाते हुए नई पानी की लाइन बिछाने की मांग की। वहीं डबुआ कॉलोनी की गली नंबर-4 से आए एक नागरिक ने गली निर्माण की शिकायत दर्ज कराई। डबुआ कॉलोनी क्षेत्र से नई सडक़ निर्माण की मांग भी जनसुनवाई में रखी गई।

अधिकारी अपने वार्डों में करें निगरानी

जोशी ने कहा कि जनसुनवाई शिविर में प्राप्त शिकायतों पर अधिकारी मौका निरीक्षण कर समस्या का जल्द समाधान करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए भी लगातार अधिकारी अपने-अपने वार्डों में निगरानी रखें। जनसुनवाई शिविर में प्रॉपर्टी आईडी, डेवलपमेंट चार्ज तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित शिकायतें भी प्राप्त हुईं। वहीं समाज कल्याण संस्थान, सेक्टर-17 की ओर से सेक्टर-17 स्थित निधिवन पार्क में ट्यूबवेल की मरम्मत एवं पार्क के सौंदर्यीकरण संबंधी मांग रखी गई। शिविर के दौरान कुछ नागरिकों ने नगर निगम द्वारा शिकायतों के समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा महापौर की पहल की सराहना करते हुए उनका आभार भी व्यक्त किया।

नगर निगम की कड़ी कार्रवाई

बल्लभगढ़ में अवैध रूप से संचालित दो पशु डेयरियां नियमानुसार की सील

हरिभूमि न्यूज ⏩ बल्लभगढ़

फरीदाबाद नगर निगम ने निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा के निर्देशों पर स्वच्छता अभियान के अंतर्गत बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित दो पशु डेयरियों को सील कर दिया। यह कार्रवाई भीमसेन कॉलोनी अग्रसेन चौक के निकट, मिल्क प्लांट रोड, बल्लभगढ़ स्थित दो डेयरियों पर की गई, जिनका संचालन राम सिंह यादव एवं राकेश यादव द्वारा किया जा रहा था।

कार्रवाई के दौरान एसडीओ राहुल गिल, सैनिटेशन जोन इंचार्ज बल्लभगढ़ अजीत रावत, जेई असलम खान तथा एएसआई ओम अत्री मौके पर मौजूद रहे। नगर निगम की टीम ने दोनों डेयरियों को नियमानुसार सील कर दिया। उन्होंने बताया कि पशु डेयरियों से निकलने वाला अपशिष्ट अक्सर

सीवर लाइनों में जमा होकर सीवर जाम होने का कारण बनता है, जिससे स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

निगम प्रशासन ने जानकारी दी कि उक्त डेयरियों के संबंध में स्थानीय निवासियों द्वारा लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। शिकायतों के सत्यापन के बाद नगर निगम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए दोनों डेयरियों को सील कर दिया।

नगर निगम ने स्पष्ट किया कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित करने वाले अवैध कार्यों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

महाराजा अग्रसेन विवाह समिति का 26वां सर्वजातीय परिचय सम्मेलन 31 अक्टूबर से

हरिभूमि न्यूज ⏩ फरीदाबाद

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाराजा अग्रसेन विवाह समिति फरीदाबाद रजि. 26वां सर्वजातीय परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह बड़ी धूमधाम से करेगी। वहीं महाराजा अग्रसेन विवाह समिति का एक बार पुनः डॉ. ब्रह्मप्रकाश गोयल को प्रधान नियुक्त किया गया है। संरक्षक अनिल गुप्ता की अध्यक्षता में समिति की एक मीटिंग मुख्य कार्यालय सैक्टर-19 फरीदाबाद पर हुई।

संरक्षक अनिल गुप्ता ने बताया कि समिति के द्वारा पहले भी लगातार 25 वर्षों से सर्वजातीय परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह के सफल आयोजन किया गया। इसी कड़ी में इस वर्ष भी 26वां सर्वजातीय परिचय सम्मेलन 31 अक्टूबर व 1 नवंबर 2026 शनिवार-रविवार को व सर्वजातीय सामूहिक विवाह 13 दिसम्बर 2026 रविवार को दशहरा मैदान सेक्टर-16 ए फरीदाबाद में कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्था के द्वारा लगातार 25 वर्षों से यह कार्यक्रम होता रहा है और यह वर्ष 26वां साल है इसलिए संस्था के द्वारा इस वर्ष कुछ विशेष आकर्षण और भव्य डेकोरेशन का भी इंतजाम किया जाएगा।

लगभग 300 से ज्यादा पंजीकरण

150 किलोमीटर के दायरे में हर शहर, हर कस्बे, हर गांव, हर कॉलोनी व हर छोटी से छोटी जगह तक बनाए जाएंगे जिनमें डॉक्टर, सी ए, टीचर, इंजीनियर, अन्य कई प्रकार की प्रोफेशनल डिग्री वाले युवक एवं युवतियां, व्यापारी, अपाहिज, विधवा, तलाकशुदा, पढ़े-लिखे, व अनपढ़, नौकरी करने वाले और प्रत्येक जरूरतमंद या किसी भी उम्र व जाती के विवाह योग्य युवक.युवतियों जिसमें लडक़ी की आयु 18 वर्ष से अधिक और युवकों की आयु 21 वर्ष से अधिक हों उनके माता-पिता व उनके अभिभावक अपने बच्चों के या उम्मीदवार स्वयं अपना पंजीकरण करा सकते है।

मीटिंग में मुख्य रुप से संरक्षक अनिल गुप्ता, राजीव गोयल, प्रधान. डॉ. ब्रहम प्रकाश गोयल, कोषाध्यक्ष रज्जी गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बलराज गुप्ता, युगल मित्तल, बालकिशन मंगला, अमित गुप्ता, महासचिव .भुवनेश्वर अग्रवाल, वी के अग्रवाल, संजीव कुशवाहा, उप प्रधान लक्ष्मी नारायण मित्तल, गोविंद गोयल एडवोकेट, रवि गुप्ता, आर के गौड़ वकील, मनोज कंसल, अजय गर्ग बल्लबगढ़ आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

चौटाला बोले- प्रदेश में भाजपा का जनाधार खत्म

बूथ मजबूत होने पर ही विधानसभा व हरियाणा प्रदेश होगा मजबूत

हरिभूमि न्यूज ⏩ फरीदाबाद

हरियाणा प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला जननायक जनता पार्टी जिला कार्यालय सेक्टर-65 फरीदाबाद में बीएलए-2 की मीटिंग लेने पहुंचे। जहां सैकड़ो साथियों ने दुष्यंत चौटाला का फूल माला एवं बुक्के देकर स्वागत किया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री चौटाला, संगठन सचिव राजेंद्र लितानी एवं हरियाणा प्रदेश कार्यालय सचिव रविंद्र सांगवान जननायक जनता जिला पार्टी कार्यालय पहुंचकर प्रत्येक विधानसभा के नवनियुक्त सदस्यों से रूबरू हुए।

चौटाला ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में भाजपा का जनआधार खत्म होने की तरफ है और कांग्रेस पार्टी पहले से ही अपने आप को बचाने की लड़ाई लड़ रही है ।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सबलू, पुत्रः अब्बार खान, पताः म. नं. जे–263, नंद नगरी, दिल्ली** ने **FIR No. 551/2020, U/s 498-A/406/34 IPC, पुलिस थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सबलू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सबलू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 551/2020, U/s 498-A/406/34 IPC, पुलिस थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अभियुक्त **सबलू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.08.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – सुश्री पूजा सुहाग
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, महिला कोर्ट–03
शाहदरा जिला, कमरा नं. 08, दूसरी मंजिल
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/9875/NE/2026

सिटी प्रेस क्लब फरीदाबाद के आयोजन में शामिल हुए नागर

मंत्री राजेश नागर ने की सिटी प्रेस क्लब के सदस्यों को स्कूटी वितरित

हरिभूमि न्यूज ⏩ फरीदाबाद

हरियाणा के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने सिटी प्रेस क्लब फरीदाबाद के 26 पत्रकारों को स्कूटी वितरित की। फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के सभागार में आयोजित समारोह में सिटी प्रेस क्लब फरीदाबाद का पत्रकारों को यह दूसरा स्कूटी वितरण समारोह था। इससे पहले क्लब अपने 18 पत्रकारों को स्कूटी दे चुका है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार राजीव जेटली, इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान राज भाटिया व जानी-मानी रियल एस्टेट डेवलपर्स कंपनी मनसा के चेयरमैन नरेश मलिक विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल रहे।

क्लब ने कार्यक्रम में राजेश नागर को सम्मानित किया और एफआईए के प्रधान राज भाटिया को क्लब की मानद सदस्यता भी ग्रहण कराई।

क्लब ने समाजसेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए हैं

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री राजेश नागर ने कहा कि सिटी प्रेस क्लब फरीदाबाद ने हमेशा पत्रकार हितों की रक्षा की है। क्लब ने समाजसेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इसके लिए उन्हें गौरव की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि प्रेस क्लब के पत्रकार साथियों से उनके राजनीति में आने से पहले के प्रगाढ़ संबंध हैं। श्री नागर ने कहा कि क्लब ने पत्रकारों को इलेक्ट्रिक स्कूटी प्रदान कर पर्यारण संरक्षण के क्षेत्र में भी अपनी प्रेरणादायक भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मीडिया सलाहकार राजीव जेटली ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें खुशी है कि सिटी प्रेस क्लब के पत्रकार पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में समाज के प्रति अपना प्रेरणा दायित्व निभाते हैं।

हरियाणा सरकार — शुद्धिपत्र

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	पुराना संदर्भ / एनआईटी सं.	शुद्धिपत्र की प्रकृति	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी/ सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	एचवीपीएनएल	NITNO.19/CWD-2/ VOL-XX/HVPN/2026-27 DATED29.05.2026 (ONLINE TENDER ID NO. 2026_HBC_525282_1)	"बोली खुलने की तिथि 21.07.2026 (11:00 बजे) ऑनलाइन बोली जमा की अन्तिम तिथि 28.07.2026 (13:00 बजे) तक बढ़ा दी गई है (समितियां एवं ठेकेदार)।"	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN
2	एचवीपीएनएल	NITNO.23/CWD-2/ VOL-XX/HVPN/2026-27 DATED13.06.2026 (ONLINE TENDER ID NO.2026_HBC_ 529005_1)	"बोली खुलने की तिथि 21.07.2026 (11:00 बजे) ऑनलाइन बोली जमा की अन्तिम तिथि 28.07.2026 (13:00 बजे) तक बढ़ा दी गई है (समितियां एवं ठेकेदार)।"	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद–13/2027/60/47341/I/88/7 दि. 20.07.26

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	नागरिक हस्पताल पंचकूला	लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति।	22.07.2026 04.08.2026	ईएमडी 50,000/-	https://etenders.hry.nic.in	0172-2562199 gh6pkl@gmail.com
2	वन विभाग हिसार	हांसी रेंज के तहत हांसी और बास ब्लॉक में एनएच-9 प्लांटेशन रखरखाव के तहत दो कार्य।	17.07.2026 23.07.2026	307.38 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9992222537 dfohisar@gmail.com
3	नागरिक हस्पताल फरीदाबाद	जिला नागरिक हस्पताल फरीदाबाद में खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति।	27.07.2026 12.08.2026	0.18 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0129-2415623 civilhospitalfbd@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in
पीआरडीएच–11/2027/60/47351/I/88/7 दि. 20.07.26

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शाहिद उर्फ सिट्टू, पिताः शेख बुलबुल, निवासीः गली नंबर 01, गमरी गांव, भजनपुरा, दिल्ली, और अमीराबाद, थाना मनिहारी, जिला कटिहार, बिहार** ने **FIR No. 532/20, U/s: 379/411/34 IPC & 102 CrPc, पुलिस थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **शाहिद उर्फ सिट्टू** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **शाहिद उर्फ सिट्टू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अभियुक्त **शाहिद उर्फ सिट्टू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.08.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पंकज राय
जेएमएफसी–01, उत्तर पूर्व,
पांचवीं मंजिल, कमरा नंबर 73,
करकड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/9976/NE/2026

खबर संक्षेप

जीरो पॉवर्टी अभियान के पात्रों का बने अंत्योदय कार्ड

लखनऊ। सीएम योगी ने सोमवार को स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की बैठक में प्रदेश में संचालित

आधारभूत संरचना, औद्योगिक विकास से जुड़ी परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने जीरो पॉवर्टी अभियान को प्राथमिकता देते हुए कहा कि ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की विशेष टीम गठित कर पात्र परिवारों का अंत्योदय कार्ड बनवाया जाए व पीएम-सीएम आवास योजना से जोड़ा जाए।

45 के हुए निशांत, पिता नीतीश को खिलाया केक

पटना। बिहार के पूर्व सीएम नीतीश कुमार के पुत्र और सम्राट चौधरी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री

निशांत कुमार 45 साल के हो गए हैं। परिवार के साथ केक काटकर उन्होंने जन्मदिन मनाया। पिता नीतीश कुमार को केक खिलाने लगे तो माहौल काफी खुशनुमा हो गया। उन्होंने जन्मदिन के मौके पर मंदिर जाकर पूजा की और अपने आवासीय परिसर में पौधा भी लगाया।

अलीगंज अग्निकांड बिल्डिंग पर चला हथौड़ा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अलीगंज के सेक्टर-डी स्थित उस बहुचर्चित बिल्डिंग को तोड़ने का काम सोमवार से शुरू हो गया, जहां

22 जून को हुए भीषण अग्निकांड में 15 मासूम बच्चों की जलकर मौत हो गई थी। भूखंड संख्या-102 पर बनी इमारत के मालिक वीरेंद्र शुक्ला और सुरेंद्र शुक्ला ने स्वयं भवन ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू कराई है।

योगी सरकार की मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी

16 जिलों में तीन महीनों में सभी प्रसव स्वास्थ्य संस्थानों में स्वास्थ्य कर्मियों के समन्वित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लखनऊ

योगी सरकार ने मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश के 16 जिलों में पिछले तीन महीनों के दौरान सभी प्रसव स्वास्थ्य संस्थानों में हुए हैं। गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ़ ने लहराया परचम एचएमआईएस से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक गोरखपुर, देवरिया, आजमगढ़, वाराणसी, अमेठी, अयोध्या, सुलतानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, गाजीपुर, शामली,

गाजियाबाद, हाथरस, इटावा, महोबा व कौशांबी में अप्रैल से जून के बीच एक भी प्रसव गैरसंस्थागत नहीं हुआ है। संयुक्त निदेशक डॉ. शालू गुप्ता ने बताया कि संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए गए हैं। नियमित प्रसव पूर्व जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान, घर-घर संपर्क, एम्बुलेंस सेवाओं की उपलब्धता तथा जननी सुरक्षा एवं मातृत्व लाभ से जुड़ी योजनाओं ने महिलाओं को स्वास्थ्य संस्थानों में प्रसव के लिए प्रेरित किया है। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. चंद्रावती का मानना है कि संस्थागत प्रसव मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को कम करने का सबसे प्रभावी उपाय है। जटिल परिस्थितियों में भी मां और शिशु की जान बचाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

चार राज्यों के अफसरों के साथ मीटिंग

दिल्ली-देहरादून ग्रीनफील्ड हाईवे और गंगा एक्सप्रेसवे पर कांवड़ यात्रियों का प्रवेश रहेगा बंद

समीक्षा मुख्य सचिव एसपी गोयल और डीजीपी राजीव कृष्ण ने चार राज्यों के अफसरों संग मीटिंग की। दिल्ली-देहरादून ग्रीनफील्ड हाईवे और गंगा एक्सप्रेसवे पर कांवड़ यात्रियों के प्रवेश बंद करने के निर्देश दिए...

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

30 जुलाई से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर यूपी सरकार ने इस बार आस्था और जन सुविधा के बीच संतुलन बनाने की रणनीति तैयार की है। इसके लिए मुख्य सचिव एसपी गोयल और यूपी के डीजीपी राजीव कृष्ण सोमवार को मेरठ पहुंचे। दोनों ने चार राज्यों के अफसरों के साथ कांवड़ यात्रा को लेकर मीटिंग की। मीटिंग में मुख्य सचिव ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की। साथ ही आम नागरिकों को राहत देने के लिए

दिल्ली-देहरादून ग्रीनफील्ड हाईवे और गंगा एक्सप्रेसवे पर सामान्य वाहनों का आवागमन निर्बाध जारी रखने का निर्देश दिया।

कांवड़ यात्रियों के लिए की जाएगी समुचित व्यवस्था

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि पिछले वर्षों के अनुभवों और मुजफ्फरनगर में हुई घटनाओं को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय और राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आपत्तिजनक वस्तुओं पर पूर्व की भांति प्रतिबंध प्रभावी रहेगा। समीक्षा बैठक में तय किया गया कि कांवड़ यात्रियों के लिए सुरक्षा, साफ-सफाई और आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जा रही है, जबकि प्रमुख एक्सप्रेस वे को सामान्य यातायात के लिए खुला रखकर यात्रा के दौरान लोगों को अनावश्यक परेशानी से बचाने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को किया आगाह, 'धर्मनिरपेक्षता' पर दिया बयान

सपा-कांग्रेस से सावधान और सतर्क रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे, इनसे सटेंगे तो खतरा बढ़ेगा

सीएम ने बुजुर्गों से अपील की कि युवाओं को सपा की गुंडागर्दी, उपद्रव, सरकारी धन की डकैती व लूट के बारे में बताइए। मुख्यमंत्री ने लोधेश्वर महादेव के सामने से जाने वाली सड़क को टूलेन से फोरलेन बनाने और गेट को भव्य बनाने के लिए प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाराबंकी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी की धरा से प्रदेशवासियों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व समाजवादी पार्टी विरासत, विकास, गांव-गरीब, किसानों, नौजवानों और महिलाओं की जन्मजात विरोधी हैं। इनसे सावधान और सतर्क रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे अन्यथा जैसे ही इनसे सटेंगे तो खतरा बढ़ेगा। सीएम ने बुजुर्गों से अपील की कि युवाओं को सपा की गुंडागर्दी, उपद्रव, सरकारी धन की डकैती व लूट के बारे में बताइए। मुख्यमंत्री ने लोधेश्वर महादेव के सामने से जाने वाली सड़क को टूलेन से फोरलेन बनाने और गेट को भव्य बनाने के लिए प्रस्ताव मांगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी में रामनगर व दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 542 करोड़ से अधिक की 82 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल तक तो विकास की लौ पहुंची लेकिन लोधेश्वर महादेव मंदिर पर ध्यान नहीं दिया

सीएम ने कहा कि बाराबंकी को लोधेश्वर महादेव का आशीर्वाद प्राप्त है। सोमवार को बाबा का दर्शन कर अंतःकरण से आनंद की अनुभूति हुई। यहां अगल-बगल के कई जनपदों से श्रद्धालु आते हैं, फिर भी मंदिर जीर्ण-शीर्ण ही रहा। आजादी के बाद भी आपके पैसे से विकास की लौ कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल तक तो पहुंची, लेकिन लोधेश्वर महादेव मंदिर, केडी सिंह बाबू की हवेली, पारिजात के महाभारत कालीन वृक्ष के संरक्षण, महादेवा, अयोध्या, काशी विश्वनाथ, गोला गोकर्णनाथ, महापुरुषों, वीरांगनाओं आदि के नाम पर योजनाओं के लिए पैसा नहीं मिला। हमारी सरकार भगवान लोधेश्वर महादेव का कॉरिडोर बना रही है, जिससे देश-प्रदेश के हर कोने से यहां आने वाला श्रद्धालु अभिभूत होगा और बाराबंकीवालों को आशीर्वाद व धन्यवाद देकर जाएगा।

हमारी सरकार यह कतई स्वीकार नहीं करेगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि हॉकी में 36 वर्ष बाद भारतीय टीम ने ओलंपिक में पदक जीता लेकिन उससे पहले मेजर ध्यानचंद व केडी सिंह बाबू के समय भारत ने लगातार तीन बार स्वर्ण पदक जीता था। जिस खिलाड़ी ने हॉकी को पूरा जीवन दिया, उन केडी सिंह बाबू की हवेली बिक जाए, हमारी सरकार यह कतई स्वीकार नहीं करेगी। हमने तय किया कि वहां संग्रहालय का निर्माण होगा। सीएम ने अमेरिका के न्यू जर्सी में हुए फीफा विश्वकप का भी जिक्र करते हुए कहा कि स्पेन व अर्जेंटीना के मैच को देखकर लोगों में गजब का उत्साह था।

बिहार जमीन सुधार बिल में किए कई प्रावधान

खेत पर उद्योग लगाना आसान जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरेंगे

एजेंसी ▶▶| पटना

विधानसभा में सोमवार को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से पेश दो विधेयकों में से एक में तो रैयतों को राहत देने का प्रयास किया गया है, लेकिन दूसरे में बोझ बढ़ा दिया गया है। विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवान ने दोनों विधेयकों को पेश किया। दोनों सदनों से पारित होने के बाद इसमें किए गए प्रविधान राज्य में कानून बन कर लागू हो जाएंगे। बिहार कृषि भूमि विधेयक 2026 में किए गए प्रविधानों से रैयतों को लाभ होगा। पहले कृषि भूमि के व्यवसायिक या औद्योगिक उपयोग करने के एवज में रैयतों को शुल्क देना पड़ता था। इसके अलावा, सरकारी कार्यालयों का भी चक्कर लगाना पड़ता था। यहां तक कि अगर सरकार भी जमीन अधिग्रहण के बाद अगर उसका गैर-कृषि कार्य के लिए उपयोग करती थी तो जटिल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता था।

पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही का पत्र

स्वाभिमान की रक्षा के लिए साहिसक फैसला लें मंत्री

एजेंसी ▶▶| गढ़वा

झारखंड में भवनाथपुर के पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही ने झारखंड सरकार के मंत्री राधाकृष्ण किशोर को एक खुला पत्र लिखकर राज्य की नौकरशाही के रवैये पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

नौकरशाही के रवैये पर गंभीर सवाल

19 जुलाई 2026 को लिखे गए इस पत्र में उन्होंने कहा है कि एक वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री होने के बावजूद यदि अधिकारियों द्वारा उनकी बातों की अनदेखी की जा रही है, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था और जनप्रतिनिधियों के सम्मान के लिए चिंताजनक स्थिति है।पत्र में भानु प्रताप शाही ने लिखा है कि समाचारों के माध्यम से उन्हें मंत्री राधाकृष्ण किशोर की पीड़ा का पता चला।

चार गंभीर झुलसे

भोजपुर में बारिश बनी आफत ठनका गिरने से चार की मौत

एजेंसी ▶▶| आरा

भोजपुर जिले में सोमवार सुबह बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा हो गया। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में ठनका गिरने की चार घटनाओं में एक वार्ड सदस्य समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। सों के बाद प्रभावित गांवों में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। आयर थाना क्षेत्र के असुधन मठिया गांव में धान की रोपनी के दौरान ठनका गिरने से वार्ड सदस्य 45 वर्षीय भिखारी सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। भिखारी सिंह बरनांव पंचायत के वार्ड संख्या-11 के

गड़हनी में युवती की मौत, बहन समेत दो किशोरियां घायल

गड़हनी थाना क्षेत्र के मदुरी गांव में खेत में धान की रोपनी कर रही 18 वर्षीय नंदनी कुमारी की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे में उसकी 15 वर्षीय छोटी बहन चांदनी कुमारी तथा गांव की एक अन्य किशोरी भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

चरपोखरी व हसन बाजार में दो की गई जान

चरपोखरी थाना क्षेत्र के खराटी गांव में खेत में रोपनी कर रहे 33 वर्षीय किसान गोविंद कुमार की ठनका गिरने से मौत हो गई। वहीं, हसन बाजार थाना क्षेत्र के बसमनपुर गांव में 57 वर्षीय किसान जमींदार सिंह भी खेत में काम करने के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए और उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

सुरक्षाकर्मियों ने किया श्रमदान, 25 टन कचरा हटाया

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर चला अभियान

स्वच्छता केवल एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में जन भवन, उत्तर प्रदेश द्वारा स्वच्छता एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऐशबाग रेलवे स्टेशन पर विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। अभियान में जन भवन के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा सुरक्षाकर्मियों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान करते हुए रेलवे स्टेशन परिसर और रेलवे ट्रैक के आसपास फैले कचरे की

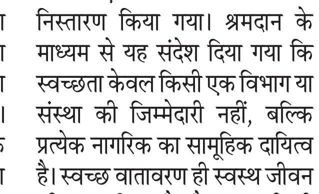

व्यापक सफाई की।

अभियान के दौरान करीब 25 टन कचरा एकत्र कर उसका उचित निस्तारण किया गया। श्रमदान के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वच्छता केवल किसी एक विभाग या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ जीवन की आधारशिला है और जनभागीदारी से ही स्वच्छ भारत का लक्ष्य प्रभावी रूप से हासिल किया जा सकता है।

पेज एक का शेष

महिलाओं ने पुलिस ...

गंभीर चोट दिखाई पड़ रही थी। कई लोंगों के सिर में चोटें थी और खून बह रहा था। प्रदर्शन में शामिल महिलाएं पुलिस को कोस रही थी। लाठी चार्ज को लेकर उनका गुस्सा साफ दिखाई पड़ रहा था। दीपके एक टेम्पों में बैठे दिखाई पड़े। उनको पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। चारों तरफ पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान अपने अपने अधिकारियों के साथ प्रदर्शनकारियों को दौड़ाते या कभी पीछे हटते दिखाई पड़ रहे थे।

सरकार जवाबदेही की जगह हठधर्मिता दिखा रही: प्रदर्शनकारियों की भीड़ में लड़कियों की तादाद भी अच्छी खासी थी। कई बुजर्ग भी सड़कों पर मौजूद थे। युवाओं की तादाद अकल्पनीय थी। उनके चेहरों पर आक्रोश और हताशा साफ दिखाई पड़ रही थी। इस दौरान कई युवाओं ने देश में पेपर लीक की बढ़ती घटनाओं और सरकार की चुप्पी को लेकर गुस्सा प्रकट किया। उनका कहना था कि हमारी बात सुनने की बजाए सरकार जवाबदेही की जगह हठधर्मिता दिखा रही है। पिछले कई दिनों से हम धरना दे रहे हैं, सरकार की तरफ से बात करने की जरूरत भी नहीं समझी गई और आज हम पर लाठीचार्ज किया जा रहा है, आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। शाम पांच के आसपास जंतर मंतर की तरफ से खदेड़े गए प्रदर्शनकारी राजीव चौक के आसपास इक्ट्ठा नजर आये। देर शाम तक बड़ी तादाद में प्रदर्शनकारी क्नॉट प्लेस के आसपास जमा थे। बहुत से युवाओं का कहना था कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा देने तक हम यही डटे रहेंगे। अभी अनशन नहीं तोड़ूंगा,

पहले छात्र नेताओं को संसद में सांसदों से मिलने दिया जाए: कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में अनशन कर रहे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने सोमवार को घोषणा की कि वे अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखेंगे, जो अब 23वें दिन में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा कि वे प्रदर्शनकारी छात्रों के शांतिपूर्ण व्यवहार से प्रभावित हुए हैं। एक्स पर शेयर किए गए एक हाथ से लिखे नोट में, वांगचुक ने कहा कि वे तब तक उपवास जारी रखेंगे जब तक छात्र नेताओं को संसद भवन में सांसदों से मिलने की अनुमति नहीं मिल जाती या उन्हें अस्पताल में उनसे मिलने की इजाजत नहीं दी जाती। सफदरजंग अस्पताल में दाखिल सोनम ने सरकार और पुलिस से आग्रह किया कि वे छात्रों को संसद के समक्ष अपनी शिकायतें रखने की अनुमति देकर स्थिति का समाधान करें और आशा व्यक्त की कि शिक्षा प्रणाली में जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सरकार इससे पहले शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करेगी। वांगचुक ने कहा कि वे उकसावे के बावजूद युवाओं द्वारा शांति बनाए रखने के तरीके से प्रभावित और भावुक हैं और सरकार और पुलिस दोनों से अपील की कि वे छात्रों को सोमवार या अगले दिन संसद के समक्ष अपनी शिकायतें रखने की अनुमति देकर इस मुद्दे का समाधान करें।

सीजेपी प्रतिनिधिमंडल ...

दिया कि इन मांगों पर उचित स्तर पर चर्चा की जाएगी। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी भी मांग को स्वीकार करने का कोई वादा नहीं किया गया है। सौरव दास ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि जेपी नड्डा ने उन्हें आश्वासन दिया है कि जंतर-मंतर और आसपास चल रहे प्रदर्शन स्थल पर आगे कोई सख्त पुलिस कार्रवाई नहीं की जाएगी।

सीजेपी के प्रदर्शन ...

भी खासतौर पर पिछले साल 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी ऐसा दुष्प्रचार किया गया था। जिसका नई दिल्ली ने तथ्यों के साथ करारा जवाब दिया था।

सीमाओं की रक्षा में तैनात है सेना: भारत में सशस्त्र सेनाओं के तीनों अंगों (सेना, वायुसेना और नौसेना) की जिम्मेदारी सीमाओं की सुरक्षा करने की है। जिसमें थलसेना जमीनी सेना की रक्षा का भार संभालती है। वायुसेना हवाई सीमा और नौसेना देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करने की जिम्मेदारी संभालती है। जबकि आंतरिक सुरक्षा का पूरा दारोमदार व दायित्व स्थानीय पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों का होता है। जिसे वह बखूबी निभाती हैं। बाढ़, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय पर सरकार के निर्देश पर सेना आम-जनता को राहत पहुंचाने और बचाव अभियान में जुट जाती है।

आम नागरिक ...

कानून अधिक प्रभावी, व्यावहारिक और समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जा सके।

प्रक्रिया पारदर्शी नीति का हिस्सा: सरकार का कहना है कि यह परामर्श प्रक्रिया उसकी पारदर्शी, सहभागी और समावेशी कानून निर्माण की नीति का हिस्सा है। बदलते कानूनी परिदृश्य, न्यायिक सुधारों और अधिवक्ता पेशे की विकसित होती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है, ताकि सभी संबंधित पक्षों की भागीदारी से एक तुलित और प्रभावी कानून तैयार किया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी महत्वपूर्ण कानून को अंतिम रूप देने से पहले सार्वजनिक परामर्श की प्रक्रिया अपनाने से कानून अधिक व्यावहारिक, व्यापक और जनहितकारी बनता है। इससे कानूनी समुदाय के साथ-साथ आम नागरिकों को भी नीति निर्माण की प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का अवसर मिलता है। सरकार ने सभी हितधारकों से अपील की है कि वे मसौदा विधेयक का अध्ययन कर निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने सुझाव भेजें, ताकि अधिवक्ता पेशे से जुड़े कानून को और अधिक आधुनिक, पारदर्शी तथा प्रभावी बनाया जा सके।

उनसे सीधी बातचीत

■ **प्रश्नः क्या अभी भी यकीन कर पा रहे हैं कि आप भाजपा से इस चुनाव में प्रत्याशी हैं?**

उत्तरः भाजपा के वरिष्ठ देवतुल्य नेतृत्व ने जो निर्णय किया है इस निर्णय की स्वीकार्यता के बाद मैंने माई के दरबार में माथा टेका। भाजपा के अपने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संवाद किया और अब चुनावी मैदान में हूं तो यह महसूस करने जैसा ही है।

■ **प्रश्नः आपके लिए पार्टी का यह निर्णय कितना चौंकाने वाला रहा?**

उत्तरः भाजपा का कार्यकर्ता स्वयं की भूमिका तय नहीं करता है वो एक साधारण कार्यकर्ता के नाते नेतृत्व द्वारा दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन करता है। और इसलिए नेतृत्व समय-समय पर भूमिकाएं बदलता है और बदली हुई भूमिका में तुरंत तो असहज होना एक अलग बाता है। पर पार्टी नेतृत्व सीखाता है, संभालता है और दिशा दिखाता है उस पर कार्यकर्ता आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ता है। तो मैं पूरे आत्मविश्वास के साथ पार्टी के नेतृत्व के आशीर्वाद के कारण, कार्यकर्ता, पदाधिकारी और दतिया की जनता, मतदाताओं के पूर्ण आशीर्वाद के कारण मैं पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा हूं।

■ **प्रश्नः दतिया जैसे महत्वूर्ण क्षेत्र से आप प्रत्याशी कैसे बने?**

उत्तरः नेतृत्व ही निर्णय करता है। नेतृत्व की विचार प्रक्रिया में कौन कौन से व्यवहार, विचार, परिस्थितियां और नीचे से किस तरह का फीडबैक आया है। ये नेतृत्व तय करता है। कार्यकर्ता को तो नेतृत्व के द्वारा जो कहा जाता है उसके पालन में मैदान में जाना होता है। नेतृत्व के निर्णय और माई के आशीर्वाद से मुझे सेवा के लिए बुलाया है इसका एहसास। दतिया के हमारे सभी मतदाता, भाई, बहन, कार्यकर्ता, पदाधिकारी, परिवार के ऐसे लोग जिन्होंने उंगली पकड़कर मुझे सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़ाया। मैं लगातार उस दिन से भावुक हूं। लंबे समय से जिन लोगों के साथ काम किया था वे भरपूर आशीर्वाद दे रहे हैं। माई ने अपनी सेवा के लिए बुलाया है। माई ने ही कहा है कि दतिया की जनता को अपना भगवान मानकर अपना जीवन उनकी सेवा में समर्पित कर दो। मैं अपने जीवन को दतिया की जनता के लिए समर्पित करने सबके बीच आ गया हूं।

■ **प्रश्नः पार्टी देवतुल्य, जनता और कार्यकर्ता भगवान तो ऐसे में नरोत्तम मिश्रा क्या हैं?**

उत्तरः नरोत्तम मिश्रा जी हमारे अभिभावक हैं। मेरा यह कहना कोई राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। मैं अप्रत्यक्ष रूप से 1995 से पहले नरोत्तम मिश्रा के परिवार से जुड़ा रहा हूं। पर जब 2003 में नरोत्तम जी ने डबरा चुनाव लड़ा तो उस समय विचार परिवार की ओर से साधारण मतदाता जागरण अभियान की दृष्टि से चाहे वो डबरा हो, चाहे वो गिर्द विधानसभा हो और भांडेर हो इन तीनों विधानसभाओं का मैं प्रभारी रहा था उसी समय से मेरा नरोत्तम जी के साथ अटूट रिश्ता जुड़ा। मैं पूरे आत्मविश्वास के साथ कह सकता हूं 2003 से आज 2026 तक मेरे उनके साथ वही आत्मीयता के रिश्ते, परिवार के भाव के साथ, अभिभावक के नाते वो हमारे लिए और मैं उनका छोटा भाई इस नाते ही उनके साथ आगे बढ़ता चला आया हूं। तो वो हमारे अभिभावक हैं इसके कोई संदेह नहीं करें।

■ **प्रश्नः 2023 में नरोत्तम मिश्रा ने पार्टी को निपटा दिया, 2026 में पार्टी ने उनको निपटा दिया, क्या कहना चाहेंगे आप?**

उत्तरः नहीं ऐसा नहीं है। मैं आपसे हाथ जोड़कर निवेदन कर रहा हूं कि नरोत्तम मिश्रा जी के जीवन में निपटा देना जैसा शब्द आ ही नहीं सकता। वो अलग बात है कि कांग्रेस और अन्य राजनैतिक दल षड्यंत्र करते हैं और बरगलाने का काम करते हैं। हम सभी जानते हैं कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है और अनजाने में ढाई साल पहले जो निर्णय हो गया था (कांग्रेस प्रत्याशी की जीतना) उससे विकास का पहिया थम गया था। इसलिए हर गांव, मजरा, टोला में हालात देखकर मैं पूरी ताकत के साथ यह कह सकता हूं, पूरी विनम्रता के साथ, हाथ जोड़कर, सिर झुकाकर यह कह सकता हूं कि मतदाताओं का आशीर्वाद भाजपा के साथ है। भाजपा का नेतृत्व सदैव कार्यकर्ता की भूमिका को परिवर्तित करता रहता है। मप्र में भी हमारे कई ऐसे वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं जो पार्टी नेतृत्व के द्वारा समय-समय पर दी गई जिम्मेदारी का ठीक प्रकार से निर्वहन करते हुए आगे बढ़ते हैं। मुझे लगता है ये उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। ये केवल और केवल दायित्व परिवर्तन की भूमिका है। मुझे लगता है ईश्वर ने, माई ने और पार्टी नेतृत्व ने उनके लिए कुछ और बेहतर उनकी गरिमा के अनुकूल कुछ और बेहतर सोचा होगा। इस विषय को मैं इसी दृष्टि से देखता हूं।

■ **प्रश्नः अचानक से नरोत्तम मिश्रा का टिकट कट गया, पार्टी नेतृत्व ने किसको बरगला दिया?**

उत्तरः भाजपा में मंडल, जिला, प्रदेश और केंद्र किसी भी स्तर पर जिम्मेदारी निभाने वाला कोई भी पदाधिकारी मूल में कार्यकर्ता ही होता है। और कार्यकर्ता के बारे में, उसकी भूमिका के बारे में, दायित्व परिवर्तन के बारे में पार्टी नेतृत्व सदैव से ही विचार करता आया है। उसकी भूमिका के परिवर्तन की दिशा में कार्यकर्ता को आगे बढ़ाता जाता है। नेतृत्व ने कार्यकर्ता की भूमिका के परिवर्तन के संबंध में ही इस तरह का निर्णय लिया है।

■ **प्रश्नः दतिया चुनाव की इस समय क्या स्थिति है, बहुकोषीय, त्रिकोणीय या एक कोणीय?**

उत्तरः ये लोकतंत्र की खूबसूरती है कि जो भी चुनाव लड़ना चाहता है, लड़ सकता है। अन्य दलों के लिए कोई उनकी वैचारिक प्रतिबद्धता है क्या, उनकी कोई रीति-नीति है क्या? उनके अपने कोई जीवन मूल्य हैं क्या? उनकी राजनैतिक दल की परंपराएं हैं क्या? लेकिन हमको चुनाव लड़ना है, चुनाव आ गया है तो लड़ना है। इस दृष्टि से मैं देखता हूं कि भाजपा वैचारिक मूल्यों पर आधारित राजनैतिक पार्टी है। भाजपा का कार्यकर्ता वैचारिक प्रतिबद्धता और देश की एकता व अखंडता के लिए काम करता है। जनता जनार्दन को भगवान मानकर उसकी सेवा करने का काम करता है। और इसलिए मप्र में हमारे यशस्वी सीएम डॉ. मोहन यादव की सरकार है। देश में हमारे यशस्वी और मोदी जी की सरकार है। मोदी जी वैश्विक लीडर हैं, दुनिया में उनकी अपनी स्वीकार्यता है। देश में हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नितिन नबीन जी का सहज सरल नेतृत्व है और प्रदेश में हेमंत खंडलेवाल जी का मार्गदर्शन है। देश में अमित शाह जी जिन्हें आज पूरी दुनिया में लौह पुरुष मानकर उनको स्वीकार करना शुरू कर दिया है जो देश की अखंडता और एकता के लिए पूरी दुनिया से आह्वान करते हैं और सभी उनके नेतृत्व को स्वीकार करते हैं। हमारे कार्यकर्ताओं के लिए यह सब आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आधार है। मतदाता और पार्टी का पदाधिकारी पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगा।

■ **प्रश्नः दतिया में मुकाबला कैसा है?**

उत्तरः मतदाता भाजपा को अभूतपूर्व समर्थन और आशीर्वाद दे रहा है। पदाधिकारी और कार्यकर्ता जनता के बीच जा रहे हैं किसी भी प्रकार का कोई मुकाबला नहीं है।

■ **प्रश्नः ढाई साल पहले भी नरोत्तम क्यों हार गए थे?**

उत्तरः 2008 में वर्तमान कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह हारे और तीसरे स्थान पर रहे थे तो जनता के बीच उन्होंने रहना स्वीकार नहीं किया। क्या आवश्यकता थी कि सेवढ़ा भाग गए और सेवढ़ा में भी कई बार हारे हैं और अभी जनादेश कितने वर्षों तक घर बैठने के लिए मिला है। लेकिन चुनाव आएगा और लड़ना है और अपने ही दल के समर्पित कार्यकर्ताओं का हक मारना है और उन कार्यकर्ताओं के केवल पिछलग्गू बनाकर चलना है। उसके पीछे तरह-तरह की कहानियां गढ़ना है। ऐसा कहने वाले चुनावी मैदान में आने वाले लोगों से मेरा कोई मुकाबला नहीं है। मतदाताओं की ताकता भाजपा के साथ है, सीएम यादव की सरकार के साथ है, पीएम मोदीजी के साथ है। मतदाता जागरूक हो गया है मतदाता विकास के एजेंडे पर साथ चलना चाहता है।

हरिभूमि

सहेली

हर किसी की जिंदगी में कोई ना कोई ऐसी घटना घटित होती है या वह किसी ऐसे बुरे अनुभव से गुजरता है, उसका जीवन पर गहरा असर पड़ता है, बहुत ही दुखदायी, पीड़ाजनक। लेकिन इसका असर पूरी जिंदगी भर रहे, इंसान अकेला होकर जीवन जीने लगे, उदासी-निराशा से घिरा रहे, यह स्थिति स्वयं के लिए चिंताजनक है। किसी भी दर्द-तकलीफ को जीवन का अंतिम सत्य नहीं मान लेना चाहिए।

किसी बुरे अनुभव का असर क्यों रहे जिंदगी भर

कवर स्टोरी
स्नेहा सिंह

जीवन में कभी-कभी कोई दर्दनाक घटना या बुरा अनुभव हमारे भीतर गहरे तक बैठ जाता है। यह बुरा अनुभव धोखा, असफल विवाह, विश्वासघात या किसी अपने का साथ छूट जाना हो सकता है। ये बातें केवल उस पल तक सीमित नहीं रहतीं, अकसर हमारे वर्तमान और भविष्य पर भी असर डालती हैं। हम भारी तनाव से घिर जाते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रहे लोगों में बड़ी संख्या ऐसे लोगों की होती है, जो अपने अतीत के कड़वे अनुभवों से बाहर नहीं निकल पाते।

नई आशाएं बनाए रखें

सवाल यह है कि क्या एक बुरा अनुभव ताउम्र के लिए एक फैसला हो जाती है? बिल्कुल नहीं। सावधानी जरूरी है, लेकिन डर के कारण जीवन के सारे दरवाजे बंद कर देना समझदारी नहीं है। यदि कभी कोई रिश्ता टूट गया, विश्वास बिखर गया या जीवन में कोई कठिन मोड़ आया, तो इसका अर्थ यह नहीं कि आगे भी हर रास्ता ऐसा ही होगा। हर नया दिन नई आशाएं और संभावनाएं लेकर आता है। गहना का ही उदाहरण लें, उसकी अपने परिवार की पसंद से हार्दिक से अरेंज मैरिज हुई। हार्दिक पढ़ा-लिखा, सुलझा हुआ और उसे व्यवहार कुशल भी लगा। गहना ने बिना ज्यादा कुछ सोचे, रिश्ते के लिए हां कह दी। सगाई के कुछ ही महीनों बाद विवाह हो गया। लेकिन शादी के बाद हार्दिक का व्यवहार पूरी तरह बदल गया। वह गहना की भावनाओं की कोई परवाह नहीं करता था। देर रात घर लौटता, गहना से बातचीत नहीं करता, उसके हाथ का बना खाना नहीं खाता और हर समय दूरी बनाए रखता। पूरे एक साल तक गहना ने यह सब सहा, लेकिन एक दिन उसकी सहनशक्ति जवाब दे गई। उसने अपनी मां को फोन करके सारी बातें बताईं और बोली, 'अगर आप मुझे यहां से नहीं ले जाएंगी तो मैं किसी दिन अपनी जान दे दूंगी।' माता-पिता ससुराल आकर उसे अपने साथ ले गए। अंततः गहना और हार्दिक का तलाक हो गया, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। मायके में भी उसे भाभी के तानों का सामना करना पड़ता। लगातार मानसिक पीड़ा से तंग आकर वह नौकरी खोजने के बहाने दूसरे शहर में शिफ्ट हो गई। वहां उसे बाहरी शांति तो मिली, लेकिन अकेलापन उसके साथ बना रहा। दोस्त उसे दोबारा जीवन शुरू करने और नया साथी चुनने की सलाह देते थे, लेकिन गहना अब किसी रिश्ते पर विश्वास करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही थी। वह अपने जीवन से हताश-निराश हो चुकी थी। लेकिन कुछ समय बाद उसने अपने आप को संभाला, वह अकेलेपन से बाहर आई। लोगों से नए रिश्ते बनाए, पुराने रिश्तों से भी जुड़ी। उसने एक अच्छी जॉब ही नहीं खोजी, एक अच्छा जीवन साथी भी खोजा। आज वह अपने पति के साथ सुखी वैवाहिक जीवन बीता रही है। उसका एक तीन साल का बेटा भी है।

अकेलेपन से ऐसे बचें

किसी बुरे अनुभव से गुजरा व्यक्ति प्रायः हताश-निराश होकर लोगों से खुद को दूर करके अपने आपको अकेला कर लेता है, यह सही नहीं है। आप अपनों के बीच बनी रहें। अपनों का साथ हमें सुरक्षा, अपनापन और भावनात्मक संबल देता है। याद करें, जब आप युवावस्था में थीं, तब सखी-सहेलियों से सभी तरह की बातें साझा करते हुए कभी अपने आपको कमजोर महसूस नहीं करती थीं। सहेलियों की सलाह पर हर दर्द का सामना करती थीं, अकेलापन महसूस नहीं करती थीं। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता जाता है, आप और आपकी सहेलियां अपने-अपने परिवार और जिम्मेदारियों में व्यस्त हो जाती हैं। आपकी बातें साझा करने वाला कोई नहीं रह जाता है, लेकिन आपके पास नए रिश्ते तो होते ही हैं, इनमें जो आपके करीब हैं, विश्वसनीय हैं, उनसे अपनी तकलीफें शेयर करें, इससे आप एक हल्कापन महसूस करेंगी।

करिए नई शुरुआत

किसी बुरे अनुभव या हादसे से गुजरकर अपने आपको अकेलेपन में मत धकेलिए। कुछ समय तो अकेलेपन की इच्छा एक शांति, राहत दे सकती है, लेकिन यह इच्छा हमेशा नहीं बनी रहती। कुछ समय बाद मन किसी अपने की आवाज, किसी अपने का स्पर्श, किसी के साथ और अपनापन तलाशने लगता है। इंसान रिश्तों के बीच रहकर ही जीवंत रहता है, खुश रहता है। इसलिए आपको कोई दर्द मिला है तो उसे जीवन का अंतिम सत्य मत मानिए। अपने मन को समय दीजिए, स्वयं को संभालिए और जब लगे कि दिल फिर से भरपूर जिंदगी जीने को तैयार है, तब जीवन को एक और अवसर दीजिए। याद रखिए, किसी बुरे अनुभव का असर जिंदगी भर नहीं रहता। जीवन हर मोड़ पर नई उम्मीद लेकर आपका इंतजार करता है। बस जरूरत होती है, अपने भीतर के विश्वास को जगाने की, नई ऊर्जा के साथ अपनी जिंदगी जीने की।

अकेलापन घेरता है कई बीमारियों से

हमें कभी भी लंबे समय तक अकेलेपन से नहीं घिरे रहना चाहिए। जीवन में कुछ समय तो एकांत अच्छा लगता है, लेकिन लंबे समय तक अकेले रहना व्यक्ति के स्वभाव और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए सही नहीं है। इस तरह की स्थितियों में धीरे-धीरे इंसान लोगों से दूर होने लगता है। उसके भीतर चिड़चिड़ापन, उदासी और निराशा घर करने लगती है। बाहर से तो सब सामान्य दिखाई देता है, लेकिन भीतर का खालीपन लगातार उसे कमजोर करता रहता है। मनोविज्ञान भी मानता है कि लंबे समय तक अकेलापन कई मानसिक समस्याओं को जन्म देता है। इसलिए यदि आपको कोई भावनात्मक चोट मिली है तो उससे सबक लीजिए और अपने सुखी जीवन के सारे दरवाजे हमेशा के लिए बंद मत कीजिए। हर व्यक्ति एक जैसा नहीं होता। हर रिश्ता भी पिछले रिश्ते जैसा नहीं होता। थोड़ा समय लीजिए, अपने आपको संभालिए और फिर से लोगों पर, अपने आप पर विश्वास कीजिए। अच्छे साथी बनाइए। कभी-कभी एक सच्चा साथी जीवन के पुराने घावों पर मरहम की तरह काम करता है।

फिटनेस का नया साथी वियरेबल टेक्नोलॉजी

आज महिलाएं अपनी हेल्थ और फिटनेस को साइंटिफिक तरीके से समझना चाहती हैं। आइए, जानते हैं कि वियरेबल टेक्नोलॉजी किस प्रकार हेल्थ मैनेजमेंट को साइंटिफिक, ईजी और इफेक्टिव बनाती है?

फिटनेस गैजेट
मधु सिंह

अभी कुछ वर्षों पहले तक फिटनेस का मतलब केवल वजन कम करने या जिम जाने तक सीमित था, लेकिन आज महिलाएं अपनी संपूर्ण सेहत पर नजर रखती हैं, वियरेबल टेक्नोलॉजी के माध्यम से। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, पुणे, बैंग्लुरु जैसे महानगरों में आज वर्किंग वूमेन और युवतियों के बीच वियरेबल टेक्नोलॉजी तेजी से पॉपुलर हुई है। स्मार्ट वॉच, फिटनेस बैंड, स्मार्ट रिंग, ये कुछ ऐसे उपकरण हैं, जो अब केवल फैशन एक्सेसरीज नहीं हैं, पर्सनल हेल्थ एडवाइजर का रूप ले चुके हैं।

साइंटिफिक और बॉडी के अनुकूलः वियरेबल टेक्नोलॉजी फिटनेस का ऐसा तरीका है, जो ज्यादा साइंटिफिक और शरीर के ज्यादा अनुकूल है। विशेषज्ञ मानते हैं कि पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण नीति के बिना कोई फिटनेस कार्यक्रम सफल नहीं हो सकता। वियरेबल डिवाइस ये बताते हैं कि व्यक्ति कितनी देर नींद में रहा, कितनी बार नींद टूटी और कुल मिलाकर कितना आराम मिला? यदि लगातार नींद खराब हो रही है, तो समय रहते जीवनशैली में बदलाव किए जा सकते हैं।

मूवमेंट और एक्टिविटीज की मॉनिटरिंगः वियरेबल टेक्नोलॉजी शरीर के विभिन्न पहलुओं की लगातार निगरानी करती है और यूजर्स को उसकी लगातार जानकारी देती है। एक छोटी सी स्मार्ट वाच के जरिए हम यह जान जाते हैं कि सुबह घर से निकलने के बाद शाम को घर तक पहुंचने के पहले हम कितने कदम चल चुके होते हैं। दिनभर में हम कितनी कैलोरी खर्च कर चुके हैं। कितनी देर बैठे रहे या कितनी देर एक्टिव रहे, इस सबका हिसाब इस वियरेबल टेक्नोलॉजी के पास रहता है।

पीरियड्स का रिकॉर्ड और सलाहः वियरेबल टेक्नोलॉजी की बदौलत आज महिलाएं अपने पीरियड्स का रिकॉर्ड ही शुद्धता से नहीं रखतीं बल्कि वो इस चक्र के शुरू होने और उसके बीच और अंत तक के संकेतों की अच्छी तरह से रिव्यू करके इस कठिन समय को अपने अनुकूल ढालती हैं, क्योंकि वियरेबल टेक्नोलॉजी उन्हें बता देती है कि पीरियड्स कब शुरू हो रहे हैं, किस-किस तरह की परेशानी होगी, क्या करें कि परेशानी कम हो।

मेंटल हेल्थ के प्रति करती है अवेयरः महिलाओं पर काम, परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच मानसिक दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में नई पीढ़ी की स्मार्ट वॉच उनकी हृदय गति और अन्य संकेतों के आधार पर तनाव के स्तर का अनुमान लगाती है। कई डिवाइस तनाव बढ़ने पर गहरी सांस लेने या कुछ मिनटों तक आराम करने की सलाह देती है।

हर तरह के वर्कआउट का एनालिसिसः आज के स्मार्ट वॉच केवल चले गए कदम या आपकी दौड़ को ही नहीं मापती बल्कि योग, पिलेट्स, साइकिलिंग, तैराकी, नृत्य और हाई-इंटेंसिटी, इंटरवल ट्रेनिंग जैसे अनेक व्यायामों का अलग-अलग रिकॉर्ड रखती है, जिससे महिलाओं को यह समझने में आसानी होती है कि उनकी किस गतिविधि से वो अपनी कितनी कैलोरी बर्न कर रही हैं। इससे फिटनेस प्लान बनाने में आसानी होती है।

करती है मोटिवेट भीः अकसर लोग कुछ दिनों तक व्यायाम करने के बाद अपना उत्साह खो देते हैं। लेकिन वियरेबल डिवाइस लगातार आपको लक्ष्य पूरा होने पर बधाई देती है, बार-बार लक्ष्य पूरा करने को याद दिलाती है, लगातार रिपोर्ट देती है। यानी वह बिना रुके आपको अपनी फिटनेस मेंटेन रखने के लिए इंस्पायर करती रहती है।

साज-सज्जा
निकिता गुप्ता

बारिश के मौसम में उमस भरी गर्मी, अधिक नमी और सीलन के कारण अकसर घर में से बदबू आती रहती है। इसे दूर करने के लिए आप कुछ कारगर उपाय आजमा सकती हैं।

बारिश के मौसम में भीना-भीना महकेगा घर

बारिश के मौसम में नमी बढ़ने की वजह से घर में से अकसर सीलन की बदबू आती रहती है। लगातार बारिश के कारण घर के कोनों, अलमारियों, पर्दों और फर्नीचर में नमी जमा हो सकती है, जिससे घर के भीतर असहज महसूस होने लगता है। ऐसे में घर को साफ, ताजा और खुशबूदार बनाए रखना जरूरी हो जाता है। कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से मानसून में भी घर को फ्रेश और महकता हुआ रखा जा सकता है।

रखें पर्याप्त वेंटिलेशनः मानसून में घर के अंदर ताजी हवा का आना बहुत जरूरी है। जब भी मौसम साफ हो, खिड़कियां और दरवाजे कुछ समय के लिए खोल दें ताकि घर में हवा का प्रवाह बना रहे। इससे नमी कम होती है और बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया और फंफूदी पनपने की संभावना घट जाती है।

नियमित करें सफाईः फर्श, फर्नीचर और घर के कोनों की नियमित सफाई करें। गीले कपड़े से सफाई करने के बाद जगह को अच्छी तरह सूखने दें।

पर्दों-कुशन कवर की सफाईः बारिश के मौसम में कपड़े नमी को जल्दी सोख लेते हैं, जिससे उनमें सीलन की गंध आने लगती है। इसलिए पर्दों, कुशन कवर और बेडशीट्स को समय-समय पर धोती रहें।

नेचुरल फ्रेशनरः अलमारी और स्टोरेज एरिया में अकसर सीलन की गंध जमा हो जाती है। इसके लिए छोटे कपड़े की पोटली में लौंग, दालचीनी या सूखे फूल रखे जा सकते हैं।

इनडोर प्लांट्सः कुछ इनडोर प्लांट्स, घर की हवा को ताजा और खुशबूदार रखने में मदद कर सकते हैं। मनी प्लांट, स्नेक प्लांट और पीस लिली जैसे पौधे घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ वातावरण को भी बेहतर बनाते हैं।

सुगंधित मोमबत्तियांः सुगंधित मोमबत्तियां भी घर को खुशबूदार बनाने का आसान और सबसे प्रभावी तरीका हैं। शाम के समय कुछ देर के लिए हल्की खुशबू वाली मोमबत्तियां जलाई जा सकती हैं। इससे घर में खुशबूदार माहौल बनता है।

एसेंशियल ऑयल्सः लैवेंडर, लेमनग्रास, पुदीना या ऑरेंज जैसे एसेंशियल ऑयल्स मानसून में घर को खुशबूदार बनाने का अच्छा विकल्प हो सकते हैं। इन्हें डिफ्यूजर में डालकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इनकी हल्की और प्राकृतिक खुशबू घर के माहौल को महक से भर देती है।

नमी को नियंत्रित रखेंः मानसून में केवल खुशबू फैलाना ही काफी नहीं है, बल्कि नमी को नियंत्रित रखना भी जरूरी है। यदि संभव हो तो डीह्यूमिडिफायर या नमी सोखने वाले उत्पादों का उपयोग किया जा सकता है। इससे घर लंबे समय तक फ्रेश बना रहता है।

नीबू-बेकिंग सोडाः घर की बदबू दूर करने के लिए नीबू और बेकिंग सोडा काफी प्रभावी माने जाते हैं। एक कटोरी में बेकिंग सोडा कमरे के किसी कोने में रखें। यह हवा में मौजूद गंध को सोखने में मदद करता है। एक बाउल में नीबू को काटकर रख सकती हैं। नीबू की ताजगी भरी खुशबू घर के वातावरण को फ्रेश महसूस कराती है।

अंत में कहा जा सकता है कि मानसून में थोड़ी-सी अतिरिक्त देखभाल से घर को साफ, खुशबूदार और ताजगी भरा रखा जा सकता है। नियमित सफाई, प्राकृतिक खुशबू और उचित वेंटिलेशन जैसे छोटे-छोटे उपाय घर के माहौल को पूरी तरह बदल सकते हैं। इससे न केवल घर सुंदर लगता है, बल्कि परिवार के सभी सदस्य भी अधिक आरामदायक और सकारात्मक महसूस करते हैं।

(होम केयर एक्सपर्ट मिशाल गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

सजेशन
श्रुति आयंगर

मानसून में फ्रेश फीलिंग के लिए परफेक्ट हैं ये परफ्यूम फ्रेगरेंस

बारिश के मौसम में बढ़ी हुई ह्यूमिडिटी, उमस और पसीने की वजह से परफ्यूम की खुशबू जल्दी फीकी पड़ सकती है। ऐसे में सही फ्रेगरेंस चुनना जरूरी हो जाता है। अगर आप चाहती हैं कि इस सीजन में भी दिनभर आप फ्रेश, कॉन्फिडेंट और महकती रहें, तो हल्की, रिफ्रेशिंग और लंबे समय तक टिकने वाली खुशबू को अपनी परफ्यूम कलेक्शन में शामिल करें। सही फ्रेगरेंस न सिर्फ पूरे दिन ताजगी का एहसास बनाए रखती है, बल्कि आपके स्टाइल और पर्सनालिटी को भी एक खास पहचान देती है। आइए जानते हैं ऐसी फ्रेगरेंस के बारे में, जो मानसून के दौरान भी आपके लुक को और इंप्रेसिव बना सकती है।

व्हाइट मस्क फ्रेगरेंसः अगर आपको हल्की लेकिन लंबे समय तक टिकने वाली खुशबू पसंद है, तो व्हाइट मस्क फ्रेगरेंस आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती है। इसकी सॉफ्ट, क्लीन और एलिगेंट महक मानसून की उमस में भी पूरे दिन फ्रेशनेस बनाए रखती है। यही वजह है कि यह ऑफिस, कॉलेज जाने वाली ही नहीं डेली यूज के लिए भी महिलाओं की पसंदीदा फ्रेगरेंस में शामिल है।

एक्वा फ्रेगरेंसः मानसून के दौरान यूज किए जाने वाले परफ्यूम्स में एक्वा फ्रेगरेंस भी सबसे पसंदीदा चॉइस में से एक मानी जाती है। इसकी खुशबू समुद्री हवा और बारिश की फुहारों जैसी ताजगी का एहसास कराती है। अगर आपका दिन भाग-दौड़ भरा रहता है, तो यह फ्रेगरेंस आपको लंबे समय तक फ्रेश और एनर्जेटिक महसूस कराने में मदद करेगी।

सिट्रस फ्रेगरेंसः नीबू, संतरा, बर्गामोट और ग्रेपफ्रूट जैसे सिट्रस नोट्स वाली फ्रेगरेंस, मानसून के लिए बेहतरीन मानी जाती है। इनकी हल्की और रिफ्रेशिंग खुशबू दिनभर आपको तरोताजा महसूस कराती है और आपकी एनर्जी बनाए रखने में मदद करती है। यह डेली वियर के लिए भी एक अच्छा विकल्प है।

ग्रीन टी फ्रेगरेंसः अगर आपको बहुत तेज खुशबू पसंद नहीं है, तो ग्रीन टी फ्रेगरेंस जरूर ट्राई करें। इसकी नेचुरल, हल्की और सुकून देने वाली महक मानसून के मौसम के लिए एकदम उपयुक्त मानी जाती है। यह पूरे दिन फ्रेश फील कराने के साथ-साथ मन को भी तरोताजा रखती है।

जैस्मिन फ्रेगरेंसः फ्लोरल खुशबू पसंद करने वाली महिलाओं के लिए जैस्मिन फ्रेगरेंस एक एवरग्रीन चॉइस है। इसकी भीनी-भीनी महक हर मौके पर आपकी पर्सनालिटी में एलिगेंट टच जोड़ती है। चाहे ऑफिस हो, आउटिंग हो या कोई खास अवसर, यह फ्रेगरेंस आपको अलग पहचान देती है।

सीजनल हेल्थ
नम्रता उपाध्याय
क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट

बारिश के मौसम में कुछ लोग अकसर डल फील करते हैं। इसके साथ ही थकान, मूड स्विंग्स, अकेलापन भी महसूस होता है। ये लक्षण मानसून ब्लूज के हो सकते हैं। इसके क्या कारण हैं और इससे बचने के क्या उपाय हैं, जानिए।

अकसर फील करती हैं डलनेस-थकान कहीं आप मानसून ब्लूज का शिकार तो नहीं!

बारिश के मौसम में रिमझिम फुहारें जहां तन को ठंडक पहुंचाती हैं, वहीं कई बार मन की उदासी का कारण भी बनने लगती हैं। मानसून के दौरान कई लोगों को उदासी और बेवजह डलनेस, थकान का अनुभव होता रहता है। बायोमेड सेंट्रल की रिपोर्ट के अनुसार क्लाइमेट चेंजेज का हमारे मूड पर गहरा प्रभाव देखने का मिलता है। इससे अधिकतर लोगों को स्ट्रेस और एंग्जाइटी का सामना करना पड़ता है और वे दिनभर परेशान और उदास रहते हैं।

मानसून ब्लूज का असर

इस मौसम के चलते कई लोगों को मानसिक तौर पर कई प्रकार के बदलावों का सामना करना पड़ता है, जिसका असर उनकी वर्क प्रोडक्टिविटी और ओवरऑल हेल्थ पर भी नजर आने लगता है। बारिश के दिनों में सन एक्सपोजर की कमी के चलते शरीर में विटामिन डी की मात्रा घट जाती है और शरीर में मूड बूस्टर न्यूरोट्रांसमीटर प्रभावित होने लगता है, जिसका असर इटिंग हैबिट्स, नींद और डाइजेशन के साथ ही हमारे कंसंट्रेशन पर भी नजर आने लगता है, जिससे गुस्सा और चिड़चिड़ापन भी बढ़ जाता है। इस समस्या को मानसून ब्लूज कहा जाता है।

मूड खराब होने के कारण

बारिश के मौसम में मानसून ब्लूज का शिकार होने की कई वजहें हैं।

सूरज की कम रोशनीः इन दिनों सूरज की रोशनी हमें कम मिल पाती है, जिसके कारण बॉडी में विटामिन डी की कमी हो जाती है। इससे थकावट, कमजोरी और चिड़चिड़ापन महसूस होने लगता है।

बचाव के उपायः मानसून के दौरान हमें कम धूप मिलने से शरीर में 'सेरोटोनिन' (खुशी देने वाला हार्मोन) का स्तर भी कम हो जाता है। इसके उलट 'मेलाटोनिन' (नींद लाने वाला हार्मोन) का स्तर बढ़ सकता है, जिससे मूड स्विंग्स और सुस्ती होती है। इससे बचने के लिए अंधेरे में बैठने से बचें। दिन के समय घर के खिड़की-दरवाजे खुले रखें, ताकि घर में पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी आए। रोशनी के लिए इनडोर लाइट्स की मदद लें और खाली वक्त में किताबें पढ़ें या कोई भी पसंदीदा एक्टिविटीज को करें।

फिजिकली एक्टिव न होनाः बारिश के दिनों में आउटडोर वर्कआउट की कमी से स्ट्रेस का सामना करना पड़ता है, जिसके चलते शरीर में कार्टिसोल का स्तर बढ़ने लगता है, जिससे नींद नहीं आती है।

बचाव के उपायः मेंटल हेल्थ को बूस्ट करने के लिए रोजाना भरपूर नींद लें। ऐसा करने से मन को शांति और सुकून की प्राप्ति होती है। इससे शरीर एक्टिव रहता है और आलस से मुक्ति मिलती है। साथ ही बारिश के मौसम में अगर बाहर या जिम जाना संभव नहीं, तो घर पर ही हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करें। सुबह स्ट्रेचिंग और ब्रीदिंग एक्सरसाइज से मेंटल हेल्थ को मजबूत बनाएं।

डाइट में करें बदलावः बारिश के दिनों में अकसर लोग फ्राइड फूड्स खाने लगते है, जिससे शरीर में पोषण की कमी बढ़ जाती है और एंप्टी कैलोरीज इनटेक बढ़ने लगता है। इस वजह से इनडाइजेशन और मूड स्विंग की समस्या का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बाहर से जंक फूड खाने के बजाय मूड बूस्ट करने वाली ताजी सब्जियों और फलों का सेवन करें, घर का ताजा खाना खाएं।

प्रस्तुतिः ललिता गोयल

मुख्यमंत्री ने जगदीशपुर में कैबिनेट की बैठक के बाद जारी की राशि

मुख्यमंत्री ने 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में जारी की 1460 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से 1460 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि अंतरित की। यह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ 2025 के फसल बीमा की दावा राशि है। मुख्यमंत्री ने जगदीशपुर में कैबिनेट की बैठक के तुरंत बाद किसानों को यह राशि जारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए विशेष रूप से संवेदनशील हैं। प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल हानि होने पर कृषकों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा के तहत खरीफ-2025 की दावा राशि सिंगल क्लिक से अंतरित

सीएम ने हितग्राहियों के खाते में राशि वितरित की।

सीएम बोले, राज्य सरकार हर परिस्थिति में कृषकों के साथ

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में कृषकों के साथ है। उन्होंने कहा कि इस बार अल-नीनो प्रभाव के कारण अच्छे मानसून का अनुमान नहीं है। ऐसी स्थिति में किसान अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा, निर्धारित तिथि से पहले करवा लें। इससे उपज में हानि होने की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहायता प्राप्त हो सकेगी। राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है।

किसानों को 2016 से 2025 तक 30 हजार 942 करोड़ रुपए का भुगतान

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत वर्ष 2016-17 से वर्ष 2024-25 तक 30 हजार 942 करोड़ 34 लाख रुपए का भुगतान प्रभावित किसानों को किया गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल रहे मौजूद

महाराज गोविंद राहुल देव सिंह ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

खंडेलवाल की मौजूदगी में नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल तथा पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा के समक्ष रविवार को दतिया के होटल प्राक्षी स्थित मीडिया सेंटर में महाराज गोविंद राहुल देव सिंह, शिवसेना जिला अध्यक्ष रवि दीक्षित एवं वरिष्ठ समाजसेवी विष्णु दीक्षित ने अपने चार दर्जन से अधिक समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने पार्टी में शामिल होने वाले सभी नए सदस्यों को पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर भाजपा परिवार में आत्मीय स्वागत किया तथा मुह मीठा कराकर शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस में बढ़ रही गुटबाजी: हेमंत

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस में लगातार बढ़ रही गुटबाजी, नेतृत्व की कार्यशैली और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा के कारण पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं का विश्वास कांग्रेस नेतृत्व से समाप्त होता जा रहा है। कांग्रेस के अधिकांश कार्यकर्ताओं का अपने प्रदेश अध्यक्ष तथा पार्टी नेतृत्व से मोहभंग हो चुका है। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राजनीतिक संगठन है।

सीएम ने 10 करोड़ की लागत से किले का किया लोकार्पण, 73 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन के लिए राशि स्वीकृत

कैबिनेट की बैठक ऐतिहासिक स्थल जगदीशपुर में संपन्न, यूसीसी समेत 9 विधेयकों को मिली मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में गौंड वंश के वैभवशाली दुर्ग जगदीशपुर के चमन महल में समानता और न्याय की भावना को समर्पित कैबिनेट की बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मप्र समान नागरिक संहिता 2026 को विधान सभा में प्रस्तुत करने के लिए अनुमोदन किया। कैबिनेट ने 8 अन्य विधेयकों को आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किए जाने के लिए भी अनुमोदन किया है।

कैबिनेट की बैठक में एक अन्य निर्णय में प्रदेश के 73 अस्पतालों के उन्नयन को भी मंजूरी दी गई है। इस कार्य के लिए 898 करोड़ 96 लाख रुपए भी स्वीकृत किए हैं। कैबिनेट ने समानता और न्याय की भावना को समर्पित मप्र समान नागरिक संहित के साथ ही आवश्यक संवैधानिक एवं प्रक्रियात्मक औपचारिकताएं पूर्ण कर मप्र विधानसभा में प्रस्तुत करने के लिए विधि और विधायी कार्य विभाग को अधिकृत किया गया।

> कैबिनेट ने 8 अन्य विधेयकों को आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्तुत किए जाने के लिए भी अनुमोदन किया

खास बातें

- एक अन्य निर्णय में प्रदेश के 73 अस्पतालों के उन्नयन को भी मंजूरी
- इस कार्य के लिए 898 करोड़ 96 लाख रुपए भी स्वीकृत किए

कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई।

73 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन के लिए 776 करोड़ 13 लाख रुपए की स्वीकृति

कैबिनेट ने प्रदेश के नागरिकों को गुणवतापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की सहज एवं सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश के 73 उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सिविल अस्पताल में उन्नयन के लिए 776 करोड़ 13 लाख रूपये की स्वीकृति दे दी है। पिछली कैबिनेट की बैठक में इसे लेकर काफी उहापोह की स्थिति बन गई थी।

खुद मुख्यमंत्री ने कहा था कि पहले डॉक्टरों की व्यवस्था करें, इसके बाद अस्पताल का उन्नयन करें। उन्होंने डॉक्टरों की कमी के बारे में भी स्वास्थ्य मंत्री से पूछा था। कैबिनेट ने 29 उप स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन 6-बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 19 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में, 18 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल में और 7 संस्थाओं को 100 बिस्तरीय अस्पताल में उन्नयन को मंजूरी दी। इन संस्थाओं में 1600 नियमित एवं 71 संविदा के नवीन पदों के सृजन तथा कुल 560 व्यक्तियों को आउटसोर्सिंग एजेन्सी के माध्यम से कार्य पर रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस पर प्रति वर्ष 122.83 करोड़ रुपए के व्यय की भी मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की है। स्वास्थ्य संस्थाओं की स्थापना और उन्नयन से क्षेत्र की जनता तथा आस-पास के क्षेत्रों की जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी

सीएम ने मंत्रिमंडल से कहा-

कैबिनेट बैठक समानता और न्याय की भावना को समर्पित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जगदीशपुर का गौरवशाली इतिहास रहा है। जगदीशपुर लंबे संघर्ष, समृद्ध संस्कृति और सभ्यता का साक्षी रहा है। जगदीशपुर, गोंड राजवंश के साथ ही सिंधिया और राजपूत शासन काल की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। यहां के गौरवशाली इतिहास के प्रति सम्मान के प्रकटीकरण के लिए कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समानता और न्याय की भावना को समर्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के पास स्थित जगदीशपुर में कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

जगदीशपुर दुर्ग पर केंद्रित फिल्म का हुआ प्रदर्शन

सीएम की अध्यक्षता में समानता और न्याय की भावना को समर्पित कैबिनेट की बैठक वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई। मुख्यमंत्री का अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने पौधा और पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

सेवा क्षेत्र से जुड़े महान व्यक्तित्वों को समर्पित बैठकें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कैबिनेट की विशेष बैठकें शौर्य-सुशासन-लोककल्याण और सेवा क्षेत्र में विशेष स्थान रखने वाले प्रदेश के महान व्यक्तित्वों से जुड़े स्थानों पर आयोजित की गई हैं। इस कड़ी में पहली डेस्टिनेशन बैठक जबलपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती के शौर्य को समर्पित रही। इसके बाद दमोह जिले के सिंग्रामपुर, लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में कैबिनेट की बैठक की गई।

अपना दल (एस) की प्रदेशस्तरीय बैठक

सदस्यता अभियान के जरिए संगठन विस्तार पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अपना दल (एस) मप्र ने रविवार को राजधानी में प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह बिसेन ने की। मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मप्र प्रभारी आर. बी. सिंह पटेल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी रणनीति एवं पिछड़े वर्गों के सा मा जि क - रा ज नी ति क सशक्तिकरण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव एवं मध्य प्रदेश प्रभारी आर. बी. सिंह पटेल ने संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने तथा समाज के प्रत्येक वर्ग तक पार्टी की नीतियों और विचारों को पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में पार्टी के अमृत लाल पटेल, देवेंद्र प्रताप सिंह, कैलाश गवांडे, मनभरण कोल, एस आर नागले, पूर्व जिला अध्यक्ष भोपाल सुरेंद्र नाहर, कुबेर पटेल, इंदौर जिला अध्यक्ष टीकम चंद शर्मा, सिवनी जिला अध्यक्ष चैतराम प्रजापति, सागर अध्यक्ष मनीष सरवैया, रीवा अध्यक्ष अशोक पटेल, मऊगंज अध्यक्ष अजय बिहारी पटेल, ग्वालियर अध्यक्ष राहुल सिंह सहित प्रदेशभर से पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह के आवास पर हुआ आयोजन

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना को बढ़ावा देने 'सूर्य सभा' का आयोजन

हितग्राहियों को प्रदान किए प्रमाण-पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'सूर्य सभा' का आयोजन किया गया। यह सभा विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह के आवास पर हुई। कार्यक्रम में सोलर ऊर्जा अपनाने वाले परिवारों और संस्थानों को सम्मानित किया गया। इन परिवारों और संस्थानों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों में रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित कर बिजली उत्पादन शुरू किया है। इस दौरान सभी हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए और हार पहनाकर उनका सम्मान किया गया। रमन सिंह ने कहा कि बिजली

की बढ़ती खपत के कारण लोगों के बिल लगातार बढ़ रहे हैं। जबकि सोलर ऊर्जा अपनाने वाले परिवारों के बिजली बिल बेहद कम या कई मामलों में शून्य तक पहुंच रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजने से उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ भी मिल रहा है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। उन्होंने इसे पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

10 लाख की विशेष प्रोत्साहन राशि

रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव को इस योजना के क्रियान्वयन में प्रदेश में प्रथम स्थान पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने एक विशेष घोषणा भी की। नगर के जिन वार्डों में 50 फीसदी से अधिक घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कराने का लक्ष्य पूरा होगा। उन वार्डों के संबंधित पार्षदों को विकास कार्यों के लिए 10 लाख रुपये की विशेष प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से मिलकर इस अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। ताकि अधिक से अधिक परिवार सौर ऊर्जा से जुड़कर बिजली खर्च में बचत कर सकें। इससे स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

हल्दीबाड़ी चौक की घटना

ट्रक का ब्रेक फेल, तीन घायलों में से एक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी

नगर निगम क्षेत्र के हल्दीबाड़ी चौक पर एक सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। यह हादसा एक ट्रक का ब्रेक फेल होने के कारण हुआ। ट्रक ने पहले एक पिकअप वाहन को टक्कर मारी, जिसके बाद पिकअप स्कूटी सवार से टकरा गया। घायलों को 108 एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजा गया है। स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और यातायात भी बाधित हुआ। मौके पर पुलिस टीम और महापौर पहुंचे हैं।

बापू लाल बादशाह का जीवन प्रेम, भाईचारे मानवता और सामाजिक एकता का प्रतीक

पंजाब और हरियाणा एक परिवार के दो भाई, संस्कृति और सामाजिक रिश्ते समान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब और हरियाणा प्रशासनिक रूप से अलग-अलग राज्य अवश्य हैं, लेकिन दोनों की सांस्कृतिक विरासत, गुरु परंपरा और सामाजिक रिश्ते समान हैं। दोनों प्रदेश एक ही परिवार के दो भाइयों की तरह हैं और सदैव प्रेम, भाईचारे तथा आपसी सद्भाव की भावना के साथ आगे बढ़ते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हरियाणा विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है, उसी प्रकार पंजाब भी प्रगति करते हुए देश के अग्रणी राज्यों में अपना स्थान और अधिक मजबूत करे, यही उनकी कामना है। मुख्यमंत्री सोमवार को पंजाब के जालंधर जिले के नकोदर स्थित दरबार बापू लाल बादशाह के 43वें तीन दिवसीय मेले में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बापू लाल बादशाह के चरणों में दोनों राज्यों की खुशहाली, समृद्धि और देश की उन्नति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि बापू लाल बादशाह का जीवन प्रेम, भाईचारे, मानवता और सामाजिक एकता का संदेश देता है तथा उनकी शिक्षाएं समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर मानव सेवा का मार्ग दिखाती हैं।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान पहुंचे मुख्यमंत्री

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोमवार को अपने पंजाब दौरे के दौरान जालंधर के नूरमहल स्थित दिव्य ज्योति जागृति संस्थान पहुंचकर संस्थान के संस्थापक एवं प्रमुख दिव्य गुरु आशुतोष महाराज को पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने संस्थान में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम में भाग लेते हुए देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत-महापुरुष समाज को सत्य, सेवा, आध्यात्मिकता और मानवता का मार्ग दिखाते हैं।

वंचित वर्ग के कल्याण के लिए हरियाणा सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार बापू लाल बादशाह की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर गरीब, जरूरतमंद और वंचित वर्ग के कल्याण के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित कर रही है। सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाकर अंत्योदय के संकल्प को साकार करना है। इस अवसर पर दरगाह के गद्दीशीन एवं पूर्व सांसद हंसराज हंस ने कहा कि बापू लाल बादशाह का दरबार प्रेम, आस्था, इंसानियत और सूफी परंपरा का प्रतीक है।

आरोपी हिरासत में, पुलिस कर रही मामले की जांच

नशे में धुत पति ने शराब पीने के विवाद के चलते पत्नी को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भैसामुड़ा में रविवार देर रात एक दुखद घटना हुई। नशे में धुत पति ने शराब पीने को लेकर हुए विवाद में अपनी पत्नी की बेरहमी से पिटाई कर दी। इस पिटाई से पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान 32 वर्षीय अगहन बाई धनवार के रूप में हुई है। वह मूल रूप से मड़वारानी गांव की निवासी थी। अगहन बाई पिछले कुछ दिनों से अपने पति परदेसी धनवार के साथ भैसामुड़ा में रह रही थी। दोनों रोजी-मजदूरी कर जीवन यापन करते थे। उनकी एक बेटी है जिसकी शादी हो चुकी है। पुलिस के अनुसार, रविवार देर रात पति-पत्नी ने साथ में शराब पी थी। पार्टी के बाद बची हुई शराब अगहन बाई ने पी ली। इसी बात पर पति परदेसी को गुस्सा आ गया। नशे में परदेसी ने रात भर अगहन बाई को डंडे से पीटा।

आरोपी ने सुबह पड़ोसियों को दी जानकारी

चीख-पुकार सुनकर एक बुजुर्ग बचाने पहुंचा, जिसे आरोपी ने उठाकर पटक दिया। डर के मारे बुजुर्ग वहां से भाग निकला। पिटाई के बाद अगहन बाई की मौत हो गई। आरोपी देर रात तक शव से लिपटा रहा। सोमवार सुबह उसने खुद गांव वालों को पत्नी की हत्या की जानकारी दी। ग्रामीणों की सूचना पर उरगा थाना प्रभारी नवीन पटेल की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आरोपी पति परदेसी धनवार को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने शराब और गुस्से में हत्या करना स्वीकार किया है। नवीन पटेल ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

2 घंटे चली विधायक दल की बैठक, उमंग बोले - सरकार थोपना चाहती है यूसीसी

विधानसभा सत्र से पहले कांग्रेस ने बनाई घेराबंदी की रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले रविवार शाम नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के आवास पर कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। करीब दो घंटे तक चली इस बैठक में कांग्रेस के अधिकांश विधायक शामिल हुए। बैठक में आगामी विधानसभा सत्र के दौरान सरकार को जनहित के मुद्दों पर घेरने और हर विधायक को समन्वित तरीके से सदन में अपनी भूमिका निभाने की रणनीति बनाई गई।

बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि विधानसभा का मानसून सत्र केवल चार दिन का है, जबकि प्रदेश में जनता से जुड़े कई गंभीर मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केन-बेतवा परियोजना, गरीब कल्याण योजनाओं की स्थिति, शिक्षा व्यवस्था, युवाओं के स्वास्थ्य, भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों, बेरोजगारी और अन्य जनहित के मामलों पर सरकार से जवाब मांगेगी। उनका कहना था कि सीमित अवधि के कारण सभी विषयों पर विस्तृत चर्चा संभव नहीं होगी, फिर भी कांग्रेस प्रमुख मुद्दों को मजबूती से सदन में उठाएगी। उमंग सिंघार ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जनता से जुड़े मूल मुद्दों पर चर्चा करने से बच रही है। उन्होंने कहा कि सरकार समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जैसे विषय को बिना व्यापक जनचर्चा के आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है। उनके अनुसार, इस विषय पर कई विधायकों और विभिन्न वर्गों की आपत्तियों तथा सुझावों पर पर्याप्त विचार नहीं किया गया है। बैठक के दौरान सभी कांग्रेस विधायकों से कहा गया कि वे सदन में पूरी तैयारी के साथ पहुंचें और पार्टी द्वारा तय रणनीति के अनुसार एकजुट होकर सरकार से जवाब मांगें। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि जनता से जुड़े हर महत्वपूर्ण मुद्दे को समन्वित तरीके से उठाया जाएगा, ताकि सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर किया जा सके। कांग्रेस का कहना है कि वह मानसून सत्र में प्रदेश के किसानों, युवाओं, महिलाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ सदन में उठाएगी।

सड़क के गड्ढों में बेशरम के पौधे लगाकर कांग्रेस का अनोखा विरोध प्रदर्शन

भोपाल। अवधपुरी क्षेत्रवासी लंबे समय से जर्जर सड़क और गड्ढों की समस्या से परेशान है। इसी को लेकर रविवार को वार्ड क्रमांक-61 में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़क के गड्ढों में बेशरम के पौधे लगाकर प्रशासन के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के माध्यम से क्षेत्र की सड़क का शीघ्र निर्माण कराने की मांग उठाई गई। आयोजक महेंद्र विश्वकर्मा (अधिवक्ता) ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से खराब सड़क से परेशान है। यदि जल्द मरम्मत नहीं हुई तो आंदोलन और व्यापक किया जाएगा। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, वार्ड कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र भारती, अभिषेक शर्मा, टीआर गहलोत, दीपक गुप्ता, सुशील प्रजापति ओंकार सिंह व रामपाल घोंसले सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

अनोखा प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

चिंतन

वार्ता से ही निकलेगा सुलह का रास्ता

परीक्षाओं में कथित धांधली के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्रों के 'चलो संसद' मार्च के दौरान पैदा हुए तनाव के बाद जिस प्रकार केंद्र सरकार ने बातचीत की पहल की और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा के साथ प्रतिनिधिमंडल की वार्ता हुई, उसके बाद अभिजीत दीपके द्वारा अनशन समाप्त करने का निर्णय एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है।नड्डा ने प्रदर्शनकारी प्रतिनिधियों से उनकी मांगों पर चर्चा की। बातचीत में सोनम वांगचुक की रिहाई, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग सहित परीक्षा प्रणाली में सुधार जैसे मुद्दे उठाए गए। यह पहल संकेत देती है कि लंबे गतिरोध का समाधान टकराव के बजाय संवाद और सहमति के माध्यम से तलाशने की कोशिश की जा रही है। हालांकि यह भी सच है कि हा मुद्दे का समाधान वार्ता से ही निकलता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां नागरिकों को अपनी बात रखने, सरकार से सवाल पूछने और अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से उठाने का संवैधानिक अधिकार है। यही अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को जीवंत बनाते हैं। दूसरी ओर, सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की होती है। इसलिए जब भी किसी आंदोलन और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बनती है, तब दोनों पक्षों से संयम और जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है। सरकार द्वारा प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए आमंत्रित करना और आंदोलनकारियों द्वारा बातचीत का रास्ता स्वीकार करना इस दिशा में एक सकारात्मक शुरुआत है। इससे यह संदेश जाता है कि लोकतंत्र में असहमति के बावजूद संवाद के द्वार कभी बंद नहीं होने चाहिए। यदि दोनों पक्ष पूर्वाग्रह छोड़कर समाधान की भावना से आगे बढ़ें तो कई ऐसे विवाद भी सुलझ सकते हैं जो सड़क पर लंबे गतिरोध का कारण बन जाते हैं। अब आवश्यकता केवल आश्वासन तक सीमित रहने की नहीं है। सरकार को परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए ठोस सुधार लागू करने होंगे। वहीं आंदोलन का नेतृत्व कर रहे युवाओं और आयोजकों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी आवाज रचनात्मक सुझावों के साथ आगे बढ़े और आंदोलन का स्वरूप शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक बना रहे। इससे उनकी मांगों को अधिक व्यापक समर्थन भी मिलेगा और समाधान की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। वहीं, कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। सभी मसलों को मिल बैठकर सुलझाना ही प्राथमिकता होना चाहिए। वहीं, विपक्ष का दायित्व केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों पर रचनात्मक सुझाव देना और समाधान की दिशा में सहयोग करना भी है। शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर रखकर देखा जाना चाहिए, क्योंकि इसका सीधा संबंध देश के युवाओं और भविष्य से है। अंततः यह घटनाक्रम एक महत्वपूर्ण सीख देता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सड़क पर उतरना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन स्थायी समाधान हमेशा संवाद की मेज पर ही निकलता है। टकराव क्षणिक सुर्खियां दे सकता है, पर विश्वास और सहमति केवल बातचीत से ही बनती है।

मुद्दा
कांतिलाल मांडोत

आंदोलन की आड़ में राजनीति अनुचित

परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर दिल्ली में आयोजित 'चलो संसद' मार्च ने शिक्षा सुधार के मुद्दे के साथ-साथ आंदोलनों की प्रकृति और उनकी राजनीतिक भूमिका पर भी नई बहस छेड़ दी है। जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़ते प्रदर्शन, पुलिस के साथ टकराव और विपक्षी दलों की सक्रिय मौजूदगी ने यह सवाल खड़ा किया कि क्या यह केवल छात्रों की आवाज थी या फिर राजनीतिक दलों के लिए सरकार को घेरने का अवसर भी। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सर्वोपरि है, लेकिन उसकी विश्वसनीयता तभी बनी रहती है जब वह जनहित, संयम, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं के दायरे में आगे बढ़े।

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद तक निकाले गए तथाकथित चलो संसद मार्च ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या देश में हर आंदोलन वास्तव में जनहित के लिए होता है या फिर कुछ आंदोलन केवल राजनीतिक उद्देश्य साधने के लिए खड़े किए जाते हैं। सोनम वांगचुक के अनशन और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन को जिस तरह से आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं ने खुलकर समर्थन दिया, उससे यह आंदोलन एक स्वतंत्र जनआंदोलन कम और विपक्षी दलों के राजनीतिक मंचन का प्रयास अधिक दिखाई दिया। जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने की कोशिश के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बनी। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया, कई लोग संसद मार्ग की ओर बढ़े और कुछ प्रदर्शनकारी मेट्रो स्टेशनों तक पहुंच गए, जहां नारेबाजी भी हुई। ऐसे समय में जब संसद का सत्र चल रहा हो और राजधानी में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो, तब बिना अनुमति संसद की ओर मार्च निकालना स्वाभाविक रूप से कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बन जाता है। शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार संविधान देता है, लेकिन उसके साथ कानून का पालन करना भी उतना ही आवश्यक है। लोकतंत्र अधिकार और जिम्मेदारी दोनों के संतुलन पर ही चलता है।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाना नागरिकों का अधिकार है। लेकिन जब विरोध प्रदर्शन संसद, राष्ट्रपति भवन या अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की ओर बढ़ने लगते हैं, तब प्रशासन के सामने सुरक्षा सुनिश्चित करने की चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती है। इसलिए यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि प्रदर्शनकारी और प्रशासन दोनों संयम बरतें। यदि कहीं अनावश्यक बल प्रयोग हुआ है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, वहीं यदि कानून तोड़ने का प्रयास हुआ है तो उसके लिए भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अधिक ध्यान खींचने वाली बात यह रही कि मंच पर और प्रदर्शन में कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। मनीष सिसोदिया, आतिशी, संजय सिंह और अन्य विपक्षी नेताओं की मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि आंदोलन अब शिक्षा सुधार की मांग से आगे बढ़कर राजनीतिक रंग ले चुका है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि यह वास्तव में छात्रों का आंदोलन था तो फिर विपक्षी दलों की इतनी सक्रिय भूमिका क्यों दिखाई दी। लोकतंत्र में राजनीतिक समर्थन असामान्य नहीं है, लेकिन जब किसी आंदोलन की पहचान उसके मूल मुद्दे से अधिक राजनीतिक दलों की उपस्थिति से होने लगे, तो उसके स्वरूप पर चर्चा होना भी स्वाभाविक है। पेपर लीक का मुद्दा निश्चित रूप से गंभीर है और किसी भी परीक्षा में अनियमितता होने पर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखना सरकार और संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी है। प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं लाखों मेहनती छात्रों के भविष्य से जुड़ी होती हैं और ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। इसलिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, परीक्षा प्रक्रिया में तकनीकी सुधार और

पारदर्शिता सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। लेकिन पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को विफल घोषित कर देना या हर परीक्षा को संदेह के घेरे में खड़ा कर देना भी उचित नहीं कहा जा सकता। लाखों विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम के बाद परीक्षाएं दीं और बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत का प्रमाण दिया।

ऐसे में यह कहना कि पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, उन लाखों ईमानदार विद्यार्थियों की मेहनत का भी अपमान माना जा सकता है। सुधार की आवश्यकता स्वीकार करना और पूरे तंत्र को असफल घोषित कर देना दोनों अलग-अलग बातें हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी लगातार शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रही हैं। विपक्ष का यह अधिकार भी है और लोकतंत्र में उसकी जिम्मेदारी भी। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि देश की शिक्षा व्यवस्था का बड़ा हिस्सा दशकों तक उन्हीं सरकारों के अधीन विकसित हुआ, जिनका नेतृत्व कांग्रेस ने किया। यदि आज विपक्ष शिक्षा सुधार की बात करता है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए उसने कौन-सी ऐसी व्यवस्थाएं विकसित की थीं जो भविष्य की चुनौतियों का समाधान कर सकें। लोकतांत्रिक बहस तब अधिक प्रभावी होती है जब उसमें आत्ममंथन भी शामिल हो। यह भी देखने योग्य है कि इस पूरे आंदोलन में अभिजीत दीपके को प्रमुख चेहरा बनाया गया, जबकि राजनीतिक समर्थन विपक्षी दलों की ओर से प्रमुखता से दिखाई दिया। इससे ऐसी धारणा बनी कि आंदोलन का सामाजिक पक्ष धीरे-धीरे राजनीतिक रणनीति के साथ जुड़ गया। किसी भी जनआंदोलन की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्वतंत्रता और विश्वसनीयता होती है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि आंदोलन किसी राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बन गया है, तो उसके मूल उद्देश्य पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठने लगते हैं। देश इस समय आधारभूत संरचना, डिजिटल प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष, परिवहन, विनिर्माण और वैश्विक कूटनीति जैसे अनेक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ने का दावा कर रहा है। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और आर्थिक संभावनाओं पर दुनिया की नजर है। ऐसे समय में सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ उसकी कमियों पर भी चर्चा होनी चाहिए। लेकिन आलोचना तथ्यों, प्रमाणों और रचनात्मक सुझावों पर आधारित होनी चाहिए। केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से न तो शिक्षा व्यवस्था सुधरेगी और न ही विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान होगा। यह भी आवश्यक है कि सरकार ऐसे आंदोलनों को केवल राजनीतिक चुनौती मानकर खारिज न करे।

यदि छात्रों और युवाओं के बीच किसी विषय को लेकर असंतोष है तो उसके कारणों को समझना और समाधान निकालना भी सरकार की जिम्मेदारी है। संवाद किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति होता है। जहां संवाद समाप्त होता है, वहीं टकराव शुरू होता है। इसलिए सरकार और प्रदर्शनकारियों—दोनों को संवाद का रास्ता खुला रखना चाहिए। आज जरूरत केवल विरोध या समर्थन की राजनीति करने की नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने की है। परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय हो, डिजिटल सुरक्षा मजबूत की जाए, पेपर लीक मामलों की समयबद्ध जांच हो और दोषियों को शीघ्र सजा मिले। इससे विद्यार्थियों का भरोसा मजबूत होगा और आंदोलन की आवश्यकता भी कम पड़ेगी। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। वह समय के साथ यह तय करती है कि कौन-सा आंदोलन वास्तविक जनहित से प्रेरित है और कौन-सा राजनीतिक लाभ की संभावना से। शिक्षा सुधार पर गंभीर चर्चा अवश्य होनी चाहिए, लेकिन उसके लिए रचनात्मक संवाद, संस्थागत सुधार और ठोस नीति आवश्यक है, न कि केवल सड़क पर शक्ति प्रदर्शन।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

निर्णायक कदम
महेन्द्र तिवारी

शून्य उत्सर्जन की दिशा में भारतीय रेलवे का सफर

भारतीय रेल नेटवर्क दुनिया के सबसे बड़े और व्यस्ततम रेल नेटवर्कों में से एक है। अपनी स्थापना के समय से लेकर आज तक भारतीय रेलवे ने समय के साथ अपनी तकनीक और कार्यप्रणाली में कई बड़े और परिवर्तनकारी बदलाव किए हैं। कोयले से चलने वाले भाप इंजनों से लेकर डीजल और फिर व्यापक विद्युतीकरण तक का सफर रेलवे की निरंतर तकनीकी प्रगति को दर्शाता है। इसी विकास यात्रा में अब एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। भारत ने अपनी पहली हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित ट्रेन का सफलतापूर्वक संचालन शुरू कर दिया है। नमो ग्रीन रेल के नाम से जानी जाने वाली यह अत्याधुनिक ट्रेन हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच पटरियों पर उतरी है। यह केवल एक नई ट्रेन का उद्घाटन मात्र नहीं है बल्कि यह ऊर्जा के स्वच्छ विकल्पों की ओर भारत के एक बड़े और निर्णायक कदम का प्रतीक है। इस ट्रेन का निर्माण रेलवे की चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया गया है जो भारत की आत्मनिर्भरता और इंजीनियरिंग क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है। इस ट्रेन के स्वरूप और क्षमता की बात करें तो इसमें दो विशेष रूप से डिजाइन की गई हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार और आठ वातानुकूलित यात्री कोच शामिल किए गए हैं। अपनी पूरी क्षमता के साथ यह ट्रेन एक बार में लगभग छब्बीस सौ यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित और सुगमता से पहुंचाने में सक्षम है। गति के मोर्चे पर भी यह ट्रेन काफी उन्नत है। हालांकि इसकी अधिकतम डिजाइन गति एक सौ दस किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है, लेकिन वर्तमान प्रायोगिक चरण में इसे पचहत्तर किलोमीटर प्रति घंटे की सुरक्षित रफ्तार से संचालित किया जा रहा है। यह हाइड्रोजन ट्रेन अपनी बिजली खुद बनाती है। ट्रेन की छतों या विशेष डिब्बों में उच्च दबाव वाले मजबूत टैंक लगे होते हैं जिनमें हाइड्रोजन गैस सुरक्षित रूप से भरी होती है। यह गैस ट्रेन में लगे अत्याधुनिक फ्यूल सेल के भीतर जाती है। वहां यह गैस वायुमंडल से खींची गई ऑक्सीजन के साथ एक इलेक्ट्रो रासायनिक प्रतिक्रिया करती है। इस पूरी रासायनिक प्रक्रिया के परिणामस्वरूप भारी मात्रा में बिजली पैदा होती है और यही वह बिजली है जो ट्रेन की भारी भरकम मोटरों को चलाकर उसे पटरियों पर आगे बढ़ाती है। इस पूरी प्रक्रिया का सबसे खूबसूरत और पर्यावरण के अनुकूल पहलू यह है कि इसमें कोई हानिकारक धुआं या कार्बन गैस वातावरण में नहीं घुलती है। जींद रेलवे स्टेशन पर इस ट्रेन में गैस भरने के लिए एक विशेष रिफ्यूलिंग स्टेशन बनाया गया है जो इंजीनियरिंग का एक जटिल नमूना है। भविष्य में अगर इन ट्रेनों को पूरे देश में चलाना है तो ऐसे सैकड़ों स्टेशन बनाने होंगे। इसके लिए हरित हाइड्रोजन का उत्पादन बड़े पैमाने पर बढ़ाना होगा और उसे सुरक्षित रूप से देश के कोने कोने तक ले जाने के लिए विशेष टैंकरों की व्यवस्था करनी होगी। भंडारण की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित किए बिना इस तकनीक का विस्तार संभव नहीं है। जब तक हाइड्रोजन के उत्पादन से लेकर उसके अंतिम वितरण तक का एक सस्ता और सुलभ तंत्र पूरी तरह से विकसित नहीं हो जाता तब तक इस तकनीक का व्यावसायिक रूप से पूरे भारत में विस्तार करना एक बड़ी आर्थिक और व्यावहारिक चुनौती बनी रहेगी। रखरखाव और सुरक्षा के मामले में भी यह नई तकनीक रेलवे के कर्मचारियों के लिए एक बिल्कुल नया अनुभव और चुनौती लेकर आई है। डीजल इंजनों के भारी भरकम यांत्रिक पुर्जों और तेल से अलग इस ट्रेन का रखरखाव मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक और रासायनिक प्रणालियों की सटीकता पर निर्भर करता है। हाइड्रोजन गैस बहुत ही अधिक ज्वलनशील होती है इसलिए इसके जरा से भी रिसाव का पता लगाने के लिए ट्रेन के चप्पे चप्पे पर अति संवेदनशील सेंसर लगाए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वचालित प्रणालियां स्थापित की गई हैं। इन सब अत्याधुनिक उपकरणों की नियमित जांच और मरम्मत के लिए भारतीय रेलवे को अपने तकनीकी कर्मचारियों और इंजीनियरों को सिरे से नया प्रशिक्षण देना होगा ताकि सुरक्षा मानकों के साथ किसी भी स्तर पर कोई समझौता न हो सके। संक्षेप में कहा जाए तो भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन केवल धातु और तारों से बनी कोई सामान्य मशीन नहीं है बल्कि यह भविष्य के आत्मनिर्भर भारत की एक स्पष्ट झलक है। जींद और सोनीपत के बीच चल रही यह प्रायोगिक ट्रेन अगर लागत समय की पाबंदी और सुरक्षा के कड़े पैमानों पर पूरी तरह से खरी उतरती है तो आने वाले कुछ ही वर्षों में हम हर कोने में ऐसी ट्रेनें दौड़ते हुए देख सकेंगे। यह न केवल भारतीय रेलवे का चेहरा हमेशा के लिए बदल देगी बल्कि पूरी दुनिया को भी एक स्वच्छ सुरक्षित और टिकाऊ परिवहन का रास्ता दिखाएगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शांति से दुखों को किया जा सकता है खत्म

संकलित
दर्शन

हम स्वयं शांति के सर्वश्रेष्ठ प्रहरी हैं। हमें कोई दूसरा व्यक्ति या वस्तु या स्थान शांति दे सकता है, यह एक काल्पनिक विचार है। हम स्वयं शांति से रह सकते हैं और दूसरों को भी शांतिपूर्वक रख सकते हैं। शांति एक मानवीय गुण तो है ही, लेकिन यह आत्मिक शक्ति है। शांति सभी सुखों की मूल है। इससे सभी वैभव एवं ऐश्वर्य की पूर्ति संभव है। शांति द्वारा सभी दुखों का शमन किया जा सकता है। इससे हर रोग का निदान होता है। शांति का माध्यम सभी समस्याओं का समाधान तैयार करता है। शांति ही देश का निर्माण करती है, वहीं अशांति से देश का पतन आरंभ होता है। शांति और अशांति के बीच समाज, समुदाय, वर्ग, कौम, जाति और संस्थाएं गतिहीन हो जाती हैं। देश की उन्नति, विकास और पुनर्निर्माण के लिए शांति का वातावरण अनिवार्य है। शांति एक शब्द मात्र नहीं है। शांति को मन मंदिर में बसाने वाले लोग देव तुल्य होते हैं। इसलिए स्वयं भी शांति के प्रहरी बनिए और दूसरों को भी शांति दूत बनाइए। यही संसार के मंगल का भेद है। शांति से बड़ी कोई दौलत नहीं है। परिवार में शांति एक वट वृक्ष की तरह है, जिसकी छाया में आनंद की अनुभूति पाई जा सकती है। अशांति कालांतर में अग्नि के समान जीवन के हर अंग को भस्म कर देती है। मानवता का मूल इसी शांति के गर्भ में स्थिर है। यदि जीवन को सुख और वैभव से संपन्न करना हो तो निश्चित ही शांति की पूजा करनी होगी। देश में जन सामान्य को शांति के सूत्र अपनाने चाहिए। सावधानी के साथ प्रेम का व्यवहार शांति के मार्ग को निष्कंटक करेगा।

बल प्रयोग अंतिम विकल्प

संकलित
प्रेरणा

एक चिड़िया का एक दाना पेड़ के कंदरे में कहीं फंस गया था। चिड़िया ने पेड़ से बहुत अनुरोध किया उस दाने को दे देने के लिए लेकिन पेड़ उस छोटी सी चिड़िया की बात भला कहां सुनने वाला था। हार कर चिड़िया बढ़ई के पास गई और उसने उससे अनुरोध किया कि तुम उस पेड़ को काट दो, क्योंकि वो उसका दाना नहीं दे रहा। भला एक दाने के लिए बढ़ई पेड़ कहां काटने वाला था। फिर चिड़िया राजा के पास गई और उसने राजा से कहा कि तुम बढ़ई को सजा दो क्योंकि बढ़ई पेड़ नहीं काट रहा और पेड़ दाना नहीं दे रहा। राजा ने उस नन्हीं चिड़िया को डांट कर भगा दिया कि कहां एक दाने के लिए वो उस तक पहुंच गई है। चिड़िया हार नहीं मानने वाली थी। वो महावत के पास गई कि अगली बार राजा जब हाथी की पीठ पर बैठेगा तो तुम उसे गिरा देना। चिड़िया आखिर में चींटी के पास गई और वही अनुरोध दोहराकर कहा कि तुम हाथी की सूंढ़ में घुस जाओ। चींटी ने चिड़िया से कहा, चल भाग यहां से...बड़ी आई हाथी की सूंढ़ में घुसने को बोलने वाली। अब तक अनुरोध की मुद्रा में रही चिड़िया ने रौद्र रूप धारण कर लिया। उसने चींटी से कहा तुझे तो अपनी चोंच में डाल कर खा ही सकती हूँ। चींटी डर गई...भाग कर राजा के पास पहुंची। राजा ने फौरन बढ़ई को बुलाया उससे कहा कि पेड़ काट दो नहीं तो सजा दूंगा। बढ़ई को देखते ही पेड़ बिलबिला उठा कि मुझे मत काटो। मैं चिड़िया को दाना लौटा दूंगा...! अंत में चिड़िया ने अपना दाना पेड़ से प्राप्त कर लिया और वो खुशी खुशी अपने घोंसले में चली गई।

अंतर्मन

आज की पाती

घुसपैठ पर निर्णायक प्रहार का समय

भारत की सीमाओं की सुरक्षा केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की संप्रभुता और आंतरिक स्थिरता से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण विषय है। लंबे समय से बांग्लादेश और म्यांमार की सीमाओं से होने वाली अवैध घुसपैठ देश के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। यह समस्या केवल अवैध रूप से देश में प्रवेश करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ फर्जी दस्तावेज, मानव तस्करी, हवाला, नशीले पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का जाल भी जुड़ जाता है। इसलिए इस चुनौती से निपटने के लिए अब आधे-अधूरे नहीं, बल्कि निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है। केंद्र सरकार द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय बदलावों का अध्ययन कराना, सीमा पर बाड़ लगाने की गति तेज करना और घुसपैठ रोकने के उपायों की समीक्षा बढ़िया कदम हैं। - *प्रतीक साहू, दुर्ग*

ट्रेंड

युवा इतिहास रच रहे

युवा आज इतिहास रच रहे हैं। नए स्टार्टअप अंतरिक्ष तक पहुंचे हैं। मुझे बताया गया कि स्काईरूट कंपनी की जिस टीम ने यह कारनामा कर दिखाया है। उनकी औसत उम्र 28 साल है। हालांकि मैं किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा। -**नरेंद्र मोदी,** पीएम

बटुकेश्वर दत्त को नमन

महान स्वाधीनता सेनानी एवं अमर क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उन्होंने भगत सिंह जी के साथ केंद्रीय विधानसभा में बम फेंककर अंग्रेजों के अन्याय के विरुद्ध पूरे देश में आजादी की अलख जलाई। कठोर यातनाएँ सहकर भी स्वाधीनता के संकल्प को अडिग रखा। -**अमित शाह,** गृहमंत्री

पीएम मोदी युवा विरोधी

प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री हैं। वह इतने युवा-विरोधी हैं कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते। 152 पेपर लीक की घटनाओं से 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए, लेकिन किसी दोषी को सजा नहीं मिली। -**राहुल गांधी,** नेता विपक्ष

हमारी मांग स्पष्ट

हमारी मांग स्पष्ट है, जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। यह हमारी जायज मांग है और हमारा वैध अधिकार है। हम इस मुद्दे को लेकर पूरी तरह से गंभीर हैं। केंद्र सरकार को हमारी मांग पूरी करनी होगी। -**फारूक अब्दुल्ला,** पूर्व सीएम, जम्मू-कश्मीर

करंट अफेयर

कांगो में इबोला के प्रकोप से अब तक 930 लोगों की मौत

कांगो में इबोला के प्रकोप से कम से कम 930 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 37 लोगों की मौत शुक्रवार से शनिवार के बीच 24 घंटे के दौरान हुई। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शनिवार तक इबोला के 2,344 मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें से 930 मरीजों की मौत हो चुकी है। पूर्वी कांगो में इबोला के प्रकोप की घोषणा 15 मई को की गई थी। यह रिकॉर्ड में, सबसे तेजी से फैलने वाला इबोला प्रकोप बन गया है। इस प्रकोप के लिए जिम्मेदार बंडिबुग्यो वायरस, इबोला बीमारी फैलाने वाले अन्य वायरस की तुलना में कम पाया जाता है और इसके लिए फिलहाल कोई मंजूरी प्राप्त टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है।

इबोला अत्यधिक संक्रामक बीमारी है और यह जंगली जानवरों से मनुष्यों में फैल सकती है। यह बीमारी कई मामलों में जानलेवा साबित होती है। मौत के आंकड़ों में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण सबसे अधिक प्रभावित प्रांत 'इतुरी' में राहत और बचाव अभियान पर असर पड़ा है। कुल पांच प्रांत प्रभावित हुए हैं और ये सभी पूर्वी इलाके में हैं, जहां विद्रोहियों का बोलबाला है।

ऑफ बीट

ग्रीक फायर: रोमन साम्राज्य का सबसे विनाशकारी हथियार

आधुनिक काल के सामूहिक विनाश के हथियारों से बहुत पहले एक ऐसा हथियार था, जिसे 'ग्रीक फायर' (इग्निस ग्रेकस) के नाम से जाना जाता है।

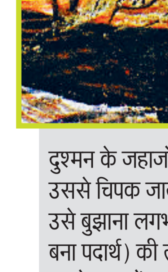

ग्रीक फायर का सूत्र इतना गोपनीय रखा गया था कि 1453 में बीजान्टिन साम्राज्य के ओटोमन साम्राज्य के हाथों पतन के साथ ही इसका रहस्य भी हमेशा के लिए खो गया। तब से लेकर आज तक अनेक रसायनविद, इतिहासकार, वैज्ञानिक और प्रायोगिक पुरातत्वविद इस रहस्यमयी हथियार का वास्तविक सूत्र जानने की कोशिश करते रहे हैं। ग्रीक फायर एक ज्वलनशील तरल पदार्थ था, जिसे बीजान्टिन युद्धपोतों के अगले हिस्से पर लगी पीतल या कांसे की नली (साइफन) के माध्यम से दुश्मन के जहाजों पर फेंका जाता था। यह तरल जिस सतह पर गिरता, उससे चिपक जाता था। यहां तक कि पानी पर भी यह जलता रहता था और उसे बुझाना लगभग असंभव था। नेपाम (नैप्थालीन और नारियल के तेल से बना पदार्थ) की तरह काम करने वाला यह हथियार बीजान्टिन नौसेना को अपने दुश्मनों पर बड़ा सामरिक लाभ देता था। सातवीं शताब्दी में उभरती हुई अरब शक्ति की समुद्री ताकत ने बीजान्टिन साम्राज्य के सामने नयी चुनौतियां खड़ी कर दी थीं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

मानसून सत्र की हंगामेदार हुई शुरुआत, नहीं चली लोकसभा की कार्रवाई

विपक्षी दलों ने सदन के अंदर नीट पेपरलीक, राम मंदिर चंदा चोरी के मुद्दे पर किया जमकर हंगामा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ किए जा रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध-प्रदर्शन की गूंज सोमवार को मानसून सत्र के पहले दिन संसद में भी जोरदार अंदाज में सुनाई दी। लोकसभा में इस मामले और राम मंदिर चंदा चोरी सहित कुछ अन्य मुद्दों को लेकर कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दलों ने बैनर-पोस्टर के साथ अध्यक्ष के आसन के समीप आकर जमकर हंगामा और नारेबाजी की। जिसकी वजह से सदन में प्रश्नकाल और शून्यकाल दोनों बाधित हुए। सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर 3 बजे तक कुल 6 बार लोकसभा की कार्रवाई स्थगित हुई। जिसके बाद दिनभर के लिए यानी मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए कार्रवाई को स्थगित कर दिया गया।लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्रवाई का आगाज कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी और कुछ अन्य लोगों के निधन को लेकर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ किया। दिवंगत आत्माओं के सम्मान में दो मिनट के मौन के साथ पूरा सदन खड़ा हुआ। इस दौरान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लोकसभा में उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि के तुरंत बाद उक्त मुद्दों पर विपक्षी दलों का हंगामा और नारेबाजी एक बार फिर से शुरू हो गई। जिसे देखते हुए कार्रवाई को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विरोधियों द्वारा लगाए जा रहे नारों में धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो, इस्तीफा दो, चंदा चोरी नहीं चलेगी, नहीं चलेगी, हमें न्याय दो, न्याय दो (वी वांट जस्टिस) मुख्य हैं।

हंगामे में पेश हुआ यह विधेयक

एक बार के स्थगन के बाद 12 बजे कार्रवाई की शुरुआत शोरशराबे के साथ हुई। विपक्षी सांसदों के रुख में कोई परिवर्तन नहीं आया और वह अध्यक्ष के आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। इस बीच पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने जरूरी कागजात सदन के पटल पर रखवाना शुरू किया। जिसमें सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने वाले संशोधन विधेयक-2026 को केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सदन के पटल पर रखा। जो कि सुप्रीम कोर्ट (नंबर ऑफ जजेज) एक्ट 1956 की जगह लेगा।

सभी मुद्दों पर चर्चा को तैयार सरकार

पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि बार-बार समझाने के बाद भी उनका इस तरह से लोकसभा में हंगामा करने का व्यवहार ठीक नहीं है। मानसून सत्र के पहले दिन आज प्रश्नकाल नहीं हुआ और अब विपक्ष की यह कोशिश है कि शून्यकाल भी न हो। जिसमें मुश्किल से 20 सांसदों को बोलने का मौका मिलता है। आप लोग चाहते हैं कि नियम-377 के अधीन भी जरूरी मामले भी सदन में न उठाए जा सकें। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भी बार-बार इस बात को दोहराया है कि यह सदन हंगामे और नारेबाजी से नहीं चलेगा। बल्कि मर्यादा से चलेगा। जिसका सभी को ध्यान रखना अनिवार्य है। सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है। इसलिए विपक्षी सांसदों से अपील है कि वो अपने-अपने स्थान पर जाकर बैठ जाएं और कार्रवाई को चलने दें।

लोकसभा में बाढ़ के मुद्दे पर करें चर्चा

सैकिया ने कहा, विपक्ष जिस मौके पर सदन में शोरशराबा कर रहा है। ठीक उसी दौरान देश के कई भागों में आई भीषण बाढ़ से हालत बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। पूर्वोत्तर भारत के कई इलाके भी बुरी तरह से इसकी चपेट में है। खासकर नागालैंड, असम में भी बाढ़ ने कहर बरपाया हुआ है। ऐसे में यह समय हंगामा, नारेबाजी कर सदन के बहुमूल्य समय को बर्बाद करने का नहीं है। बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा के मामले पर चर्चा कर जनता की परेशानियों और समस्याओं को उठाने का है। लेकिन विपक्ष का यह व्यवहार लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।

ई20 पर मचे बवाल के बीच ई30 के सवाल पर केंद्र का जवाब - एथनॉल मिश्रण बढ़ाने का अभी कोई फैसला नहीं

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल पेट्रोल में 20 प्रतिशत से अधिक एथेनॉल मिश्रण बढ़ाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। सरकार ने कहा है कि भविष्य में यदि एथेनॉल मिश्रण की मात्रा बढ़ाने पर विचार किया जाता है, तो वह केवल व्यापक वैज्ञानिक एवं तकनीकी अध्ययन तथा सभी संबंधित पक्षों से परामर्श के बाद ही किया जाएगा। राज्यसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी भी नीति को वैज्ञानिक प्रमाणों और तकनीकी परीक्षणों के आधार पर लागू करना है, ताकि उपभोक्ताओं, वाहन उद्योग और पर्यावरण- तीनों के हितों का संतुलन बना रहे।

ई20 कोई नया ईंधन नहीं

सुरेश गोपी ने कहा कि ई20 कोई नया या अचानक लागू किया गया ईंधन नहीं है। दुनिया के कई देशों में एथेनॉल का उपयोग परिवहन ईंधन के रूप में एक सदी से भी अधिक समय से किया जा रहा है। भारत में भी एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2001 में पायलट परियोजना के रूप में की गई थी। उन्होंने बताया कि भारत में एथेनॉल मिश्रण को चरणबद्ध और वैज्ञानिक तरीके से बढ़ाया गया है। वर्ष 2013-14 में पेट्रोल में एथेनॉल की औसत हिस्सेदारी केवल 1.53 प्रतिशत थी, जिसे लगातार वैज्ञानिक परीक्षणों, तकनीकी मूल्यांकन और विभिन्न हितधारकों से विचार-विमर्श के बाद बढ़ाते हुए 2025-26 में 20 प्रतिशत तक पहुंचाया गया है।

वैज्ञानिक मूल्यांकन के बाद ही होगा अगला कदम

राज्य मंत्री ने कहा कि यदि भविष्य में ई20 से अधिक मिश्रण लागू करने की आवश्यकता महसूस होती है, तो इससे पहले विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन, तकनीकी परीक्षण, वाहन निर्माताओं, तेल विपणन कंपनियों, कृषि क्षेत्र तथा अन्य संबंधित हितधारकों से व्यापक परामर्श किया जाएगा। बिना पर्याप्त तैयारी और वैज्ञानिक आधार के कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा।

स्वच्छ ईंधन और ऊर्जा सुरक्षा पर सरकार का जोर

सरकार का कहना है कि एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा बढ़ाना नहीं, बल्कि स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना, कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, किसानों की आय में वृद्धि करना और कार्बन उत्सर्जन को घटाना भी है। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, अधिक दक्ष और पर्यावरण-अनुकूल ईंधन प्रणाली की दिशा में आगे बढ़ना है। इसलिए कम एथेनॉल मिश्रण की ओर लौटने का कोई प्रश्न नहीं है। सरकार चरणबद्ध, संतुलित और साक्ष्य-आधारित नीति के तहत ही आगे बढ़ेगी। उन्होंने दोहराया कि वर्तमान में 20 प्रतिशत से अधिक एथेनॉल मिश्रण लागू करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है, और भविष्य में इस संबंध में कोई भी कदम वैज्ञानिक तथ्यों, तकनीकी क्षमता और सभी हितधारकों की सहमति के आधार पर ही उठाया जाएगा।

पेपर लीक पर संसद में कांग्रेस का तीखा हमला, खड़गे बोले- लाठीचार्ज से दबाई जा रही छात्रों की आवाज, प्रियंका ने शिक्षा नीति पर चर्चा की उठाई मांग

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र के दौरान सोमवार को पहले ही दिन राज्यसभा में नीट परीक्षा में कथित अनियमितता और पेपर लीक का मुद्दा जोरदार ढंग से उठा। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश के लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मामला है। वहीं कांग्रेस महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने देश की शिक्षा व्यवस्था, बार-बार होने वाले पेपर लीक और नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ियों पर संसद में विस्तृत चर्चा कराने की मांग की। संसद के अंदर विपक्ष ने तो संसद के बाहर 'कॉकरोचों' ने लाठी, डंडे, आंसू गैस के गोले खाने के बाद भी दमदार घेराबंदी की हुई थी।

यह लाखों युवाओं के भविष्य का सवाल

खड़गे ने कहा कि नीट परीक्षा में कथित अनियमितताके खिलाफ हजारों छात्र दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। सरकार छात्रों की आवाज को दबाने और उनके आंदोलन को कुचलने की कोशिश कर रही है। यह किसी दल का राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य का सवाल है। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह छात्रों की चिंताओं को गंभीरता से सुने और परीक्षा प्रणाली में आई खामियों पर जवाब दे।

प्रियंका ने शिक्षा नीति पर सवाल उठाए

संसद परिसर में मीडिया से बातचीत और सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि विपक्ष लगातार शिक्षा नीति और पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहा है, लेकिन सरकार चर्चा कराने के बजाय छात्रों पर लाठी और आंसू गैस का इस्तेमाल कर रही है। पहले नीट का पेपर लीक हुआ, परीक्षा रद्द करनी पड़ी और अब पुनः आयोजित परीक्षा को लेकर भी अनियमितताकी खबरें सामने आ रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रधानमंत्री स्वयं इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी की बात कर रहे थे, तब भी ऐसी घटनाएं बार-बार कैसे हो रही हैं? देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य से जुड़े इस मुद्दे पर संसद में व्यापक चर्चा होनी चाहिए और प्रधानमंत्री को स्वयं छात्रों के सवालों का जवाब देना चाहिए।

सरकार पर तीखा हमला

बाद में खड़गे ने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा में हुई कथित गड़बड़ियों के कारण कई छात्रों की जान चली गई, लेकिन सरकार संवेदनहीन बनी हुई है। यदि सरकार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से परीक्षाएं आयोजित नहीं करा सकती, तो उसे सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। अधिकारों की मांग कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करना लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है। उन्होंने बढ़ती बेरोजगारी और परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं का हवाला देते हुए कहा कि युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है।

राम मंदिर दान मामले का भी उठाया मुद्दा

खड़गे ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे और दान राशि में कथित गड़बड़ियों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि भगवान राम के नाम पर करोड़ों का चढ़ावा आया है और अब उसी धन में कथित चोरी की बातें सामने आ रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री की पहल पर हुआ था। ऐसे में यदि ट्रस्ट पर अनियमितताओं के आरोप लगते हैं, तो इसकी नैतिक जिम्मेदारी भी सरकार और प्रधानमंत्री को लेनी चाहिए।

भारतीय चिकित्सा सेवा आयोग गठन की मांग

छत्तीसगढ़ की ग्रामीण मेडिकल व्यवस्था चरमराई, डॉक्टर की भारी कमी : बृजमोहन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में नियम 377 के तहत सूचना देते हुए मानसून सत्र के पहले दिन सरकार से भारतीय चिकित्सा सेवा आयोग के गठन का आग्रह किया है, ताकि छत्तीसगढ़ में अधिक से अधिक ग्रामीण इलाकों में एमबीबीएस डॉक्टरों द्वारा ग्रामीण सेवा को बेहतर और पुख्ता किया जा सके। अग्रवाल के अनुसार छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में डॉक्टरों की विशेष कमी है। इस कमी से चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। विशेषज्ञ चिकित्सक ग्रामीण सैलरी से जुड़ी दिक्कतों के कारण गांवों में अपनी सेवा देना नहीं चाहते हैं। अग्रवाल ने कहा कि अगर चिकित्सा सेवा आयोग का गठन कर दिया जाएगा तो देश के स्वास्थ्य तंत्र को ख़ासकर ग्रामीण इलाकों में विशेष रूप से पुख्ता किया जा सकता है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अनुसार देश में लगभग 6.4 लाख से अधिक गांव हैं। इन ग्रामीण क्षेत्रों में मौजूद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टर सर्जन, महिला बाल रोग विशेषज्ञ आदि की लगभग 80 फीसदी की कमी है।
सांसद बृजमोहन अग्रवाल का कहना है केवल छत्तीसगढ़ में ही लगभग 19 हजार 698 गांव हैं, जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में न केवल डॉक्टरों की कमी है बल्कि वहां के सुदूर दुर्गम परिस्थितियों के कारण डॉक्टरों की उपस्थिति भी कम रहती है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि ऐसी दिक्कतों के कारण इन इलाकों में ग्रामीण लोगों को भारी चिकित्सा असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अनुसार चिकित्सा सेवा आयोग डॉक्टरों की कमी को पूरा करते हुए सभी इलाकों में एक सर्व सुलभ चिकित्सा का प्राकृतिक हल निकाल देगा। जो देश के स्वास्थ्य तंत्र को सुदृढ़ एवं सुगम करने में लाभकारी होगा।
बृजमोहन अग्रवाल के अनुसार यह आयोग सामान्य मेडिकल भर्ती से स्वतंत्र एक विशेष राष्ट्रीय कैडर का निर्माण करेगा, जो केवल ग्रामीण जन स्वास्थ्य पर ही केंद्रित होगा। जिससे देश के सुदूर ग्रामीण और राज्य आदिवासी गांव के लिए डॉक्टरों की भर्ती और तैनाती करने में बाधा नहीं होगी। मजबूरन तैनाती के बजाए एक प्रतिष्ठित और पेशेवर कैडर का निर्माण करके यह आयोग सुनिश्चित करेगा कि हमारे गांव को टिकाऊ और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा मिले। अंततः यह आयोग प्रधानमंत्री मोदी के स्वस्थ भारत के लक्ष्य को साकार करने में एक विशेष भूमिका अदा करेगा।

आईआईटी मद्रास ने की गेट-2027 परीक्षा की तारीखों की घोषणा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-एम) मद्रास ने सोमवार को ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) 2027 के लिए परीक्षा की तारीखों, संशोधित पाठ्यक्रम और नए प्रश्नपत्र की घोषणा कर दी है। अगले साल फरवरी महीने के छह दिनों में यह परीक्षा होगी। जिसमें 6, 7, 13, 14, 20 और 21 फरवरी की तारीख तय की गई है। जबकि इसके लिए रजिस्ट्रेशन की शुरुआत अगले महीने 14 अगस्त से हो जाएगी। आवेदन की अंतिम तारीख 21 अगस्त होगी। लेकिन इसे लेट फीस के साथ 30 सितंबर 2026 तक पूरा किया जा सकता है। गेट-2027 का आयोजन कराने की जिम्मेदारी आईआईटी मद्रास को सौंपी गई है। परीक्षा के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थी गेट के लिए बनाई गई वेबसाइट gate2027.iitm.ac.in पर जा सकते हैं।

अगले साल फरवरी महीने में होगी राष्ट्रीय स्तर की यह महत्वपूर्ण परीक्षा

1983 से देश में हुई परीक्षा की शुरुआत
गेट एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है। जिसके माध्यम से इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, विज्ञान, वास्तुकला, वाणिज्य, कला और मानविकी जैसे कई स्नातक विषयों में अभ्यर्थियों की विस्तृत और व्यापक समझ का मूल्यांकन किया जाता है। भारत में इस परीक्षा की शुरुआत वर्ष 1983 को हुई थी। अगले वर्ष इसका 45वां संस्करण होगा।

दो सत्रों में होगी परीक्षा: गेट-27 परीक्षा, कंप्यूटर आधारित परीक्षा होगी। जिसे परीक्षा के प्रत्येक दिन पूर्वाह्न और अपराह्न जैसे दो सत्रों में आयोजित किया जाएगा। परीक्षा के लिए कुल 30 प्रश्नपत्र होंगे। तेजी से परिवर्तित होती शैक्षणिक और औद्योगिक जरूरतों के मद्देनजर पांच साल के बाद परीक्षा से जुड़े सभी प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रमों में बदलाव किया गया है। रोबोटिक्स-ऑटोमेशन पर एक प्रश्नपत्र होगा। जबकि टेक्सटाइल इंजीनियरिंग-फाइबर साइंस प्रश्नपत्र को इंजीनियरिंग साइंस के तहत एक अनुभागीय प्रश्नपत्र के रूप में शामिल किया गया है। परीक्षा अंग्रेजी भाषा में ही होगी। इसका परिणाम 19 मार्च 2027 को जारी किया जाएगा।

तीन साल के लिए मान्य होगा स्कोर: अगले साल के लिए दी जाने वाली गेट परीक्षा को लेकर 14 से 21 अक्टूबर तक सुधार किया जा सकेगा। अभ्यर्थियों के लिए शहर के आवंटन को लेकर अधिसूचना 4 जनवरी 2027 जारी की जाएगी। इसके अलावा अभ्यर्थियों का गेट स्कोर परिणाम घोषित होने की तारीख से लेकर अगले तीन साल तक के लिए मान्य होगा। सुरक्षित और निष्पक्ष ढंग से परीक्षा कराने के लिए डिजीलॉकर, फेशियल रजिस्ट्रेशन जैसे माध्यमों का प्रयोग किया जाएगा। आईआईटी मद्रास ने यह सलाह दी है कि वे इन उन्नत पंजीकरण सुविधाओं का ही उपयोग करें। क्योंकि इसी से परीक्षा केंद्रों पर उनका प्रवेश सुगम और सहज हो सकेगा।

परीक्षा पास करने वालों को होगा यह लाभ: गेट परीक्षा पास करने वाले छात्र केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय सहित सरकार की अन्य एजेंसियों द्वारा समर्थित संस्थानों में कुछ विषयों जैसे इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, विज्ञान, वास्तुकला व मानविकी में स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट में वित्तीय सहायता (संभावित) के साथ प्रवेश कर सकते हैं। कुछ महाविद्यालय-संस्थान शिक्षा मंत्रालय की छात्रवृत्ति के बिना भी अपने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी गेट स्कोर का प्रयोग करते हैं। पीएसयू की भर्ती प्रक्रिया में भी परीक्षा के स्कोर की खासी भूमिका रहती है और उसका इस्तेमाल किया जाता है।

असम में बाढ़ से 1.7 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित, सेना ने ऑपरेशन जल राहत चलाया: गुवाहाटी। भारी बारिश के कारण गुवाहाटी के कई हिस्सों में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे कई निचले इलाके पूरी तरह से जलमग्न हो गए। मेघालय की पहाड़ियों से आने वाले पानी और वशिष्ठ नदी का जलस्तर बढ़ने से यह गंभीर स्थिति पैदा हुई है।

खबर संक्षेप

एक परिवार के सभी ने पीया जहर, 3 की मौत

करौली। जिले के सपोटरा उपखंड के बालौती गांव की बैरवा बस्ती में सोमवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां एक ही

परिवार के 4 सदस्यों ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। इस घटना में रामदयाल बैरवा, उनकी पत्नी राजबाई और पुत्र लक्ष्मीनारायणकी मौत हो गई, जबकि विजयराजका जयपुर के एसएमएस अस्पताल में उपचार जारी है। परिवार लंबे समय से बीमारी और उससे जुड़ी परेशानियों से जूझ रहा था।

जवाहर भवन के चौथे तल पर लगी आग

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार सुबह करीब 9:40 बजे जवाहर भवन के चौथे तल पर आग लग गई। आग की लपटें और धुआं देख लोगों में अफरातफरी मच गई। कर्मचारियों की सूचना पर फायर ब्रिगेड 10 बजे के करीब पहुंची और आग पर काबू पाने में जुटी। इंदिरा भवन जवाहर भवन कर्मचारी संघ के पंकज मेहरोत्रा ने बताया जहां आग व हां कैंटीन, मलेरिया विभाग सहित कई अन्य कार्यालय हैं।

फर्जी निकली नीट की वायरल ओएमआर शीट, एनटीए ने किया इस पर बड़ा खुलासा

कहा- सोशल मीडिया पर तेजी से घूम रही ओएमआर शीट को एआई के जरिए बदला गया है

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी National Testing Agency Excellence in Assessment

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रचंड विरोध-प्रदर्शन के बीच सोमवार को राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने यह ऐलान किया है कि उसके द्वारा जारी किए गए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-2026 (नीट) के परिणाम के बाद सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही ओएमआर शीट असली नहीं फर्जी हैं। जिन्हें डिजिटल रूप से यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और ओसीआर तकनीक का इस्तेमाल कर बदला गया है। एनटीए ने एक सार्वजनिक सूचना के जरिए यह भी साफ कर दिया है कि छात्रों की असली और प्रमाणिक ओएमआर शीट एनटीए के सर्वर पर पूरी तरह से सुरक्षित हैं। जिनके आधार पर ही परिणाम तैयार किए गए हैं। ओएमआर शीट को लेकर किए जा रहे तमाम दावे गलत हैं। ऐसी कोई शीट वास्तविक रूप से मौजूद नहीं है। एनटीए ने भी अभी तक ऐसा कोई दस्तावेज जारी नहीं किया है।

आधिकारिक रिकॉर्ड से मेल नहीं खाते दस्तावेज

एनटीए के मुताबिक, उनके पास प्रत्येक उम्मीदवार का वास्तविक ओएमआर रिकॉर्ड मौजूद है। जिसे हमने उम्मीदवार पोर्टल पर उपलब्ध कराया था और ओएमआर प्रतिक्रिया की चैलेंज विंडो के समय उम्मीदवारों को ईमेल भी किया था। ऐसे में सही ओएमआर के रूप में सोशल मीडिया में प्रसारित की जा रही छवियां डिजिटल रूप से जाली हैं। ऐसे किसी दस्तावेज को एनटीए ने जारी नहीं किया है। वायरल छवियों में दिए गए परीक्षार्थी के नाम, रोल नंबर, उनके अभिभावकों का विवरण और निरीक्षकों के हस्ताक्षर व अंगूठे का निशान तक आधिकारिक रिकॉर्ड यानी नीट-यूजी 2026 से मेल नहीं खाते हैं।

जाली ओएमआर बनाना अपराध है

सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 के तहत जाली ओएमआर बनाना और उसे प्रसारित करना कानूनी रूप से अपराध है। इसके अलावा भारतीय न्याय संहिता (2023) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के तहत भी ऐसी गतिविधियों के लिए कानूनी दंड के प्रावधान मौजूद हैं।

संबंधित प्रक्रिया का पालन करें छात्र

एनटीए ने अपने नोटिस में यह भी कहा है कि जिन अभ्यर्थियों को हकीकत में कोई शिकायत या आपत्ति है। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे 20 जुलाई 2026 को राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना में तय की गई प्रक्रिया का पालन करें। जो एजेंसी की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

गांदरबल में बादल फटने से कई घर, कृषि भूमि और बाग-बगीचे क्षतिग्रस्त, एक ही परिवार के 7 की मौत

गांदरबल। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश ने कई इलाकों में भारी तबाही मचाई है। सोमवार को गांदरबल जिले के सफापोरा स्थित शेख मोहल्ला में बादल फटने की घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कारगिल में आए फ्लैश फ्लड ने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है। कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जबकि कृषि भूमि और बाग-बगीचों को भी भारी नुकसान हुआ है। सफापोरा के शेख मोहल्ला में अचानक बादल फटने के बाद तेज बहाव के साथ पानी और मलबा रिहाइशी इलाके में घुस गया। इससे स्थानीय संपत्तियों को नुकसान पहुंचा और लोगों का सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया। घटना के बाद प्रशासन ने हालात का जायजा लेना शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रभावित परिवारों को जल्द राहत उपलब्ध कराने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को शीघ्र बहाल करने की मांग की है।

पुंछ में भूस्खलन की चपेट में आया मकान : जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 7 लोगों की मौत हो गई। रविवार को भी यहां भूस्खलन हुआ था। भाजपा के अध्यक्ष रवींद्र रैना ने घटना पर दुख जताते हुए लिखा कि पुंछ में एक घर गिर गया, जिसमें एक परिवार फंस गया। इस घटना में 6-7 लोगों की मौत होने की आशंका है।

कारगिल में कई पेड़ बह गए, मकान धराशाई : कारगिल में फ्लैश फ्लड ने कई इलाकों में तबाही मचाई है। बाढ़ के तेज बहाव से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए जबकि बड़ी मात्रा में कृषि भूमि, खेत और बाग-बगीचे प्रभावित हुए हैं। तेज पानी के बहाव में बड़ी संख्या में पेड़ भी उखड़कर बह गए, जिससे पर्यावरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचा है।कई परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। नुकसान से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | पंजीकृत कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, निकट चाकली सर्कल, पुराना पादरा रोड, वडोदरा-390007
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बांद्रा-कुर्ला कॉम्पलैक्स, मुम्बई 400051

स्वर्ण नीलामी एवं आमंत्रण सूचना

नीचे वर्णित कर्जदार(ों) को आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड से स्वर्ण आभूषणों के तहत प्राप्त किए गए ऋण के तहत बकाया देय राशि का भुगतान करने के लिये एक सूचना जारी की गई थी।
देय राशि के पुनर्भुगतान में विफल रहने की वजह से, गिरवीकृत स्वर्ण आभूषणों की नीलामी 20 अगस्त 2026 को आयोजित की जाएगी। मृतक कर्जदार के मामले में, सभी नियम व शर्तें सम्बन्धित कानूनी वारिस(ों) के लिये लागू होंगी।

ऋण अकाउंट नम्बर	कर्जदार का नाम	नीलामी शाखा पता
शाखा का नाम : दिल्ली-आजाद मार्केट		आईसीआईसीआई बैंक लि., 10111, लाइब्रेरी रोड, आजाद मार्केट, दिल्ली-110006
738857000074	अमन महाजन	
शाखा का नाम : दिल्ली-बुराड़ी		आईसीआईसीआई बैंक लि., 876/2, मेन रोड, संत नगर, बुराड़ी, दिल्ली-110084
401457000157	अजय त्रिपाठी	
शाखा का नाम : दिल्ली-सी3, जनकपुरी		आईसीआईसीआई बैंक लि., सी-3/10, अपर ग्राउंड फ्लोर, जनकपुरी, दिल्ली-110058
400305000812	मोहम्मद शमीम	
शाखा का नाम : दिल्ली-कालकाजी मेन रोड		आईसीआईसीआई बैंक लि., शॉप नंबर जी1, जी2 और एलजीएफ1, प्लॉट नंबर एफ1, कालकाजी, नई दिल्ली-110019
399357000089	प्रशांत कुमार शर्मा	
399357000122	शैक परवीज अहमद	
शाखा का नाम : दिल्ली-नजफगढ़ रोड		आईसीआईसीआई बैंक लि., 20-ए, शिवाजी मार्ग, मोती नगर, नई दिल्ली-110015
235657000075	धीरज बसोया	
शाखा का नाम : दिल्ली-न्यू राजिन्दर नगर		आईसीआईसीआई बैंक लि., डी-139, न्यू राजिंदर नगर, दिल्ली-110060
164205000788	राहुल शर्मा	
शाखा का नाम : दिल्ली-प्रताप बाग		आईसीआईसीआई बैंक लि., मकान नंबर 15, वीर नगर, जैन कॉलोनी, मेन जीटी रोड, राणा प्रताप बाग, दिल्ली-110007
409357000054	अब्दुल करीम	
409357000055	अब्दुल करीम	
शाखा का नाम : दिल्ली-कैलाश कॉलोनी		आईसीआईसीआई बैंक लि., एचएस 28, कैलाश कॉलोनी मार्केट, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-110048
662757015128	दीपक आहूजा	
शाखा का नाम : दिल्ली-ई-14 डिफैंस कॉलोनी		आईसीआईसीआई बैंक लि., ई 14, ग्राउंड फ्लोर, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024
630057002392	दीप्ति अग्रवाल	
शाखा का नाम : दिल्ली-ग्रीन पार्क मार्केट		आईसीआईसीआई बैंक लि., प्लॉट नंबर 25, ब्लॉक एस, ग्रीन पार्क मेन मार्केट, नई दिल्ली-110016
813657000042	तरूण विकल	
813657000044	तरूण विकल	
शाखा का नाम : दिल्ली-कृष्णा नगर		आईसीआईसीआई बैंक लि., ई 5/19, कृष्णा नगर, दिल्ली-110051
102457000150	अमीन	
102457000157	अमीन	
शाखा का नाम : दिल्ली-लाजपत नगर4		आईसीआईसीआई बैंक लि., 17-ए, रिंग रोड, लाजपत नगर 4, नई दिल्ली-110024
071457000076	अवतार सिंह	
शाखा का नाम : दिल्ली-महारानी बाग		आईसीआईसीआई बैंक लि., 12, डॉ. सीवी रमन मार्ग, तैमूर नगर, नई दिल्ली-110065
342657000035	मनोज कुमार	
शाखा का नाम : दिल्ली-माउंट कैलाश		आईसीआईसीआई बैंक लि., अमृत हाउस, 17, अपर ग्राउंड फ्लोर, संत नगर, नई दिल्ली-110065
799857000018	बबन कुमार	
शाखा का नाम : दिल्ली-पुष्प विहार		आईसीआईसीआई बैंक लि., शॉप नंबर 21, एलएससी मदनगीर, नई दिल्ली-110062
336057000052	कुमारी सिमरन	
336057000053	कुमारी सिमरन	
शाखा का नाम : नई दिल्ली-अमर कॉलोनी		आईसीआईसीआई बैंक लि., बी-122, दयानंद कॉलोनी, अमर कॉलोनी के सामने, लाजपत नगर-IV, नई दिल्ली-110024
540757000026	नेहाशिल्पी दीपक चौधरी	
शाखा का नाम : नई दिल्ली-चितरंजन पार्क		आईसीआईसीआई बैंक लि., अपर ग्राउंड फ्लोर, बी-109, सीआर पार्क, नई दिल्ली-110019
757757000062	हालिमा शाह	
757757000065	हालिमा शाह	
757757000068	नीना सरफराज	
शाखा का नाम : नई दिल्ली-कम्यूनिटी सेंटर		आईसीआईसीआई बैंक लि., 33, कम्युनिटी सेंटर, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली-110025
004657000437	अलीना मसूद	
शाखा का नाम : नई दिल्ली-दरियागंज		आईसीआईसीआई बैंक लि., 112, ब्लॉक टी, दयानंद रोड, दरियागंज, दिल्ली-110002
033305007065	महताब खान	
शाखा का नाम : नई दिल्ली-दिलशाद कॉलोनी		आईसीआईसीआई बैंक लि., जी-20, दिलशाद कॉलोनी, दिल्ली-110095
112757000108	शहजाद	
112757000113	शीतल	
शाखा का नाम : नई दिल्ली-दिलशाद गार्डन		आईसीआईसीआई बैंक लि., प्लॉट नंबर 5, ब्लॉक बी, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, दिलशाद गार्डन, नई दिल्ली-110095
113357000233	धीरेन्द्र सिंह	
शाखा का नाम : नई दिल्ली-ईस्ट ऑफ कैलाश ब्लॉक-ए		आईसीआईसीआई बैंक लि., ए 9, ग्राउंड फ्लोर, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065
347557000103	नीना सरफराज	
शाखा का नाम : नई दिल्ली-ग्रेटर कैलाश		आईसीआईसीआई बैंक लि., डब्ल्यू57, ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली-110048
002957000512	दीपक आहूजा	
शाखा का नाम : नई दिल्ली-करोल बाग		आईसीआईसीआई बैंक लि., 2692, डी.बी. गुप्ता रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005
629157006952	अभिषेक गुप्ता	
शाखा का नाम : नई दिल्ली-लॉरेंस रोड		आईसीआईसीआई बैंक लि., सी 34/4, लॉरेंस रोड इंडस्ट्रियल एरिया, लॉरेंस रोड, नई दिल्ली दिल्ली-110035
083057000193	अभिनव अग्रवाल	
शाखा का नाम : नई दिल्ली-लोक विहार		आईसीआईसीआई बैंक लि., 168, लोक विहार, पीतमपुरा, नई दिल्ली - 110034
169457000079	मनोज ठाकुर	
शाखा का नाम : नई दिल्ली-मयूर विहार-फेज-II		आईसीआईसीआई बैंक लि., प्लॉट नंबर 3, एलएससी, मयूर विहार फेज II, निकट नीलम माता मंदिर, दिल्ली-110091
212262001743	अक्षय चौहान	
शाखा का नाम : नई दिल्ली-पंजाबी बाग		आईसीआईसीआई बैंक लि., 19 वेस्ट एवेन्यू, पंजाबी बाग वेस्ट, नई दिल्ली-110026
015557000213	अशोक पाठक	

नीलामी ऊपर तालिका में वर्णित पते/पतों पर और तिथि/तिथियों को आयोजित की जाएगी। समय : अप. 3.00 बजे - अप. 6.00 बजे।
कृपया ध्यान दें कि आईसीआईसीआई बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के नीलामी की तिथि/स्थान/नीलामी का मोड परिवर्तित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
इच्छुक पार्टियां नीलामी के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु उपरोक्त शाखा/शाखाओं में पधार सकते हैं।
दिनांक : 21.07.2026
स्थान : सेंट्रल दिल्ली, ईस्ट दिल्ली, नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली, शाहदरा, साउथ दिल्ली, साउथ-ईस्ट दिल्ली, साउथ-वेस्ट दिल्ली, वेस्ट दिल्ली

भवदीय, हस्ता/- प्राधिकृत हस्ताक्षरी
कृते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

भारत की युवा शक्ति दुनिया भर में अपनी छाप छोड़ रही

नई दिल्ली। 58वें इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में गोल्ड मेडल जीतने पर देबदत्ता प्रियदर्शी, हर्षित सिंघल, कबीर चिल्लर और संदीप कुची की टीम को बधाई। इस प्रतिष्ठित मंच पर यह भारत का अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन था। उनकी काबिलियत, लगन और विज्ञान के प्रति उनके जुनून ने पूरे देश का मान बढ़ाया है। इससे अनगिनत युवा केमिस्ट्री की पढ़ाई करने और उसमें बेहतर करने के लिए प्रेरित होंगे।

निवेशकों को झटका, सरकार इक्विटी पर एलटीसीजी टैक्स खत्म नहीं करेगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- पिछले कुछ दिनों से निवेशकों की एलटीसीजी टैक्स हटाने की मांग थी

पिछले कुछ दिनों से खबरें सामने आ रही थीं कि सरकार जल्दी ही शेयर बाजार में लिस्टेड इक्विटी पर लगने वाला एलटीसीजी टैक्स को हटाने जा रही है। लेकिन अब खुद सरकार की तरफ से ही इस खबर को पूरी तरह से गलत बता दिया गया है। हाल ही में केंद्र सरकार के एक मंत्री ने बताया है कि सरकार किसी भी टैक्स को हटाने की कोई प्लानिंग नहीं कर रही है। दरअसल सोमवार को लोकसभा में केंद्र सरकार के एक मंत्री ने साफ कर दिया कि लिस्टेड शेयरों पर लगने वाले लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) टैक्स को हटाने की फिलहाल कोई प्लानिंग नहीं है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि सरकार के पास रिटेल और घरेलू निवेशकों के लिए इस टैक्स को खत्म करने का कोई प्रस्ताव ऐसा नहीं है जिस पर कोई सोच- विचार किया जा रहा हो। पिछले कुछ दिनों में कई निवेशकों और मार्केट एक्सपर्ट्स ने एलटीसीजी टैक्स हटाने की मांग की थी। उनका कहना है कि ये टैक्स लंबी अवधि के निवेश को निराश करता है और निवेशकों का मुनाफा कम कर देता है। कुछ लोगों ने ये भी मांग की है कि घरेलू निवेशकों को भी वही टैक्स रिलीफ मिले, जो हाल ही में सरकारी बॉन्ड में निवेश करने वाले कुछ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को दी गई है।

इंटरनेशनल केमेस्ट्री ओलंपियाड में 4 में से 3 गोल्ड मेडल एलन स्टूडेंट्स को, भारत रैंक-1 पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोटा

इंटरनेशनल ऑफिशियल ओलम्पियाड्स में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट लगातार देश का मान बढ़ा रहा है। हाल ही में इंटरनेशनल फिजिक्स ओलम्पियाड (आईपीएचओ) के बाद अब इंटरनेशनल कैमेस्ट्री ओलम्पियाड (आईसीएचओ) में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने 4 में से 3 गोल्ड मैडल हासिल किए हैं। 4 गोल्ड मैडल के साथ इस इंटरनेशनल ओलम्पियाड में 93 देशों में भारत, चीन व वियतनाम संयुक्त रूप से रैंक-1 पर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि पर स्टूडेंट्स को बधाई दी है। 58वें इंटरनेशनल कैमेस्ट्री ओलंपियाड (आईसीएचओ) 2026 का फाइनल उज्बेकिस्तान के ताशकंद में 10 से 19 जुलाई तक आयोजित किया गया। भारतीय टीम में शामिल एलन के क्लासरूम स्टूडेंट कक्षा 11 के देबदत्ता प्रियदर्शी व हर्षित सिंगला और कक्षा 12 के कबीर छिल्लर ने गोल्ड मैडल जीते। एलन कोटा में पढ़े कबीर छिल्लर ने जेईई-एडवांस्ड 2026 में ऑल इंडिया रैंक-2 हासिल की थी। इसके साथ ही देबदत्ता प्रियदर्शी भी एलन कोटा में जेईई-एडवांस्ड की कोचिंग कर रहा है। एलन के सीईओ नितिन कुकरेजा ने इस उपलब्धि पर स्टूडेंट्स व पालकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि सिर्फ एलन की नहीं वरन देश की उपलब्धि है।

एब्सोल्यूट, जिंदल सुप्रीम को निर्गम लाने की मंजूरी

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने एब्सोल्यूट प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड और जिंदल सुप्रीम (इंडिया) लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने की मंजूरी दे दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की तरफ से सोमवार को जारी अद्यतन सूचना के मुताबिक, दोनों कंपनियों को 17 जुलाई को नियामकीय टिप्पणी मिली है, जो आईपीओ लाने की मंजूरी है। दोनों कंपनियों ने अप्रैल-मई के दौरान आईपीओ की मंजूरी के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे। बिजली पारेषण और वितरण अवसंरचना परियोजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़ी एब्सोल्यूट प्रोजेक्ट्स का आईपीओ पूरी तरह दो करोड़ नए इक्विटी शेयरों का निर्गम होगा।

इंडो एमआईएम का आईपीओ 23 जुलाई को खुलेगा

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी इंडो एमआईएम लिमिटेड ने अपने 3,812 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 461-485 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन करीब 24,000 करोड़ रुपये आंका गया है। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि यह निर्गम 23 जुलाई को खुलेगा और 27 जुलाई को बंद होगा। बड़े निवेशक 22 जुलाई को बोली लगा पाएंगे।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, संरचनात्मक सुधारों में तेजी लानी होगी

भारत संरचनात्मक सुधारों से आठ से नौ प्रतिशत वृद्धि हासिल कर सकता है: सुब्रमण्यम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमण्यम ने सोमवार को कहा कि भारत कारोबार करने और वित्तपोषण की लागत कम करने के लिए संरचनात्मक सुधारों में तेजी लाकर आठ से नौ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। उन्होंने भूमि, श्रम और पूंजी जैसे कारक बाजारों में सुधारों के साथ-साथ न्यायिक और नौकरशाही सुधार लागू करने की वकालत की।

सुब्रमण्यम ने कहा, ''वृहद आर्थिक स्थिरता ने भारत को सात प्रतिशत वृद्धि तक पहुंचाया। संस्थागत सुधार भारत को नौ प्रतिशत वृद्धि तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा, ''जब निजी निवेश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सा 30 प्रतिशत से अधिक था, तब भारत ने आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हासिल की थी। अभी यह लगभग 22-23 प्रतिशत है, यानी लक्ष्य से सात से आठ प्रतिशत कम।''

एनपीए कई दशकों से निचले स्तर पर

सुब्रमण्यम ने कहा, ''तब हम सात प्रतिशत से नौ प्रतिशत वृद्धि की छलांग लगाएंगे।'' उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों के सार्वजनिक पूंजीगत व्यय ने वह बुनियादी ढांचा तैयार किया है, जिसके बाद निजी निवेश आता है।

सुब्रमण्यम ने नौकरशाही सुधार लागू करने की वकालत की

आर्थिक स्थिरता ने भारत को सात प्रतिशत वृद्धि तक पहुंचाया

संस्थागत सुधार भारत को नौ प्रतिशत वृद्धि तक ले जा सकते हैं

एफडीआई में तेज गिरावट रही : एफडीआ और पोर्टफोलियो निवेश में तेज गिरावट पर सुब्रमण्यम ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आक्रामक मौद्रिक सख्ती से सभी उभरते बाजारों से पूंजी डॉलर परिसंपत्तियों की ओर चली गई।

भारत को चैटजीपीटी बनाने की जरूरत नहीं

सुब्रमण्यम ने कहा, ''भारत को अगला चैटजीपीटी बनाने की जरूरत नहीं है। भारत को स्वास्थ्य, शिक्षा, विनिर्माण, एमएसएमई और सबसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक प्रशासन एवं नियमन में एआई का दुनिया का सबसे प्रभावी उपयोगकर्ता बनना चाहिए। एआई का तेज और व्यापक इस्तेमाल ही उत्पादकता वृद्धि तय करेगा। भारत को यही दौड़ जीतनी है।''

सुब्रमण्यम भारत के 17वें आर्थिक सलाहकार रहे

2018 से 2021 तक भारत के 17वें मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे और बाद में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में कार्यकारी निदेशक रहे सुब्रमण्यम हाल में शिकागो विश्वविद्यालय के 85 वर्षीय इतिहास में 'एलुमनाई अवॉर्ड फॉर प्रोफेशनल अचीवमेंट' पाने वाले पहले भारतीय अर्थशास्त्री बने हैं।

भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत है

प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत की व्यापक आर्थिक बुनियाद मजबूत है और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निकट अवधि में अर्थव्यवस्था को सहारा मिलेगा। उन्होंने कहा, ..हमें सात प्रतिशत से नौ प्रतिशत वृद्धि तक पहुंचाने वाली अगली लहर भूमि, श्रम और पूंजी जैसे कारक बाजारों के साथ न्यायिक और नौकरशाही सुधारों की होगी।

कच्चा तेल 90 डॉलर पार करने के बाद फिसला

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- ईरान के विदेश मंत्री के बयान से कच्चे तेल में आई गिरावट
- यूएस ने युद्ध रोकने ईरान को दिए कई प्रपोजल

कच्चे तेल की कीमतें आज 20 जुलाई की सुबह 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई थीं, लेकिन दोपहर करीब 1:40 बजे इनमें अचानक गिरावट देखने को मिली है। अब कच्चे तेल का भाव 88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर क्रूड ऑयल की कीमतें अचानक क्यों फिसल गईं।

असल में, ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री का बयान आया है कि यूएस युद्ध रोकने के लिए कई प्रपोजल मिले हैं। ईरान ने ये भी कहा है कि एमयूओ तभी सार्थक होगा जब पक्ष प्रतिबद्ध होंगे। साथ ही, यूएस वॉर क्राइन रोकने की भी ईरान हर कोशिश करेगा। ईरान के इस बयान के बाद ही कच्चे तेल में गिरावट आई है। इसी बीच बाजार में भी रिकवरी का मूड नजर आया है। मिडकैप और स्मॉलकैप में भी अच्छा रिकवरी देखी जा रही है। बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की वजह से आज कच्चे तेल की कीमतों में 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली थी। ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया था। सोमवार सुबह अमेरिका ने लगातार नौवें दिन हमले किए, जबकि ईरान भी मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सहयोगी देशों से जुड़े ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई करते हुए नजर आया।

इसी वजह से तेल सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ी और क्रूड की कीमतों में उछाल आया। हालांकि, बाद में गिरावट देखने को मिली। फिलहाल कच्चे तेल पर अभी भी नजर रखने की जरूरत है।

सेंसेक्स 443 अंक टूटा

एजेंसी ⏭ मुंबई

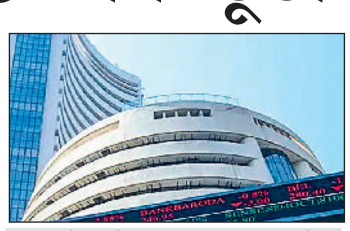

- एचडीएफसी और एक्सिस बैंक में भारी बिकवाली
- खाड़ी युद्ध में तनाव बढ़ने से भी बाजार प्रभावित

स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। मार्जिन संबंधी दबाव को लेकर एचडीएफसी और एक्सिस बैंक जैसे प्रमुख बैंकों के शेयरों में बिकवाली के साथ अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से बीएसई सेंसेक्स 443 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी 96 अंक के नुकसान में रहा।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 442.93 अंक टूटकर 77,708.52 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 783.16 अंक टूटकर 77,368.29 अंक पर आ गया था। निफ्टी 95.80 अंक टूटकर 24,238.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में, एक्सिस बैंक सबसे अधिक नुकसान में रहा। बीते शनिवार को तिमाही नतीजों के बाद इसमें 5.48 प्रतिशत की गिरावट आई।

सोना 1,400 रुपये चढ़ा, चांदी में 1,000 रुपये की गिरावट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- सोना बढ़कर 1.47 लाख रुपए प्रति दस ग्राम पहुंचा
- चांदी टूटकर 2,21,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई

मजबूत वैश्विक रुझानों के बीच राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमतों में 1,400 रुपये की तेजी आई और यह करीब 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,400 रुपये बढ़कर 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गया जबकि शुक्रवार को यह 1,45,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमतों में लगातार छठे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। चांदी 1,000 रुपये टूटकर 2,21,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। पिछले सत्र में यह 2,22,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। चांदी में 10 जुलाई के बाद से अब तक कुल 15,500 रुपये यानी करीब 6.5 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। सर्राफा कारोबारियों ने कहा कि पिछले सप्ताह की तेज गिरावट के बाद सोने में निचले स्तर पर खरीदारी देखने को मिली, जिससे इसकी कीमतों को सहारा मिला। वहीं, चांदी में बिकवाली का दबाव बना रहा, क्योंकि निवेशक भू-राजनीतिक जोखिमों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को ऊंचे स्तर पर बनाए रखने की संभावनाओं का आकलन कर रहे हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "अंतरराष्ट्रीय बाजारों से सकारात्मक संकेत मिलने और पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद सस्ते स्तर पर खरीदारी आने से सोमवार को सोने में तेजी आई।" उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर में नरमी से भी विदेशी खरीदारों के लिए सोना अधिक आकर्षक बना।

वैश्विक बाजार में सराफा रहा तेज

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना मामूली बढ़त के साथ करीब 4,020 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी करीब दो प्रतिशत चढ़कर 57 डॉलर प्रति औंस के आसपास पहुंच गई। कोटक सिक्योरिटीज की सहायक उपाध्यक्ष (जिंस अनुसंधान) कायनात चैनवाला ने कहा कि अमेरिका-ईरान तनाव के बीच मध्यस्थता के प्रयास जारी रहने से बाजार पर असर पड़ा है।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान रहेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। तरक्की के योग हैं।

वृष — मन थोड़ा परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। कारोबारी कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — वाणी में मधुरता रहेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।

सिंह — आत्मविश्वास भी बहुत रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मीठे खानपान में रुचि बढ़ेगी। खर्च बढ़ेंगे। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

कन्या — किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती हैं।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार में सुधार होगा। कारोबार के विस्तार के लिए पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता के योग हैं।

वृश्चिक — किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार से लाभ के अवसर भी मिल सकते हैं। यात्रा के सुखद परिणाम मिलेंगे।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज तो रहेंगे, परन्तु मन अशान्त भी हो सकता है। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।

मकर — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंता परेशान करेंगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे, परन्तु आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। खर्च अधिक रहेगा। मित्रों से भेंट होगी।

न्यू जर्सी और टेक्सास में काम करने वाले कर्मचारियों को किया प्रभावित

सैमसंग में बड़ी छंटनी की खबर! सैकड़ों कर्मचारियों की नौकरी गई

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने अमेरिका में अपने कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस से जुड़े कई कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने मुख्य रूप से न्यू जर्सी और टेक्सास में काम करने वाले कर्मचारियों को प्रभावित किया है।

यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब सैमसंग अपने अमेरिकी मुख्यालय को न्यू जर्सी से टेक्सास शिफ्ट कर रही है। इस बदलाव के तहत कई कर्मचारियों को नई जगह पर काम करने का विकल्प दिया गया है, जबकि जो कर्मचारी स्थानांतरण के लिए तैयार नहीं थे या जिनकी भूमिका अब जरूरी नहीं रही, उन्हें नौकरी छोड़नी पड़ी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग के न्यू जर्सी स्थित कार्यालय में करीब 739 पद प्रभावित हुए हैं।

मोबाइल कारोबार पहली बार घाटे में जा सकता है :

दूसरी ओर मोबाइल फोन, टीवी और होम अप्लायंसेज जैसे कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस पर दबाव बढ़ गया है। एआई चिप्स की लागत बढ़ने से इन उत्पादों की लागत भी बढ़ी है, जबकि एप्पल, टीसीएल और हाइसेंस जैसी कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सैमसंग का मोबाइल कारोबार पहली बार घाटे में जा सकता है।

चिप प्लांट से कमाया रिकॉर्ड मुनाफा

दरअसल, सैमसंग इस समय दो अलग-अलग परिस्थितियों का सामना कर रही है। एक ओर कंपनी का चिप बिजनेस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती मांग की वजह से रिकॉर्ड मुनाफा कमा रहा है। कंपनी ने हाल ही में नए चिप प्लांट लगाने के लिए अरबों डॉलर के निवेश की भी घोषणा की है। टेक इंडस्ट्री में यह पहली बड़ी छंटनी नहीं है। पिछले कुछ महीनों में माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, मेटा, टेस्ला और ओराकेल जैसी कई वैश्विक कंपनियां भी कर्मचारियों की संख्या कम कर चुकी हैं। अधिकांश कंपनियां रेगुलर कारोबार से निवेश हटाकर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और नई तकनीकों पर ज्यादा खर्च कर रही हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/
(84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हिरदेश पुत्र नरेन्द्र कुमार पता: मकान नं 5/747 मैन रोड़ बुरारी बाहरी जिला दिल्ली ने एफआईआर संख्या 131/2019 धारा 323/341/506 भा.द.स. के तहत थाना:** कल्याणपुरी, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **हिरदेश** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **हिरदेश** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 131/2019 धारा 323/341/506 भा.द.स. के तहत थाना: कल्याणपुरी, दिल्ली के उक्त हिरदेश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
प्रज्ञा गुप्ता
मुख्य दण्डाधिकार मजिस्ट्रेट
पुर्वी जिला, कोर्ट नं.29
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/9864/ED/2026

शब्द पहेली - 6293

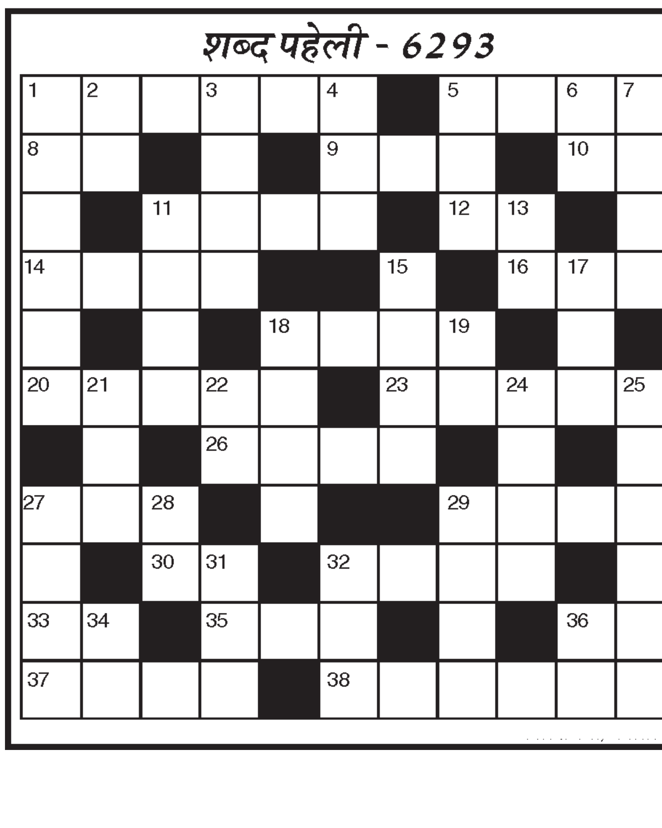

बाएँ से दाएँ
1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे
1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली- 6292 का हल

ह	ल	च	ल		टा		द	वा	खा	ना
	क्ष्य		व		ल	क	वा		र	ज
ज			कु	सु	म		त			नी
ब	द	मा	श		टो	ना		सौ	त	न
र		हि		फा	ल		प्रा		न	
न	ग	र	वा	सी		ग	ण	ना	य	क
	र		द		मा	ली		पा		ल
अ	ल	ग		म	न		चौ	की	दा	र
प			चि		सि	स	की			व
रा	ज		क	न	क		दा		मे	
ध	ड़	क	न		ता		री	मा	ला	गू

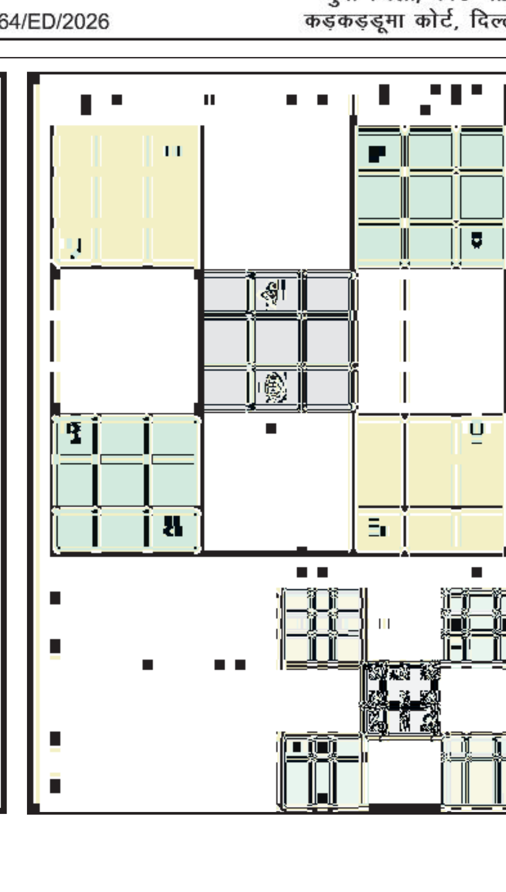

लगातार दूसरी बार एमबाप्पे के नाम गोल्डन बूट, रौड़ी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

स्पेन के गोलकीपर युनाइ सिमोन ने जीता 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार

एजेंसी ▶▶| ईस्ट रदरफोर्ड

फ्रांस के कीलियन एमबाप्पे लगातार दो विश्व कप में 'गोल्डन बूट' जीतने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बन गए और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का 'गोल्डन बॉल' पुरस्कार लियोनेल मेस्सी को नहीं बल्कि स्पेन के कप्तान रौड़ी को मिला।

स्पेन ने अर्जेंटीना का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना तोड़ा और उसके कप्तान रौड़ी ने मेस्सी को व्यक्तिगत पुरस्कार से भी वंचित कर दिया। सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का 'गोल्डन ग्लव' पुरस्कार टूर्नामेंट में महज एक गोल गंवाने वाले स्पेन के युनाइ सिमोन ने जीता जबकि स्पेन के ही पाउ कुबारासी ने अपनी ही टीम के लामिन यमाल को पछाड़कर सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया। फाइनल में अर्जेंटीना को स्पेन ने एक गोल से हरा दिया और लियोनेल मेस्सी एक भी गोल नहीं कर सके।

स्पेन कप्तान रौड़ी

स्पेन के कप्तान रौड़ी ने जीता गोल्डन बॉल का खिताब

मेस्सी को रिकॉर्ड तीसरी बार 'गोल्डन बॉल' मिलने की उम्मीद थी, जो दो बार यह पुरस्कार जीत चुके हैं। 39 वर्ष की उम्र में लगातार दूसरी बार अर्जेंटीना को फाइनल तक ले जाने के कारण उनका दावा मजबूत भी था लेकिन स्पेन को 2010 के बाद दूसरा खिताब दिलाने वाले कप्तान रौड़ी को चुना गया। मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर रौड़ी ने टूर्नामेंट में कोई गोल नहीं किया लेकिन मिडफील्ड में पासिंग और गेंद पर नियंत्रण के कारण स्पेन की जीत के सूत्रधार रहे। वह युएफा चैंपियंस लीग, बलोन डिओर और विश्व कप जीतने वाले 11वें पुरुष खिलाड़ी बने।

वर्ल्ड कप के बेहतरीन रिकॉर्ड

1 हैट्रिक मारने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी मेसी
2 नॉकआउट में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने एम्बाप्पे
3 लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम बनी स्पेन
4 स्पेन, एक सीजन में सबसे कम गोल खाने वाली टीम
5 एम्बाप्पे के वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत गोल
6 6 विश्व कप में गोल करने वाले इकलौते खिलाड़ी बने रोनाल्डो
7 ग्रुप स्टेज में सबसे ज्यादा हुए 215 गोल
8 स्पेन टीम के लुइस डे ला फुएंते सबसे उम्रदराज मैनेजर
9 एक संस्करण में हुए सबसे ज्यादा 308 गोल
10 एम्बाप्पे बने लगातार दो गोल्डन बूट जीतने वाले इकलौते खिलाड़ी
11 78 वर्षीय कोच डिक ऐडवोकाट बने सबसे उम्रदराज कोच
12 मेसी और रोनाल्डो बने सबसे ज्यादा विश्व कप खेलने वाले खिलाड़ी
13 केप वर्डे बना विश्व कप खेलने वाला सबसे छोटा देश

अर्जेंटीना के गोलकीपर मार्टिनेज ने बनाया रिकॉर्ड

अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने अपने साथियों की अधीरता के विपरीत बेहद धैर्य से काम लिया और यही वजह थी कि वह स्पेन के खिलाफ विश्व कप के फाइनल में 11 बचाव करने में सफल रहे, जो टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले का नया रिकॉर्ड है। लेकिन आखिर में एक मौके पर उनकी भी नहीं चल पाई और स्पेन ने इस मौके का फायदा उठाकर दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। लेकिन अगर 2022 विश्व कप विजेता गोलकीपर मार्टिनेज ने प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं किया होता तो हार का अंतर इससे ज्यादा होता। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा इस्तेमाल करके रिकॉर्ड 11 बचाव किए। स्पेन लगातार हमला करता रहा, लगातार शॉट मारता रहा और आखिरकार एक गोल करके बढ़त बना ली, जिससे स्टेडियम में जोरदार जश्न का माहौल छा गया। स्पेन के प्रशंसक नाचने लगे, एक-दूसरे को गले लगाने लगे और ताजपोशी से पहले झंडा लहराने लगे।

फीफा प्रमुख इन्फेंटिनो ने तय की 60 हजार मील की दूरी

न्यूयॉर्क। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने समाप्त हुए विश्व कप के दौरान लगभग 60 हजार मील की दूरी तय की और इस दौरान लगभग 115 घंटे विमान में बिताए। इन्फेंटिनो ने अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में खेले गए विश्व कप के दौरान तीन देशों के 16 शहरों का दौरा किया। उनकी यह यात्रा आखिर में अर्जेंटीना और स्पेन के बीच न्यू जर्सी में खेले गए फाइनल मुकाबले के साथ समाप्त हुई। इन्फेंटिनो ने टूर्नामेंट के दौरान विश्व कप के 44 मैच देखे। उन्होंने विश्व कप के सभी 16 स्टेडियमों में कम से कम एक मैच जरूर देखा। मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में उन्होंने सर्वाधिक पांच मैच देखे। फीफा प्रमुख ने 13 दिन दो-दो मैच देखे और वह भी ऐसे स्टेडियमों में, जो सैकड़ों मील दूर स्थित थे। इस बीच उनके विमान ने 21 हवाई अड्डों से उड़ान भरी या उनमें उतरा। सेमीफाइनल तक उनके विमान ने 23 बार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार की। इन्फेंटिनो ने इस दौरान केवल मैच देखने के लिए एक शहर से दूसरे शहर जाने में 59,281 मील (95,403 किलोमीटर) की दूरी तय की। इनमें से 26 जून को 5,772 मील (9,289 किलोमीटर) तय की गई दूरी भी शामिल है। इसकी शुरुआत मियामी से डलास की सुबह की उड़ान से हुई। वहां से विमान सिएटल गया जहां इन्फेंटिनो ने मिस्र और ईरान का मैच देखा। उनका विमान उसी रात सिएटल से रवाना हुआ और अगली सुबह मियामी पहुंचा। इन्फेंटिनो ने वहां कोलंबिया और पुर्तगाल का मैच देखा।

आखिरी मैच में बेनूर रहे मेस्सी

मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे उनके समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने-कोने में देर रात टीवी के आगे नजरें गड़ाए बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेस्सी लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। मेस्सी लगातार दूसरी बार चैंपियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा। एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेस्सी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी।

नाथन स्मिथ ने जीता प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब

शुभमन गिल और ऑलराउंडर मोसाद्देक को पीछे छोड़ा

एजेंसी ▶▶| दुबई

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ के लिए 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' चुने गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कीवी खिलाड़ी ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेशी ऑलराउंडर मोसाद्देक हुसैन जैसे दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया है। 27 वर्षीय स्मिथ ने इंग्लैंड में खेली गई 3 मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 23 की औसत से सर्वाधिक 16 विकेट चटकाए थे।

जीत में योगदान देना बहुत संतोषजनक रहा : स्मिथ

नाथन स्मिथ ने कहा, यह वाकई बहुत खास है। टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है। मैं आमतौर पर व्यक्तिगत अवॉर्ड के लिए नहीं खेलता, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी जरूरी बात यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया। व्यक्तिगत रूप से, जीत में योगदान देना बहुत संतोषजनक रहा।

डैनी वायट-हॉज ने जीता विमेंस 'प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड

इंग्लैंड की ओपनर डैनी वायट-हॉज को जून के लिए 'आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड का विजेता चुना गया है, जिन्होंने 'आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप' में शानदार प्रदर्शन किया था। डैनी ने स्कॉटलैंड की कप्तान कैथरीन ब्राइस और भारत की लेफ्ट-आर्म स्पिनर श्रीचरणी को पछाड़कर यह अवॉर्ड अपने नाम किया है। इससे पहले नवंबर 2024 में भी डैनी इस खिताब को अपने नाम कर चुकी थीं।

दलीप ट्रॉफी : गायकवाड़ संभालेंगे वेस्ट जोन की कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय ओपनर ऋतुराज गायकवाड़ को आगामी दलीप ट्रॉफी के लिए वेस्ट जोन टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि अनुभवी बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर शम्स मुलानी को उप-कप्तानी सौंपी गई है। यह टीम जोनल सिलेक्शन कमिटी की बैठक के बाद घोषित की गई। दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ग्राउंड्स पर खेला जाएगा। पिछले साल, भारत के सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने वेस्ट जोन की कमान संभाली थी। टीम सेमीफाइनल तक तो पहुंची, लेकिन इससे आगे नहीं बढ़ सकी, क्योंकि सेंट्रल जोन ने पहली पारी में बढ़त हासिल कर ली थी। अब, आगामी टूर्नामेंट के लिए कप्तानी की जिम्मा गायकवाड़ को सौंप दिया गया है।

टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु में खेला जाएगा

देसाई और पटेल स्पेशलिस्ट विकेटकीपर

वेस्ट जोन के खेमे में हार्विक देसाई और उर्विल पटेल के रूप में दो स्पेशलिस्ट विकेटकीपर को शामिल किया गया है। गायकवाड़ के अलावा, पृथ्वी शॉ और खान बंधु (सरफराज और मुशीर) भी टीम में हैं। स्पिन बॉलिंग की जिम्मेदारी उप-कप्तान मुलानी, ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियान और बाएं हाथ के स्पिनर सिद्धार्थ देसाई को सौंपी गई है। तेज गेंदबाजी विभाग में ठाकुर के साथ-साथ तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी और ऑलराउंडर अतीत सेठ शामिल हैं।

वनडे सीरीज : न्यूजीलैंड की वेस्टइंडीज पर रोमांचक जीत, श्रृंखला की अपने नाम

एजेंसी ▶▶| ब्रिजटाउन

मार्क चैपमैन ने 80 रन बनाए और मिचेल सैंटनर ने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ अच्छा तालमेल बिठाया, जिससे न्यूजीलैंड ने चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज पर 1 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड को जब तीन रन की जरूरत थी और एक विकेट हाथ में था, तभी सैंटनर को जीवनदान मिला। अंतिम बल्लेबाज जेडन लेनोक्स विकेटकीपर के हाथों कैच आउट और एलबीडब्ल्यू के लिए 'रिव्यू' से बचे। इसके बाद न्यूजीलैंड ने 35 गेंदें शेष रहते वेस्टइंडीज के 188 (सभी आउट) के स्कोर को 9 विकेट खोकर पार कर दिया। न्यूजीलैंड के कप्तान सैंटनर ने 45वें ओवर की पहली गेंद पर विजयी रन बनाया। वह 34 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे वेस्टइंडीज की सीरीज बराबर करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया।

रोहित ने हमें संन्यास के बारे में कुछ नहीं बताया : शुभमन

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर को लेकर उनसे कोई बात नहीं की है, जिनके संन्यास को लेकर पिछले कुछ दिनों से अटकलों का बाजार गर्म था। गिल से पूछा गया कि क्या रोहित ने उन्हें अपने भविष्य को लेकर कुछ संकेत दिया है। गिल ने कहा, 'हमें उनसे बात करने का मौका ही नहीं मिला। उन्होंने (रोहित ने) हमें कुछ नहीं बताया। मुझे लगता है कि सारी बातें मीडिया में आ चुकी हैं। लेकिन इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है।' गिल ने कहा, 'रोहित भाई ने बड़े ही शानदार तरीके से पारी को संवारा। मैं नॉन-स्ट्राइकर छोर से उनकी बल्लेबाजी देख रहा था।

आज से चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सिंधू के कंधों पर भारतीय चुनौती, सात्विक-चिराग बाहर

एजेंसी ▶▶| चांग्झू

स्टार शटलर पीवी सिंधू मंगलवार से शुरू हो रहे चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी लेकिन पुरुष युगल की शीर्ष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी कंधे की चोट से उबर रहे सात्विक के कारण इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेगी। भारतीय टीम बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर पर पिछले सप्ताह के शानदार प्रदर्शन की लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी। सिंधू लगभग दो वर्ष बाद जापान ओपन का खिताब जीतकर बेहतरीन लय में चीन पहुंची हैं।

सिंधू और उन्नति में होगा मुकाबला

सिंधू अपने अभियान की शुरुआत हमवतन उन्नति हुड्डा के खिलाफ करेंगी। दूसरे दौर में उनका सामना चीन की चौथी वरीयता प्राप्त चेन यू फेई से हो सकता है। महिला एकल में भारत की अन्य खिलाड़ी देविका सिहाग अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ करेंगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी का सामना पहले दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से होगा। पुरुष युगल में हरिहरन अम्साकरुणन और एम.आर. अर्जुन की जोड़ी अपने पहले मुकाबले में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी से भिड़ेगी।

जापान के युशी तनाका से भिड़ेंगे लक्ष्य

पुरुष एकल में भारत की चुनौती का जिम्मा लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और अनुभवी एचएस प्रणय संभालेंगे। लक्ष्य सेन शुरुआती दौर में जापान के युशी तनाका से भिड़ेंगे। आयुष शेट्टी का सामना इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा, प्रणय पहले दौर में मलेशिया के लिओंग जुन हाओ से खेलेंगे। मिश्रित युगल में भारत की उम्मीदें तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी पर टिकी होंगी, जिनका पहले दौर में चीन की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी गुओ शिन वा और चेन फांग हुई से मुकाबला होगा।

यूथ टेस्ट

भारतीय अंडर-19 टीम की दमदार बल्लेबाजी, ओझा का नाबाद शतक

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारत की अंडर-19 टीम ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में जारी दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार बल्लेबाजी की। शुरुआती दिन सिर्फ 65 ओवरों का खेल हुआ, जिसमें मेहमान टीम ने 3 विकेट खोकर 253 रन बनाए।

बारिश के बाद गीली आउटफील्ड के कारण इस चार दिवसीय मुकाबले के टॉस में काफी देरी हुई, जिसके बाद श्रीलंकाई कप्तान विमथ दिनसारा ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। मेहमान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही, जिसने 6 ओवरों की समाप्ति तक लक्ष्य राजेश रायचंदानी (0) और सागर विर्क (0) के रूप में दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए। उस समय तक टीम का खाता भी नहीं खुल सका था। इसके बाद कुशाग्र ओझा ने कप्तान यशबर्धन चौहान के साथ तीसरे विकेट के लिए 144 गेंदों में 122 रन जोड़कर पारी को संभाला। शबर्धन चौहान 89 गेंदों में 2 छक्कों और 11 चौकों के साथ 78 रन बनाकर आउट हुए। यहां से कुशाग्र ने मनल चौहान के साथ पारी को आगे बढ़ाया। पहले दिन की समाप्ति तक इस जोड़ी के बीच 210 गेंदों में 131 रन की साझेदारी हो गई थी।विपक्षी खेमे से गिम्हान मेंडिस 42 रन देकर 2 विकेट हासिल कर चुके हैं, जबकि सेथमिका सेनेविरत्ने ने 1 विकेट चटकाया है। श्रीलंका ने तीन मुकाबलों की अनाधिकारिक वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी, जिसके बाद अनाधिकारिक टेस्ट सीरीज का पहला मैच ड्रॉ रहा।

खबर संक्षेप

हार के बाद भी जुटे मेसी के प्रशंसक

ब्यूनस आयर्स। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन से हार के बावजूद अर्जेंटीना के प्रशंसकों का अपनी टीम और लियोनेल मेसी के प्रति प्यार कम नहीं हुआ। हजारों समर्थक ब्यूनस आयर्स के ओबेलिस्को पहुंचे और टीम का हौसला बढ़ाया। हालांकि, खिलाफ फाइनल में 1-0 की हार के बाद ब्यूनस आयर्स स्थित ओबेलिस्को के आसपास बड़ी संख्या में लोग जुटे।

बारामुला में आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले के कांडी वन क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने संयुक्त अभियान के दौरान बड़ी आतंकवाद विरोधी सफलता हासिल की है। जंगल के भीतर छिपाकर रखे गए हथियार, आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंची मोल्दोवा, राष्ट्रपति सैंडू से की मुलाकात

व्यापार, निवेश, सप्लाई चेन सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक गहरा करने पर चर्चा

एजेंसी ▶▶ चिसीनाऊ

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में मोल्दोवा पहुंच गई हैं। उन्होंने माल्दोवा की राष्ट्रपति माइया सैंडू के साथ चिसीनाउ के प्रेसिडेंशियल पैलेस में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग को और अधिक गहरा करने के तरीकों पर चर्चा हुई।

वही हमने हाल के वर्षों में हुई प्रगति की समीक्षा की और उन विभिन्न क्षेत्रों में अपने सहयोग को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की, जो हमारे लोगों के प्रगति और आर्थिक सहयोग की हमारी साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। हम व्यापार और निवेश को बढ़ावा देंगे, सप्लाई चेन को मजबूत करेंगे, कनेक्टिविटी में सुधार करेंगे तथा अपनी बिजनेस कम्युनिटी के बीच घनिष्ठ जुड़ाव को प्रोत्साहित करेंगे।

दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों और भविष्य के अनुकूल पर की चर्चा

राष्ट्रपति मुर्मू का गार्ड ऑफ ऑनर देकर गर्मजोशी से स्वागत किया

दोनों नेताओं ने भारत-मोल्दोवा सहयोग की समीक्षा की

इस बैठक की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चिसीनाउ के प्रेसिडेंशियल पैलेस में मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया सैंडू के साथ बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-मोल्दोवा सहयोग के पूरे स्पेक्ट्रम की समीक्षा की और सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। बातचीत में नए मौके पाने और आपसी संबंधों को बढ़ाने के लिए साझा प्रतिबद्धता को फिर से सुनिश्चित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया सैंडू ने चिसीनाउ में प्रेसिडेंशियल पैलेस में गर्मजोशी से स्वागत किया। भारत की राष्ट्रपति को औपचारिक स्वागत और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। दोनों नेताओं ने हमारी द्विपक्षीय साझेदारी के पूरे दायरे को कवर करते हुए फायदेमंद और भविष्य के अनुकूल बातचीत की।

राष्ट्रपति मुर्मू का मोल्दोवा का पहला दौरा

राष्ट्रपति मुर्मू राष्ट्रपति मैया सेंडू के निमंत्रण पर मोल्दोवा के आधिकारिक दौरे पर पहुंचीं। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति का मोल्दोवा का पहला दौरा है। राष्ट्रपति मुर्मू मोल्दोवा पार्लियामेंट के प्रेसिडेंट इगोर ग्रोसु से मिलेंगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार, वह मोल्दोवा-इंडिया पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप के सदस्यों से भी बातचीत करेंगी। इसके अलावा, वह एक बिजनेस फोरम और भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित करेंगी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत और मोल्दोवा के बीच अच्छे और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। यह दौरा एक अहम और ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा और दोनों देशों के संबंधों को एक बड़ी साझेदारी तक ले जाएगा। खेती, स्वास्थ्य सुविधा और फार्मास्यूटिकल्स, आईटी और शिक्षा के क्षेत्रों में आपसी फायदे वाले सहयोग की अच्छी गुंजाइश है।

राष्ट्रपति मुर्मू व्यापारिक मंच को करेंगी संबोधित

राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि चिशिनाउ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर, मोल्दोवा गणराज्य के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मिहाई पोपसोई ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अपनी यात्रा के पहले चरण के अंतर्गत, राष्ट्रपति मुर्मू मोल्दोवा की राष्ट्रपति माया सैंडू के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगी। वे मोल्दोवा गणराज्य की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रोसु से भी मुलाकात करेंगी। राष्ट्रपति मोल्दोवा-भारत संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों के साथ चर्चा करेंगी। एक व्यापार मंच को संबोधित करेंगी और भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगी।

यूएई प्रतिनिधिमंडल ने ओम बिरला से की मुलाकात

भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर की बात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन मंत्री अब्दुल्ला बिन तूक अल मर्री के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि यूएई के प्रतिनिधिमंडल का संसद भवन में स्वागत करते हुए उन्हें खुशी हुई। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात भारत और यूएई के बीच आपसी विश्वास, साझा हितों और घनिष्ठ सहयोग पर आधारित मजबूत साझेदारी को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा जन-से-जन संपर्क को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई।

दोनों देशों के बीच मजबूत हवाई संपर्क

राम मोहन नायडू ने बताया कि दोनों देशों के बीच मजबूत हवाई संपर्क लंबे समय से द्विपक्षीय साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार रहा है। बैठक में भारत के तेजी से बढ़ते विमानन क्षेत्र में सहयोग के नए अवसरों, विशेष रूप से मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल और विमान निर्माण के क्षेत्र पर विचार-विमर्श किया गया। भारत और यूएई के बीच लंबे समय से व्यापारिक और आर्थिक संबंध रहे हैं। और यह साझेदारी में बदल गया है।

विमानन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे

इस दौरान यूएई के मंत्री अब्दुल्ला बिन तूक अल मरी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से भी मुलाकात की। बैठक में भारत और यूएई के बीच विमानन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

जेलेंस्की ने कहा रूस के हर हमले का जवाब दिया जाएगा

400 किमी दूर तक रूस के अहम ठिकाने पर साधा निशाना, ऑयल डिपो पर भी किया हमला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने रूस के भीतर कई अहम सैन्य और लॉजिस्टिक्स ठिकानों को निशाना बनाया है। उन्होंने साफ किया कि रूस के हर हमले का लगातार जवाब दिया

यूक्रेन के राष्ट्रपत व्लोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी में बताया कि मॉस्को क्षेत्र में हमारी लंबी दूरी की कार्रवाई और प्रतिबंधों का असर दिखा है। दुश्मन के लॉजिस्टिक्स केंद्रों और एक तेल भंडार (ऑयल डिपो) को निशाना बनाया गया। इसके लिए मैं हमारी अनमैन्ड सिस्टम्स फोर्सेज, खुफिया एजेंसियों, मिसाइल और आर्टिलरी बलों, और स्पेशल ऑपरेशंस फोर्सेज के जवानों का धन्यवाद करता हूं। जेलेंस्की ने बताया कि

जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, वे हमारी सीमा से 400 किलोमीटर से भी जयादा दूर थे। इसके अलावा, काला सागर में रूस के तथाकथित शैडो फ्लीट के दो टैंकरों और चार मालवाहक जहाजों को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा की रूस हमारे शहरों और बस्तियों पर जो भी हमला करता है, उसका हम हर बार उचित जवाब दे रहे हैं। इस युद्ध को खत्म होना चाहिए। यह तभी संभव है, जब इस युद्ध की एकमात्र वजह रूस पर दबाव और बढ़ाया जाए।

आईसीएमआर की रिपोर्ट में खुलासा

भारतीयों में हृदय रोग का बढ़ा खतरा 90% लोगों में फैट का स्तर असामान्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर जिस तरह से कम उम्र के लोगों में भी हृदय स्वास्थ्य की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, इससे स्पष्ट होता है कि ये बीमारी केवल बुजुर्गों की नहीं रही है। दिल की बीमारी को लेकर हम अक्सर यही सोचते हैं कि खतरा सिर्फ उन लोगों को होता है जो मोटापे या डायबिटीज का शिकार हैं, जिनका ब्लड प्रेशर हमेशा हाई रहता है। लेकिन हर मामले में ऐसा जरूरी नहीं है। इन्हीं जोखिमों को लेकर भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद आईसीएमार की एक रिपोर्ट ने देश के लोगों में बढ़ती कोलेस्ट्रॉल की समस्या की गंभीर तस्वीर पेश की है। लगभग 90 प्रतिशत वयस्कों के खून में कम से कम एक तरह की फैट का स्तर सामान्य नहीं है। सबसे चिंता की बात यह है कि इनमें बड़ी

संख्या ऐसे लोगों की है जो देखने में बिल्कुल स्वस्थ हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ अब सिर्फ वजन या शुगर देखकर किसी को पूरी तरह स्वस्थ मानने के बजाय समय-समय पर लिपिड प्रोफाइल यानी कोलेस्ट्रॉल की जांच कराने पर जोर दे रहे हैं। इसके पहले की रिपोर्ट्स में चेताया जाता रहा है कि भारत में पहले से ही बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिन्हें हाई ब्लड प्रेशर है, लेकिन उन्हें खुद इसका पता नहीं होता क्योंकि इसके शुरुआती लक्षण अक्सर दिखाई नहीं देते। हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रॉल दोनों को सेहत के लिए गंभीर खतरा माना जाता रहा है।

आर्थिक विकास को समर्थन देने पर चर्चा

भारत ने ब्रिक्स अभियोजन सेवा प्रमुखों की आठवीं बैठक की मेजबानी की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सोमवार से शुरू हुई ब्रिक्स अभियोजन सेवा प्रमुखों की 8वीं बैठक का आयोजन कर रहा है। दो दिवसीय आभासी बैठक भारत के ब्रिक्स के व्यापक दृष्टिकोण लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण को आगे बढ़ाती है। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने कहा कि यह बैठक ब्रिक्स ब्लॉक में आर्थिक विकास को समर्थन देने वाले स्थिर, निष्पक्ष और पूर्वानुमानित ढांचे को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता को उजागर करती है। इस वर्ष के संवाद का एक प्रमुख केंद्र आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और पीड़ित-केंद्रित बनाने का साझा लक्ष्य है। मंत्रालय ने कहा कि सदस्य देश अभियोजन की प्रभावशीलता में सुधार लाने और अभियोजन सेवाओं में जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए अपने अनूठे अनुभवों को साझा करेंगे। दो दिनों के दौरान, वरिष्ठ नेता आधुनिक संस्थागत चुनौतियों पर चर्चा करेंगे और न्यायनिर्णय की महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करेंगे।

बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित न्याय प्रणाली, आपराधिक मामलों के डिजिटलीकरण, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के प्रबंधन और समयबद्ध मुकदमों के संचालन जैसे विषय प्रमुखता से

शामिल रहेंगे। इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी के उपयोग से न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाना है। बैठक के दौरान पारस्परिक कानूनी सहायता, सीमा पार साक्ष्य साझाकरण और सरकारी अधिकारियों के क्षमता निर्माण के लिए डिजिटल मंच विकसित करने पर भी जोर दिया जाएगा। भारत का विधि एवं न्याय मंत्रालय इस दिशा में व्यावहारिक और गैर-बाध्यकारी सहयोगात्मक ढांचे को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

वर्चुअल माध्यम से आयोजित यह बैठक ब्रिक्स देशों के बीच संस्थागत संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। भारत इस मंच के जरिए आधुनिक, डिजिटल और सहयोगात्मक न्याय व्यवस्था को बढ़ावा देने में अपनी सक्रिय भूमिका को आगे बढ़ा रहा है।

पूर्व सेना प्रमुख द्विवेदी बोले

'डबल फर्स्ट बटालियन' के जवान भारत का झंडा हमेशा ऊंचा रखें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व सेना प्रमुख और जम्मू-कश्मीर राइफल्स और लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंट के मानद कर्नल जनरल उपेंद्र द्विवेदी, (रिटायर्ड) ने जाने-माने 'डबल फर्स्ट बटालियन' का दो दिवसीय दौरा किया।

इस दौरे ने भारतीय सेना की सबसे प्रतिष्ठित इन्फैंट्री रेजिमेंट्स में से एक के साथ उनके गहरे और लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते को फिर से मजबूत किया। यह दौरान सैनिकों की अगली पीढ़ी को ऑपरेशनल एक्सीलेंस के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है। इस दौरे से पाकिस्तान को 1965 और 1971 के युद्धों में हार का सबक याद आ गया होगा।

इस दौरान उन्होंने सर्वश्रेष्ठ इक्कीस के सीओ और जोरावर बटालियन के सैनिकों से बातचीत की। जनरल ने सभी रैंक के जवानों से रेजिमेंट के खास मूल्यों, परंपराओं और बेहतरीन प्रदर्शन की भावना को बनाए रखने और रेजिमेंट का झंडा हमेशा ऊंचा रखने का आह्वान किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109